केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

सफलता के लिए सिर्फ कल्पना ही नहीं सार्थक कर्म भी जरूरी है सीढ़ियों को देखते रहना ही पर्याप्त नहीं है सीढ़ियों पर चढ़ना भी जरूरी है

वर्ष : 16 अंक : 353 | उज्जैन, गुरुवार 04 जून 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

क्या फिर से बनेगी अरावली की परिभाषा? सुप्रीम कोर्ट ने जांच के लिए किया हाई लेवल कमेटी का गठन

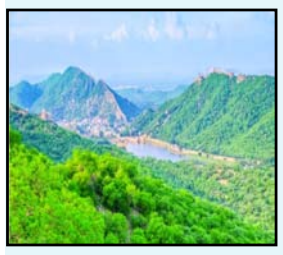

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पर्वतमाला की परिभाषा और सीमांकन पर केंद्र की रिपोर्ट की स्वतंत्र समीक्षा करने के लिए एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया है। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद की महानिदेशक कंचन देवी की अध्यक्षता वाली समिति को 31 अगस्त तक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। ये मामला अरावली पहाड़ियों की 100 मीटर की ऊंचाई के मापदंड विवाद से संबंधित है। गठित उच्च स्तरीय समिति के अन्य सदस्य भारतीय वन सर्वेक्षण के पूर्व महानिदेशक डॉक्टर सुभाष आशुतोष, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के पूर्व निदेशक डॉक्टर राजेन्द्र कुमार शर्मा, पर्यावरण मंत्रालय के पूर्व संयुक्त सचिव बृजमोहन सिंह राठौर और दिल्ली विश्वविद्यालय में वनस्पति विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अशोक के. भटनागर शामिल हैं। इसके अलावा कोर्ट ने बंगलूरू स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट फार ह्यूमन सेटेलमेंट के प्रोफेसर जगदीश कृष्णस्वामी और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर लक्ष्मीकांत शर्मा को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में नियुक्ति किया है। जिन्हें आवश्यकतानुसार अध्यक्ष द्वारा समिति के कार्य से जोड़ा जा सकता है। इस उच्च स्तरीय समिति को अरावली पहाड़ियों की परिभाषा व अन्य मुद्दों से संबंधित 2025 की रिपोर्ट से उत्पन्न सवालों की जांच का काम सौंपा गया है। समिति इस बात का भी मूल्यांकन करेगी कि क्या मौजूदा नियामक तंत्रों में कोई महत्वपूर्ण कमियां हैं जिनके चलते अरावली की व्यापक वैज्ञानिक और भूवैज्ञानिक जांच जरूरी हो जाती है। साथ ही जांचेगी कि 100 मीटर या उससे अधिक की ऊंचाई वाली अरावली की पहाड़ियां, प्रस्तावित 500 मीटर की सीमा से अधिक दूरी पर स्थिति होने के बावजूद, एक सतत पारिस्थितिक संरचना का निर्माण करती हैं, और क्या ऐसी बीच की खाली जगहों में खनन गतिविधियों की अनुमति दी जानी चाहिए।

मान जाएंगे अन्नामलाई! शाह के बाद पीएम मोदी से होगी मुलाकात, दो दिन में पूरी पिक्चर क्लियर

नई दिल्ली/ जीएनएस। भाजपा छोड़ने का मूड लेकर दिल्ली पहुंचे के. अन्नामलाई के पार्टी में रुकने की संभावना बढ़ गई है, लेकिन अंतिम फैसला बाकी है। भाजपा में और खासकर तमिलनाडु इकाई में उनकी भूमिका को लेकर मंथन का दौर शुरू हो गया है। भूमिका इतने दायरे में ही होगी जिससे भाजपा की राष्ट्रीय सोच और छवि पूरी तरह दुरुस्त रहे। मंगलवार को अमित शाह ने अन्नामलाई को भाजपा के बैनर तले ही जनसंपर्क की गतिविधियां चलाने की सलाह दी थी, लेकिन अन्नामलाई ने भाजपा की तमिलनाडु इकाई के नेताओं के रवैये को लेकर शिकायत की थी। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व इसे दूर करने का भरोसा दिया है। सूत्रों के अनुसार अमित शाह और अन्नामलाई के बीच बुधवार को भी बातचीत हुई। बताया जाता है कि इस बातचीत में आरएसएस के वरिष्ठ विचारक एस गुरूमूर्ति भी शामिल थे। गुरूमूर्ति खासतौर पर इसी के लिए चेन्नई से दिल्ली आए थे। अमित शाह से लगातार दूसरे दिन मुलाकात से अन्नामलाई के भाजपा में रुकने की संभावना बढ़ गई है। गुरूमूर्ति को अन्नामलाई का काफी करीबी बताया जाता है। कहा जा रहा है कि तीनों नेताओं के बीच विजय की पार्टी टीवीके की एतिहासिक जीत के बाद तमिलनाडु में बदले राजनीतिक परिदृश्य के साथ ही अन्नामलाई द्वारा प्रस्तावित जनसंपर्क अभियान की रूपरेखा पर भी चर्चा हुई। शाह ने अन्नामलाई की लोकप्रियता को देखते हुए उनके जनसंपर्क अभियान को ज्यादा व्यापक और भव्य बनाने का भरोसा दिया। बताया जाता है कि सबकुछ तय होने के बाद अन्नामलाई की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात होगी और उसके बाद ही वे भाजपा के साथ रहने की घोषणा कर सकते हैं।

प्रदेश में शीघ्र लागू होगी समान नागरिक संहिता : मुख्यमंत्री

दो साल में प्रारंभ किये प्रदेश में 7 नए मेडिकल कॉलेज

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश में एक निशान, एक विधान और एक कानून लागू हो, इस राष्ट्रीय भावना में कुछ भी गलत नहीं है। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को देश के 3 राज्यों ने पहले ही लागू कर दिया है। हमारी सरकार भी इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। शीघ्र ही मध्यप्रदेश भी देश का यूसीसी लागू करने वाला राज्य बन जाएगा। इसके लिए हमने उच्चतम न्यायालय की रिटायर्ड जज न्यायमूर्ति श्रीमती रंजना देसाई की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीति गठित कर दी है। यह समिति जिला स्तर पर सभी वर्गों से उनकी राय ले रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी जनजातीय समुदाय को यूसीसी से पृथक रखा जाएगा। उन्हें अपने पारम्परिक रीति-रिवाज मानने की स्वतंत्रता होगी। गुजरात में भी इसी प्रकार का प्रावधान लागू किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित इंडिया@2047 कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति योग्य है, तो सरकार जाति, धर्म और समुदाय से ऊपर उठकर कार्य करती है। आज जनजातीय वर्ग से आने वाली श्रीमती द्रोपदी मुर्मु देश के राष्ट्रपति पद की शोभा बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि हम मध्यप्रदेश में यूसीसी लागू करने के लिए खुले विचार और खुले हृदय के साथ काम करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम मध्यप्रदेश को सभी क्षेत्रों में अव्वल राज्य बनाने के संकल्प के साथ कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वैश्विक स्तर पर ईंधन की चुनौती के दौर में प्रधानमंत्री डॉ. नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर हमारी सरकार ने पर्यावरण और ईंधन को बचाने के लिए इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) खरीदा है। अब वे ईवी से ही यात्रा करेंगे। यह पर्यावरण अनुकूल वाहन (ईवी) ईंधन के संरक्षण के साथ-साथ वायु प्रदूषण को भी रोकने में कारगर है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए कार्य कर रही है। ग्रामीण आबादी को दूध उत्पादन, पशुपालन और आधुनिक खेती से जोड़ने के लिए प्रयास किए गए हैं। गांव-गांव तक बिजली, पानी और सड़कों का विकास हुआ है। पिछले साल सरकार ने औद्योगीकरण को बढ़ावा देने के लिए काम किया। इसके परिणामस्वरूप प्रदेश में 10 लाख करोड़ रुपए का निवेश आया है। प्रदेश के इंडस्ट्रियल पार्कों में यूनिट्स खुल गईं और लोगों को रोजगार के अवसर मिलने लगे हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस -2025) में 30 लाख करोड़ रुपए के एमओयू साइन हुए थे। इसमें से अब तक करीब 30 प्रतिशत निवेश धरातल पर नजर आ रहा है। यह राज्य सरकार का बड़ी सफलता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के विकास में शिक्षा का विशेष महत्व है। मध्यप्रदेश की स्थापना से लेकर 2002-03 तक मेडिकल कॉलेजों की संख्या केवल 5 थी। अब इनकी संख्या बढ़कर 30 हो गई है। इनमें से 7 नए मेडिकल कॉलेज तो हमने पिछले 2 साल के दौरान ही प्रारंभ किए हैं। प्रदेश में 3 नए शासकीय विश्वविद्यालय खरगोन में टंट्या मामा, गुना में तात्या टोपे और सागर में रानी अवंती बाई लोधी के नाम पर शुरू किए गए हैं। सभी 55 जिलों में नए पीएम एक्सीलेंस कॉलेज भी संचालित किए जा रहे हैं। प्रदेश के विश्वविद्यालयों में अब कृषि संकाय की भी पढ़ाई कराई जा रही है। प्रदेश में नए-नए सांदीपनि विद्यालय तेजी से खोले जा रहे हैं। प्रदेश के शैक्षणिक और सांस्कृतिक विकास के लिए हम तेजी से काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में ग्लोबल इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव (जीआईएस) पहले केवल इंदौर तक सीमित थी। हमारी सरकार ने इसे पहली बार राजधानी (भोपाल) में आयोजित किया। इससे पहले राज्य में संभाग और जिला स्तर पर रीवा, ग्वालियर, नर्मदापुरम, कटनी जैसे स्थानों पर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव (आरआईसी) आयोजित कर निवेशकों को आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर अंचल की अलग-अलग विशेषता है। राज्य सरकार ने उद्योग केंद्रित 18 नीतियां लागू कीं। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में भारी उद्योग, लघु उद्योग और एमएसएमई में देशभर से निवेश आया। कई कारखानों में उत्पादन शुरू हो चुका है। राज्य सरकार की पहल पर प्रदेश में आई औद्योगिक क्रांति से अब तक 2 लाख से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में रोजगार आधारित उद्योग स्थापित करने पर सरकार प्रति श्रमिक 5000 रुपए महीना आर्थिक सहायता 10 वर्ष तक देगी। अन्य श्रेणी के उद्योगों को आगे बढ़ने में भी सरकार पूरी मदद दे रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसी भी धर्म का अपमान करना हमारी संस्कृति नहीं है लेकिन अपने धर्म पर गर्व करने में क्या बुराई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया में अपना विशिष्ट स्थान बना रहा है। अब हमारी सरकारें माननीय न्यायालयों के निर्णयों को पूरे सदभाव और शांतिपूर्ण तरीके से लागू करा रही हैं। अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण इसका श्रेष्ठ उदाहरण है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विरासत से विकास का घोष वाक्य दिया है। हमारा इतिहास बहुत समृद्ध है। राजा भोज की कर्मस्थली धार में स्थापत्य कला के अनेक उदाहरण भरे पड़े हैं। यहां भोजशाला परिसर में ज्ञान की देवी सरस्वती (मां वाग्देवी) की प्रतिमा को वापस लाकर स्थापित किया जाएगा। हम न्यायालय के निर्णय को लागू कराते हुए यहां विकास कार्यों को भी गति देंगे। उन्होंने कहा कि देश में धार्मिक पर्यटन से आर्थिक विकास को गति मिलती है और स्थानीय रोजगार को भी बढ़ावा मिलता है। भोजशाला के विकास से धार में पर्यटन के नए द्वार खुलेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार बहनों के कल्याण के लिए निरंतर काम कर रही है। प्रदेश की सभी पात्र लाड़ली बहनों को प्रोत्साहन राशि की अब तक 36 किश्तें दी जा चुकी हैं। इस योजना की शुरुआत से अब तक करीब 55 हजार करोड़ से अधिक की आर्थिक सहायता लाड़ली बहनों को हम दे चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विकसित भारत @2047 के राष्ट्रीय संकल्प को पूरा करने के लिये मध्यप्रदेश सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ विकसित मध्यप्रदेश @2047 के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रही है।

कांग्रेस हाईकमान ने निभाया अपना वादा, अब सिद्दरमैया पर बढ़ा राज्यसभा उम्मीदवार बनने का दबाव

नई दिल्ली/ जीएनएस। कर्नाटक की डीके शिवकुमार की नई सरकार में पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरमैया के बेटे यतींद्र सिद्दरमैया को शामिल कर कांग्रेस हाईकमान ने उनसे किए दूसरे वादे को भी पूरा कर दिया।

राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की राह आसान करने की कसरत में शीर्ष नेतृत्व ने मुख्यमंत्री शिवकुमार के बुधवार को हुए शपथ से पूर्व मंगलवार रात ही सिद्दरमैया को पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारण इकाई कांग्रेस कार्यसमिति में शामिल किए जाने की घोषणा कर दी थी।

इन दोनों फैसलों से साफ है कि कांग्रेस नेतृत्व का सिद्दरमैया को राष्ट्रीय राजनीति में लाने का इरादा है और ऐसे में राज्यसभा चुनाव की उम्मीदवारी के लिए उनको राजी करना ही अब बाकी रह गया है।

सिद्दरमैया को राष्ट्रीय राजनीति में लाने के प्रयासों के तहत ही डीके शिवकुमार की नई सरकार में बेटे ही नहीं उनके समर्थकों को भी तवज्जो दी गई है। कर्नाटक समेत अन्य राज्यों के राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों का फैसला कांग्रेस नेतृत्व द्वारा इसी हफ्ते लिया जाना है। दरअसल हाईकमान डीके शिवकुमार के बतौर मुख्यमंत्री बचे दो साल के कार्यकाल के दौरान कोई अंदरूनी दूसरा सत्ता केंद्र नहीं बनने देना चाहता ताकि कर्नाटक के 2028 में होने वाले विधानसभा चुनाव में दुबारा वापसी में कोई अड़चन न आए। लोकसभा के अगले आम चुनाव में भी कांग्रेस की राष्ट्रीय राजनीति के लिहाज से कर्नाटक में पार्टी की मजबूत सियासी पैठ कायम रहना बेहद अहम है।

इसके मद्देनजर ही शिवकुमार सरकार में शामिल किए गए 13 मंत्रियों के पहले बैच में राज्य के सभी क्षेत्रों और प्रमुख सामाजिक समीकरण का ध्यान रखा गया है। सियासी चर्चाओं के उलट केवल एक डिप्टी सीएम ही बनाया गया है और वह हैं दलित समुदाय के सूबे के बड़े नेता जी परमेश्वरन। प्रियांक खरगे भी राज्य में दलित वर्ग के उभरते नेता हैं।

मुख्यमंत्री शिवकुमार जहां खुद राज्य के वोक्कालिंगा समुदाय के सबसे बड़े चेहरे बन गए हैं तो सबसे प्रभावशाली लिंगायत समुदाय के प्रमुख नेताओं एमबी पाटिल, शरण पाटिल और ईश्वर खंडरे को मंत्री बनाया गया है। कुरूबा समुदाय के सिद्दरमैया का अहिंदा समीकरण न बिगड़े इसलिए यतींद्र कैबिनेट में शामिल किए गए हैं।

आदिवासी समुदाय के सबसे मुखर नेता सतीश जारकीहोली मुस्लिम वर्ग के यूटी खादर और ईसाई समुदाय से केजे जॉर्ज को मंत्रिमंडल में शामिल कर सामाजिक और राजनीतिक संतुलन साधने की कोशिश की गई है। इस छोटी कैबिनेट में भी शिवकुमार ने सूबे के क्षेत्रीय संतुलन को बनाए रखने का संदेश देने के लिए उत्तरी कर्नाटक ही नहीं बेंगलुरु और पुराने मैसूर क्षेत्रों के प्रमुख नेताओं को भागीदारी सुनिश्चित की है।

4 हाई कोर्ट में 12 जजों की होगी नियुक्ति, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने दी मंजूरी

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने मंगलवार को आयोजित अपनी बैठक में चार राज्यों के हाई कोर्ट में 12 व्यक्तियों को जज के पद पर नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। इनमें न्यायिक अधिकारियों और वकीलों को पदोन्नत कर जज बनाने के साथ-साथ अतिरिक्त जजों को स्थायी करना शामिल है। कॉलेजियम की इन मंजूरी का संबंध कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश और पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट से है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता में आयोजित कॉलेजियम की बैठक में चिराग भानु सिंह, भूपेश शर्मा और योगेश जसवाल के नामों को हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में अनुमोदित किया गया।

कॉलेजियम ने अतिरिक्त न्यायाधीशों जस्टिस हरमीत सिंह ग्रेवाल और जस्टिस दीपेंद्र सिंह नलवा को पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के स्थायी न्यायाधीशों के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी।

एफसीआई के खाद्यान्न की निगरानी बढ़ेगी, बोरियों पर क्यूआर टैग लगेगा

नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्र सरकार ने भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) की अनाज की बोरियों पर क्यूआर टैग लगाने की पहल का दायरा बढ़ाने का फैसला लिया है। इसका मकसद एफसीआई के खाद्यान्न की निगरानी को और सुदृढ़ करना है।

चालू मार्केटिंग सत्र में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और ओडिशा में इस प्रणाली को लागू किया जाएगा। इसके अंतर्गत मिलों से वितरण केंद्रों तक भेजे जाने वाले 20 लाख टन चावल को क्यूआर टैगिंग के दायरे में लाया जाएगा। खाद्यान्न की आवाजाही पर निगरानी रखने और अनाज की बोरियों के पुन-उपयोग पर रोक लगाने के लिए यह कदम उठाया गया है।

आंध्र प्रदेश में दिसंबर 2025-जनवरी 2026 और पंजाब में अप्रैल-मई 2026 के दौरान सफल पायलट परियोजना के बाद यह फैसला लिया गया है।

खुद को खुशकिस्मत समझो कि केरलम में हो, कुंभ फेम मोनालिसा की शादी को लेकर जज ने क्यों कही ये बात?

नई दिल्ली/ जीएनएस। केरलम हाई कोर्ट ने मंगलवार को कुंभ मेले की सोशल मीडिया सेंसेशन मोनालिसा भोसले और उनके पति मोहम्मद फरमान खान की अग्रिम जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया। जस्टिस कौसर एडापगाथ ने संकेत दिया कि बुधवार को इस पर आदेश सुनाया जा सकता है।

मंगलवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट में नाटकीय माहौल रहा। कपल के वकील ने जब मध्य प्रदेश में उन्हें मिल रही धमकियों का जिक्र किया तो जज ने कहा, आप खुशकिस्मत हैं कि आप केरल में हैं। इस पर वकील ने जवाब दिया, यही एकमात्र वजह है कि हम अभी जिंदा हैं। मोनालिसा को 2025 के कुंभ मेले में मोतियों की माला बेचते हुए वायरल वीडियो के बाद फेम मिली थी। इस साल की शुरुआत में उन्होंने केरल में मोहम्मद फरमान खान से शादी की थी। शादी के बाद विवाद तब भड़का जब मोनालिसा की उम्र शादी के लिए न्यूनतम कानूनी उम्र से कम बताए जाने के आरोप लगे।

कपल की ओर से वरिष्ठ वकील एम. ससिंद्रन ने दलील दी कि कट्टरपंथी समूह और मध्य प्रदेश प्रशासन के कुछ हिस्से मोनालिसा को गलत तरीके से नाबालिग बताकर शादी को अमान्य कराने की कोशिश कर रहे हैं।

जबरदस्ती के रिश्ते से कर दो आजाद, कोर्ट में लंबे समय से चल रहे वैवाहिक मुकदमों पर SC का फैसला

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने वैवाहिक मुकदमों के लंबे खिंचने पर टिप्पणी करते हुए अपने एक फैसले में कहा है कि वैवाहिक मुकदमों का लंबे समय तक लंबित रहना, केवल कागजों पर शादी को हमेशा के लिए बनाए रखने जैसा है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि यह पक्षों और समाज के हित में है कि उन मामलों में पक्षों के बीच संबंध समाप्त कर दिए जाएं, जहां मुकदमा काफी लंबे समय से लंबित है। सुप्रीम कोर्ट ने यह बात 15 साल से ज्यादा समय से अलग रह रहे जोड़े की शादी को खत्म करते हुए कही। कोर्ट ने कहा कि वैवाहिक संबंध को बेवजह लंबा खींचने से न केवल एक मृत रिश्ते में हताशा और बढ़ेगी, जो पहले ही सड़ चुका है और दिन-ब-दिन और भी खराब होता जा रहा है, बल्कि इससे जीवन में एक घिनौना सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और मानसिक खालीपन भी पैदा होगा।

इसका परिणाम ये होगा कि व्यक्ति को फलने फूलने के लिए वह स्वतंत्र और मुक्त वातावरण नहीं मिल पाएगा, जिसकी हर इंसान अपने तन और मन से चाहत रखता है।

पीठ ने कहा कि इस कोर्ट की राय है कि न्यायालय में लंबित ऐसे वैवाहिक मुकदमों को समाप्त किया जाना चाहिए और पक्षों को इस बासी और ठहरे हुए रिश्ते से मुक्ति प्रदान की जानी चाहिए।

इसके साथ ही कोर्ट ने मामले में पूर्ण न्याय करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 142 में सुप्रीम कोर्ट को प्राप्त विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए शादी को समाप्त घोषित कर दिया। ये फैसला न्यायमूर्ति संजय करोल और एजी मसीह की पीठ ने राजस्थान हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली पत्नी की अपील खारिज करते हुए दिया। हाई कोर्ट ने पति की अपील मंजूर करते हुए तलाक का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले को सही ठहराते हुए कहा कि अदालतों ने बार बार ये स्थापित किया है कि शारीरिक नजदीकी से इन्कार करना गंभीर मानसिक पीड़ा देता है और शादी की बुनियाद को कमजोर करता है।

पीएम मोदी 10 जून को तोड़ देंगे चाचा नेहरू का रिकॉर्ड, बन जाएंगे लगातार सबसे लंबे कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री

नई दिल्ली/ जीएनएस। राजनीतिक-सार्वजनिक जीवन में कई प्रतिमान प्रस्तुत कर चुके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब एक और बड़ी उपलब्धि से कुछ कदम दूरी पर खड़े हैं। इसी 10 जून को मोदी लगातार सबसे लंबे कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री बन जाएंगे।

उन्होंने 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी और इस तरह उनका अब तक का कुल कार्यकाल 4399 दिनों का हो जाएगा, जबकि अब तक सतत लंबे कार्यकाल का रिकॉर्ड देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के नाम है, जिन्होंने इस दायित्व को लगातार 4398 दिनों तक संभाला।

चुनावों के बाद पहली लोकसभा का गठन 17 अप्रैल, 1952 को हुआ था और नवगठित लोकसभा की पहली बैठक 13 मई, 1952 को हुई थी। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 13 मई, 1952 को प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली और 27 मई, 1964 तक सेवा की। 13 मई, 1952 से 27 मई, 1964 तक की यह अवधि 4,398 दिनों की होती है।

वहीं, नरेन्द्र मोदी 2014 में प्रधानमंत्री चुने गए। 26 मई, 2014 से 10 जून, 2026 तक भारत के प्रधानमंत्री के रूप में सेवा करने के उनके कुल दिन 4,399 हो जाएंगे। इंदिरा गांधी का लगातार प्रधानमंत्री कार्यकाल 24 जनवरी 1966 से 24 मार्च 1977 तक था। यह 4077 दिन होता है, जिसे पीएम मोदी ने 25 जुलाई, 2025 को ही पार कर लिया था।

उल्लेखनीय है कि पंडित नेहरू और पीएम मोदी ने अलग-अलग परिस्थितियों में नेतृत्व संभाला है। नेहरू प्रधानमंत्री बने, तब भारत की जनसंख्या लगभग 34 करोड़ थी।

वहीं, पीएम मोदी ने 2014 में पदभार संभाला, तब तक भारत की जनसंख्या 131 करोड़ से अधिक हो चुकी थी, जो पैमाने और शासन की जटिलता के मामले में लगभग चार गुणा अधिक थी।

करियर कन्फ्यूजनः डिग्री फ्रेम में और पैसा जेब में रखें- विजय दुबे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आज के दौर में युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है, करियर को लेकर भ्रम की स्थिति। अधिकांश छात्र और युवा सही समय पर सही मार्गदर्शन नहीं मिलने के कारण अपने भविष्य को लेकर असमंजस में रहते हैं। विडंबना यह है कि सूचना क्रांति और इंटरनेट के इस युग में भी कई लोग अपने करियर के फैसले तथ्यों और विशेषज्ञों की सलाह के बजाय दोस्तों या ऐसे साथियों की राय पर आधारित रहते हैं, जो स्वयं अपने भविष्य को लेकर स्पष्ट नहीं होते।

करियर निर्माण का पहला नियम है स्वयं को पहचानना। अपनी रुचियों, क्षमताओं और कौशल का सही आकलन कर लक्ष्य निर्धारित करना सफलता की दिशा में पहला कदम है। जब व्यक्ति अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट होता है, तभी वह पूरी ऊर्जा और एकाग्रता के साथ आगे बढ़ पाता है। आत्मविश्वास सफलता की सबसे महत्वपूर्ण कुंजी है। जब तक व्यक्ति स्वयं पर विश्वास नहीं करता, तब तक भ्रम और अनिश्चितता उसका पीछा नहीं छोड़ते।

सफलता प्राप्त करने के लिए सही संगति भी अत्यंत आवश्यक है। ऐसे लोगों के साथ समय बिताना चाहिए जो सकारात्मक सोच रखते हों, अपने क्षेत्र में सफल हों और आपके लक्ष्यों को समर्थन देते हों। सफल लोगों के अनुभव और मार्गदर्शन युवा पीढ़ी को सही दिशा प्रदान कर सकते हैं। यह भी याद रखना चाहिए कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। निरंतर प्रयास, अनुशासन और दृढ़ता ही सफलता के वास्तविक सूत्र हैं।

समाज में अक्सर डिग्री और धन को सफलता का पर्याय मान लिया जाता है, जबकि वास्तविकता इससे कहीं अलग है। डिग्री ज्ञान का प्रमाण हो सकती है और पैसा जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करने का साधन, लेकिन सफलता का आधार कौशल, सीखने की क्षमता और कर्मठता होती है। डिग्री को फ्रेम में और पैसे को जेब में रखकर ही व्यक्ति सफलता की यात्रा तय करता है। यदि कोई युवा प्रतिदिन एक घंटा पढ़ने और कुछ नया सीखने की आदत विकसित कर ले, तो यह छोटी-सी पहल भविष्य में बड़े परिणाम दे सकती है।

वर्तमान समय तकनीक और नवाचार का युग है। विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसे क्षेत्रों में करियर की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। जो युवा भविष्य की मांग को समझते हुए नई तकनीकों को सीखने के लिए तैयार हैं, उनके लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है। इंटरनेट और डिजिटल प्लेटफॉर्म आज ज्ञान के विशाल स्रोत बन चुके हैं। आवश्यकता केवल सही दिशा में उनका उपयोग करने की है।

यदि किसी युवा के मन में करियर को लेकर कोई भ्रम या शंका हो, तो उसे विशेषज्ञों, शिक्षकों और अनुभवी पेशेवरों से सलाह लेने में संकोच नहीं करना चाहिए। सही समय पर लिया गया मार्गदर्शन भविष्य की दिशा बदल सकता है। अंततः सफलता उन्हीं को मिलती है जो स्वयं पर विश्वास करते हैं, लगातार सीखते रहते हैं और अपने लक्ष्य की ओर दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ते हैं।

पौधा सहित गमला लेकर भागा चोर, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के स्कीम नंबर 78 स्थित बावड़ी वाले बालाजी मंदिर रोड पर चोरी की एक अनोखी घटना सामने आई है। यहां एक चोर रात के अंधेरे में पौधा सहित बड़ा गमला चोरी कर ले गया। पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, घटना 28 मई देर रात करीब 1 बजे की है। वीडियो में एक व्यक्ति लाल रंग के स्कूटर से मौके पर पहुंचता दिखाई दे रहा है। इसके बाद वह सड़क किनारे गेट के बाहर रखा बड़ा गमला, जिसमें लगभग 7 फीट ऊंचा पौधा लगा हुआ था, उठाकर अपने स्कूटर पर रखता है और वहां से फरार हो जाता है। यह मामला लसूड़िया थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है। कई लोगों का कहना है कि चोरों के मन से पुलिस का डर खत्म होता नजर आ रहा है, तभी इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक इस संबंध में थाने में कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई थी। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि पुलिस वायरल वीडियो के आधार पर स्वतः संज्ञान लेकर कोई कार्रवाई करती है या फिर मामला केवल सोशल मीडिया तक ही सीमित रह जाता है।

विश्व पर्यावरण दिवस और वर्षा ऋतु की तैयारियों को लेकर उद्यान विभाग की समीक्षा बैठक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी वर्षा ऋतु, विश्व पर्यावरण दिवस तथा शहर में हरित आवरण बढ़ाने की तैयारियों को लेकर नगर निगम के जनकार्य प्रभारी राजेंद्र राठौर ने उद्यान विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में शहर के सभी जोनों में उद्यानों के संधारण, वृक्षारोपण, जल संरक्षण और वर्षाकालीन व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में जनकार्य प्रभारी ने बताया कि 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राज्य शासन और नगरीय विकास एवं आवास मंत्री के निर्देशन तथा महापौर पुष्यमित्र भार्गव के नेतृत्व में शहरव्यापी सांकेतिक पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत नगर निगम के प्रत्येक जोन में एक हजार पौधे लगाए जाएंगे। इसके लिए अधिकारियों को पौधारोपण स्थलों का चयन, पौधों की उपलब्धता और उनके संरक्षण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में आगामी ब्रिक्स देशों के सम्मेलन को ध्यान में रखते हुए शहर के प्रमुख मार्गों, उद्यानों और हरित क्षेत्रों को आकर्षक एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों को शहर की सौंदर्यीकरण गतिविधियों में तेजी लाने तथा उद्यानों के रखरखाव को बेहतर बनाने के निर्देश दिए गए। साथ ही विभिन्न वार्डों में स्थित उद्यानों के ट्यूबवेलों के नियमित संचालन और संधारण की समीक्षा कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया।

जल संरक्षण और भूजल संवर्धन को प्राथमिकता देते हुए उद्यानों में पूर्व से निर्मित वाटर रिचार्जिंग संरचनाओं के रखरखाव तथा आवश्यकता अनुसार नए रिचार्जिंग पिट विकसित करने के निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि वर्षा जल के अधिकतम संचयन के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर उसे समयबद्ध तरीके से लागू किया जाए।

वर्षा ऋतु के दौरान संभावित आंधी-तूफान को देखते हुए शहर में खतरनाक और जर्जर वृक्षों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई करने, सूखी शाखाओं की छंटाई करने तथा दुर्घटना की आशंका वाले वृक्षों को हटाने के निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा ग्रीन वेस्ट के त्वरित संग्रहण और वैज्ञानिक निष्पादन की व्यवस्था को मजबूत करने पर विशेष बल दिया गया। जनकार्य प्रभारी राजेंद्र राठौर ने कहा कि आगामी वर्षाकालीन वृक्षारोपण अभियान को केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि उनके संरक्षण और दीर्घकालिक संवर्धन पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को विभिन्न क्षेत्रों में उपयुक्त स्थलों का चयन कर विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि शहर के हरित क्षेत्र में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित की जा सके।

तुकोगंज पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का किया पर्दाफाश, फरार नाबालिग सहित 6 चोरी के वाहन बरामद

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में लगातार बढ़ रही वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना तुकोगंज पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने एक वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए लंबे समय से फरार चल रहे एक नाबालिग आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की निशानदेही पर चोरी के छह दोपहिया वाहन बरामद किए गए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब छह लाख रुपये बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी सूने स्थानों और पार्किंग में खड़े वाहनों को निशाना बनाता था। वह वाहनों का लॉक तोड़कर डायरेक्ट वायर कनेक्शन के माध्यम से उन्हें स्टार्ट कर चोरी कर लेता था। पूछताछ में आरोपी ने शहर के तुकोगंज, परदेशीपुरा, एमआईजी और आजादनगर थाना क्षेत्रों के साथ ही देहात के सांवेर थाना क्षेत्र से भी वाहन चोरी करना स्वीकार किया है।

जानकारी के मुताबिक, थाना क्षेत्र में लगातार मिल रही वाहन चोरी की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम गठित की गई थी। इसी गिरोह के चार अन्य सदस्यों को पुलिस पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी है, जिनके कब्जे से 12 चोरी के दोपहिया वाहन बरामद किए गए थे। इसके बाद से पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी।

इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि वाहन चोरी के प्रकरण में फरार नाबालिग आरोपी कंचन बाग आम रोड, साउथ तुकोगंज क्षेत्र में मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने कई वाहन चोरी की वारदातों में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली।

आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने जंजीर वाला चौराहा स्थित एक स्कूल ग्राउंड से चोरी के छह दोपहिया वाहन बरामद किए। बरामद वाहनों में स्प्लेंडर, एक्सेस, पल्सर और हीरो होंडा डीलक्स सहित विभिन्न मॉडल शामिल हैं। पुलिस अब वाहनों के वास्तविक मालिकों की पहचान कर उन्हें सुपुर्द करने की प्रक्रिया में जुटी हुई है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वाहन चोरी करने वाले गिरोह के अन्य सदस्यों और उनसे जुड़े संभावित नेटवर्क की भी जांच की जा रही है। शहर में वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए मोदी सरकार के 12 वर्ष बेमिसालः श्रवणसिंह चावड़ा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी जिला इंदौर ग्रामीण की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की शुरुआत के बाद से देश ने विकास, सुशासन और गरीब कल्याण के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के 12 वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए बेमिसाल रहे हैं तथा भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। बैठक का शुभारंभ भारत माता, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

चर्चित अभि तोमर हत्याकांड में फरार मुख्य आरोपी को संरक्षण देने वाले पिता और पत्नी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गुलाब बाग पेट्रोल पंप के सामने हुए चर्चित अभितेंद्र उर्फ अभि तोमर हत्याकांड में पुलिस ने फरार मुख्य आरोपी चंद्रकांत उर्फ डीलू लहारिया को संरक्षण देने के आरोप में उसकी पत्नी और पिता को गिरफ्तार किया है। दोनों पर आरोपी को गिरफ्तारी से बचाने और उसे संरक्षण प्रदान करने का आरोप है।

पुलिस थाना लसूड़िया द्वारा मामले की विवेचना के दौरान अब तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच में सामने आया कि घटना के बाद से फरार चल रहे मुख्य आरोपी चंद्रकांत उर्फ डीलू लहारिया को उसकी पत्नी प्रीति लहारिया और पिता राजेंद्र कुमार शर्मा लगातार सहयोग कर रहे थे। पुलिस के अनुसार दोनों को घटना की पूर्व जानकारी भी थी और वे आरोपी को कानून की गिरफ्त से बचाने में मदद कर रहे थे।

विवेचना के दौरान लसूड़िया पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी की पत्नी और पिता अपने पुत्र एवं पोते से मिलने इंदौर आने वाले हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई और देवगुराड़िया क्षेत्र में घेराबंदी कर दोनों को हिरासत में ले लिया।

पुलिस ने पूछताछ और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर पाया कि दोनों की मामले में संलिप्तता प्रथम दृष्टया स्थापित होती है। इसके बाद उन्हें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 61(2) के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हत्याकांड के फरार मुख्य आरोपी चंद्रकांत उर्फ डीलू लहारिया की तलाश लगातार जारी है।

मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है ताकि घटना में शामिल सभी व्यक्तियों की भूमिका स्पष्ट हो सके और उन्हें कानून के दायरे में लाया जा सके।

इंडस्ट्रीज हाउस तिराहा पर यातायात हुआ अधिक सुगम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के अत्यंत व्यस्त इंडस्ट्रीज हाउस तिराहा पर नगर निगम और यातायात पुलिस द्वारा किए गए इंजीनियरिंग सुधारों के बाद यातायात व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। लगातार बढ़ते ट्रैफिक दबाव और जाम की समस्या को देखते हुए किए गए इन सुधारात्मक कार्यों के चलते अब इस क्षेत्र में वाहनों का आवागमन पहले की तुलना में अधिक सुगम और व्यवस्थित हो गया है। पूर्व में पलासिया एवं गिटार तिराहा की ओर से आने वाले वाहन, जो इंडस्ट्रीज हाउस तिराहा से लेफ्ट टर्न लेकर जंजीरवाला चौराहा की ओर जाते थे, उन्हें लेफ्ट टर्न की कम चौड़ाई के कारण रुकना पड़ता था। इसी तरह एलआईजी चौराहा की ओर से आने वाले वाहनों को भी राइट टर्न लेने में कठिनाई होती थी, क्योंकि सड़क संकरी होने के कारण सिग्नल के एक चक्र में सीमित वाहन ही निकल पाते थे। इसके परिणामस्वरूप तिराहे पर अक्सर लंबी कतारें लगती थीं और यातायात बाधित रहता था। पीक ऑवर्स के दौरान स्थिति और भी गंभीर हो जाती थी, जब इंडस्ट्रीज हाउस तिराहा एवं जंजीरवाला क्षेत्र में यातायात का दबाव अत्यधिक बढ़ जाता था। इससे वाहन चालकों को असुविधा और यातायात पुलिस को भी प्रबंधन में कठिनाई का सामना करना पड़ता था।

उपचारित सीवरेज जल के पुनः उपयोग पर मंथन, इंदौर में आयोजित हुई उच्च स्तरीय तकनीकी कार्यशाला

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में गिरते भूजल स्तर और बढ़ती जल मांग की चुनौतियों से निपटने के लिए इंदौर नगर निगम ने उपचारित सीवरेज जल के पुनः उपयोग और आधुनिक शोधन तकनीकों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। इसी उद्देश्य से नगर निगम द्वारा एआईसीटीसीएल कार्यालय में एक दिवसीय उच्च स्तरीय तकनीकी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें देश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक एवं तकनीकी संस्थानों के विशेषज्ञों ने भाग लेकर अपने अनुभव और सुझाव साझा किए।

नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल की उपस्थिति में आयोजित कार्यशाला में इंदौर के जल संसाधनों के संरक्षण, भूजल स्तर में सुधार तथा उपचारित सीवरेज जल के अधिकतम उपयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने कहा कि वर्तमान समय में जल संकट की बढ़ती चुनौतियों को देखते हुए उपचारित जल का पुनः उपयोग भविष्य के लिए एक व्यवहारिक और टिकाऊ समाधान बन सकता है।

कार्यशाला में भारतीय प्रबंधन संस्थान इंदौर, आईआईटी कानपुर, आईआईटी दिल्ली और आईआईटी इंदौर सहित विभिन्न संस्थानों के विशेषज्ञों ने भाग लिया। उन्होंने कंस्ट्रक्टेड वेटलैंड, टर्शियरी ट्रीटमेंट, डिस्क फिल्टर, मेम्ब्रेन बायोरिएक्टर (एमबीआर), मूविंग बेड बायोफिल्म रिएक्टर (एमबीबीआर) और एडवांस्ड ऑक्सीडेशन प्रोसेस जैसी आधुनिक एवं कम लागत वाली तकनीकों पर विस्तृत प्रस्तुतियां दीं। विशेषज्ञों ने इन तकनीकों की कार्यप्रणाली, संचालन, रखरखाव और नगरीय निकायों में उनके सफल उपयोग के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला।

चर्चा के दौरान इस बात पर विशेष बल दिया गया कि शहर के प्रमुख सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों से प्राप्त उपचारित जल को चरणबद्ध तरीके से टर्शियरी ट्रीटमेंट सुविधाओं से जोड़ा जाए। विशेषज्ञों के अनुसार लगभग 245 एमएलडी क्षमता वाले एसटीपी संयंत्रों में उन्नत टर्शियरी ट्रीटमेंट व्यवस्था विकसित कर उच्च गुणवत्ता वाला पुनः उपयोग योग्य जल उपलब्ध कराया जा सकता है। इस जल का उपयोग निर्माण कार्यों, औद्योगिक इकाइयों, उद्यानों, हरित क्षेत्रों की सिंचाई, सड़क धुलाई तथा जलाशयों के पुनर्भरण जैसे कार्यों में बड़े पैमाने पर किया जा सकता है। कार्यशाला में निर्माण गतिविधियों में भूजल के दोहन को नियंत्रित करने के लिए भी सुझाव दिए गए।

सिंहस्थ की तैयारियों को लेकर महापौर ने किया एमआर-4 और एमआर-12 सड़क परियोजनाओं का निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी सिंहस्थ महापर्व की तैयारियों के तहत शहर की यातायात एवं आधारभूत अधोसंरचना को मजबूत बनाने के लिए नगर निगम द्वारा विभिन्न परियोजनाओं पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं जनकार्य प्रभारी राजेंद्र राठौर ने निर्माणाधीन एमआर-04 और एमआर-12 सड़क परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने अहिल्या आश्रम स्कूल से भागीरथपुरा होते हुए आईएसबीटी एमआर-10 तक निर्माणाधीन एमआर-04 रोड परियोजना का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों से निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, प्रगति और निर्धारित समय-सीमा के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। महापौर ने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को निर्देश दिए कि सड़क निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ तय समय में पूर्ण किए जाएं, ताकि नागरिकों को बेहतर यातायात सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

इसके बाद महापौर ने एमआर-10 से एमआर-12 तक निर्माणाधीन सड़क मार्ग का भी निरीक्षण किया। इस दौरान सड़क निर्माण की तकनीकी प्रगति, आवश्यक अधोसंरचनात्मक कार्यों और यातायात प्रबंधन संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरे किए जाएं।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि आगामी सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए शहर की सड़क और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर तेजी से काम किया जा रहा है। इन परियोजनाओं के पूरा होने से सिंहस्थ के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, वहीं शहरवासियों को भी लंबे समय तक सुगम एवं व्यवस्थित यातायात व्यवस्था का लाभ प्राप्त होगा।

निरीक्षण के दौरान पार्षद कमल वाघेला, अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, अधीक्षण यंत्री पी.एस. कुशवाह, नरेश जायसवाल सहित नगर निगम के अधिकारी और संबंधित विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तालाबों के विकास कार्यों का निरीक्षण, ब्रिक्स सम्मेलन की तैयारियों का भी लिया जायजा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संरक्षण और जल स्रोतों के संवर्धन को प्राथमिकता देते हुए जिले में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बुधवार को कलेक्टर शिवम वर्मा एवं नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने भोरासाला तालाब और टिगरिया बादशाह तालाब पर चल रहे विकास एवं संरक्षण कार्यों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने तालाबों के गहरीकरण, साफ-सफाई, जल संरक्षण और सौंदर्यीकरण कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर शिवम वर्मा और आयुक्त क्षितिज सिंघल ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान का उद्देश्य जल स्रोतों का संरक्षण, भू-जल स्तर में वृद्धि तथा वर्षा जल के अधिकतम संचयन को सुनिश्चित करना है। इसके लिए शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित जल संरचनाओं के पुनर्जीवन और संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

तालाबों के निरीक्षण के साथ ही अधिकारियों ने इंदौर में आयोजित होने वाले आगामी ब्रिक्स सम्मेलन की तैयारियों का भी जायजा लिया। कार्यक्रम स्थल से एयरपोर्ट तक प्रस्तावित रूट पर किए जा रहे विकास और सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इसके बाद नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने शहर में संचालित स्वच्छता एवं विकास कार्यों का व्यापक निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में साफ-सफाई व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, निर्माणाधीन परियोजनाओं तथा नागरिक सुविधाओं की स्थिति का अवलोकन किया। आयुक्त ने नंदलालपुरा स्थित नवनिर्मित सब्जी मंडी एवं फ्रूट मंडी मार्केट का भी निरीक्षण किया। इस दौरान बाजार परिसर में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, पार्किंग व्यवस्था, स्वच्छता, यातायात संचालन और व्यापारियों व नागरिकों की सुविधा के लिए किए गए प्रबंधों की समीक्षा की गई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं को और अधिक बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

परमाणु नगर बनी इंदौर की आदर्श जीरो वेस्ट कॉलोनी, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का मिसाल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर किए जा रहे नवाचारों के बीच परमाणु नगर कॉलोनी एक आदर्श 'जीरो वेस्ट कॉलोनी' के रूप में उभरकर सामने आई है। नगर निगम के मार्गदर्शन और रहवासियों की सक्रिय सहभागिता से यह कॉलोनी स्वच्छता, संसाधन संरक्षण और पर्यावरणीय संतुलन का उत्कृष्ट उदाहरण बन गई है, जो अब पूरे शहर के लिए प्रेरणास्रोत है।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं निगमायुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशन में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए चलाए जा रहे प्रयासों के तहत परमाणु नगर ने कचरा प्रबंधन और हरित जीवनशैली का सफल मॉडल प्रस्तुत किया है। कॉलोनी में रहने वाले 68 परिवार न केवल घर-घर कचरा पृथक्करण को अपनाते हैं, बल्कि जैविक खाद निर्माण, वर्षा जल संचयन, सौर ऊर्जा के उपयोग और हरित क्षेत्र संरक्षण जैसी गतिविधियों को भी नियमित रूप से अमल में ला रहे हैं।

कॉलोनी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां उत्पन्न होने वाले अधिकांश कचरे का निस्तारण परिसर के भीतर ही किया जाता है। रहवासी घरेलू कचरे को छह अलग-अलग श्रेणियों में विभाजित करते हैं, जिससे उसके वैज्ञानिक प्रबंधन में सुविधा होती है। पुनर्चक्रण योग्य सामग्री को अधिकृत विक्रेताओं तक पहुंचाया जाता है, जबकि जैविक कचरे से उच्च गुणवत्ता वाली खाद तैयार की जाती है। इस खाद का उपयोग कॉलोनी के उद्यानों और हरित क्षेत्रों में किया जाता है, जिससे परिसर वर्षभर हरा-भरा और स्वच्छ बना रहता है।

परमाणु नगर ने सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। इसके लिए कॉलोनी में बर्तन बैंक की व्यवस्था की गई है, जहां से सामाजिक एवं पारिवारिक आयोजनों के लिए बर्तन उपलब्ध कराए जाते हैं। इससे प्लास्टिक और थर्माकोल उत्पादों के उपयोग में उल्लेखनीय कमी आई है।

राहुल गांधी एक व्यक्तित्व नहीं विचारधारा है- हरीश चौधरी

कांग्रेस कार्यकर्ता, नेताओं की जय-जयकार बंद करें

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में स्थानीय सिंधु महल में आयोजित संगठन सृजन के दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। कांग्रेस के इतिहास में छोटे कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण में पहली बार प्रदेश के बड़े से बड़े नेताओं ने न केवल संबोधित किया, अपितु बड़ी आत्मीयता से उनसे वार्तालाप कर प्रशिक्षण में भाग लिया।

इस प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता, मध्य प्रदेश के प्रभारी हरीश चौधरी ने संबोधित करते हुए कहा कि राहुल गांधी एक व्यक्तित्व नहीं अपितु विचारधारा का नाम है। आपको समझना होगा कि वह कौन-सा भारत और कौन-सी कांग्रेस का निर्माण करना चाहते हैं, इसके लिए आपको आगे आकर कांग्रेस में अपनी भूमिका का निर्वहन करना है। आप ही नींव के पत्थर हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अभी तक कांग्रेस के निर्माण में कांग्रेस का कार्यकर्ता ही घातक के रूप में कार्य करता आया है। अब नई सोच के साथ कांग्रेस का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि मैंने संगठन की मूल बात आपके समक्ष प्रस्तुत कर दी है, अब जवाबदारी आपकी है। श्री चौधरी ने कहा कि जब भी कोई आंदोलन या प्रदर्शन होता है तब नेताओं के नाम के नारे लगाए जाते हैं, वे नारे लगाना अब बंद करें। किसान, मजदूर और कांग्रेस जिंदाबाद के नारे लगाएं, तभी कांग्रेस का संगठन मजबूत होगा। विद्यार्थियों के लिए चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश की परीक्षा प्रणाली में लूट हो रही है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं को बताया कि मंडलम की सामाजिक, राजनीतिक स्थिति क्या है, इसे कार्यकर्ताओं को समझना होगा। कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता एवं प्रदेश कांग्रेस के सह-प्रभारी संजय दत्त विशेष रूप से उपस्थित थे। प्रशिक्षण शिविर को पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रियव्रत सिंह ने कहा कि संविधान सभा में भारत के कोने-कोने से प्रत्येक वर्ग, धर्म, क्षेत्र के लोगों को स्थान देकर संविधान का निर्माण कांग्रेस ने करवाया था ताकि जनता के कल्याण के लिए सत्ता का उपयोग किया जा सके। प्रशिक्षण विभाग के प्रभारी डॉ. महेंद्र जोशी ने कहा कि कार्यकर्ताओं के आचरण, व्यवहार में परिवर्तन की आवश्यकता है, जिससे समाज में उनका प्रभाव बढ़ सके।

उन्होंने कहा कि अनुशासन के बिना आप दुनिया की कोई लड़ाई नहीं जीत सकते। प्रशिक्षण को राष्ट्रीय प्रशिक्षक रजनीकांत जी ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास महान नेताओं और सिद्धांतों से भरा पड़ा है, इसके अध्ययन की आवश्यकता सभी कार्यकर्ताओं को है। प्रशिक्षण को प्रशिक्षक के. इनायत अली भोपाल ने भी प्रकाश डाला। प्रशिक्षण शिविर में सोशल मीडिया के प्रदेश अध्यक्ष चंचलेश व्यास ने भी सोशल मीडिया की तकनीक की जानकारी कार्यकर्ताओं को दी। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महेंद्र सिंह गुर्जर ने मध्य प्रदेश के प्रभारी एवं सह-प्रभारी तथा अन्य प्रशिक्षकों को मोमेंटो एवं शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। प्रशिक्षण के समापन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जोश एवं उत्साह देखने को बनता था। प्रशिक्षण में भाग लेने वाले कांग्रेस के ब्लॉक, नगर एवं मंडलम अध्यक्षों को जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर संगठन के जिला प्रभारी सदाशिव यादव , मंदसौर विधायक विपिन जैन चारों विधानसभा के प्रभारी उपस्थित थे। उपरोक्त जानकारी प्रशिक्षण शिविर के मीडिया प्रभारी डॉ प्रीतिपालसिंह राणा ने दी है।

सिंगोली की छात्राओं को मिला 20 दिवसीय आन जाब ट्रेनिंग का लाभ

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिंगोली की छात्राओं को व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत 1 मई 2026 से 31 मई 2026 तक 20 दिवसीय ऑन-जॉब ट्रेनिंग प्रदान की गई। इस प्रशिक्षण में आईटी-आईटीईएस ट्रेड की कक्षा 10वीं एवं 12वीं की कुल 36 छात्राओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं को ऑनलाइन कार्य, डाटा एंट्री, वेब पेज निर्माण, नेटवर्किंग हेतु ईथरनेट केबल की जानकारी, एमएस ऑफिस 365 तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विभिन्न उपकरणों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। शासन के निर्देशानुसार आयोजित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों के ज्ञान के साथ-साथ उद्योग एवं बाजार की वास्तविक कार्यप्रणाली से परिचित कराना रहा। विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र जोशी एवं व्यावसायिक प्रशिक्षक विपुल नागदा ने बताया कि व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत इस प्रकार की ट्रेनिंग विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे भविष्य में रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे तथा छात्राओं की तकनीकी दक्षता में वृद्धि होगी। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें आईटी उपकरणों की जानकारी देने के साथ-साथ विभिन्न कार्यों का व्यावहारिक अनुभव भी कराया गया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर कालम्भा कंप्यूटर सेंटर के संचालक राहुल पंचोली ने विद्यालय के प्राचार्य, व्यावसायिक प्रशिक्षक एवं सभी छात्राओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आई.टी.आई. उत्तीर्ण अधिकाधिक विद्यार्थियों का निजी कम्पनियों में रोजगार प्लेसमेंट करवाए-श्री वैष्णव

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से गत दो वर्षो में विभिन्न ट्रेडों में उत्तीर्ण विद्यार्थियों से सतत सम्पर्क, समन्वय एवं निजी कम्पनियों से सम्पर्क समन्वय कर उनका रोजगार के लिए प्लेसमेंट करवाना सुनिश्चित करें। यह निर्देश जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित जिला स्तरीय कौशल विकास समिति की बैठक में जिले के सभी आई.टी.आई. प्राचार्यो को दिए। बैठक में जिला रोजगार अधिकारी श्री दिनेश परमार, सभी आईटीआई प्राचार्य एवं समिति के सदस्य जिला अधिकारी तथा अल्ट्राटेक, अडानी एवं अन्य निजी कम्पनियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में आईटीआई प्राचार्यो को निर्देश दिए गये, कि वे इस सत्र में संस्थान में सभी ट्रेडो में सभी सीटों पर विद्यार्थियों का प्रवेश सुनिश्चित करवाए। बैठक में संस्थावार, विद्यार्थियों के निजी कम्पनियों में प्रशिक्षण एवं अध्ययन भ्रमण की प्रगति की भी समीक्षा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री सीखो कमाओं योजना, प्रधानमंत्री इंटरशिप योजना, एन.ए.सी.एस.योजना, की प्रगति की भी समीक्षा की गई। जिला पंचायत सीईओ ने ड्राप आउट बालिकाओं को प्रेरित कर उनका औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में प्रवेश करवाने के निर्देश भी को दिए है। साथ ही फीटर ड्रेट में जिलों के आई.टी.आई में सीमेंट उद्योगों की मांग अनुरूप सीटों बढ़ाने का प्रस्ताव भी शासन को भेजने के निर्देश दिए गये ।

मदरसों का सत्यापन कर नियमों के अनुरूप कराया जाए संचालन : डॉ. निवेदिता शर्मा

बारिश से पहले जर्जर स्कूल भवनों की मरम्मत एवं बाल संरक्षण मामलों में त्वरित कार्यवाही के दिए निर्देश

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. निवेदिता शर्मा एवं सदस्य श्रीमती सोनम निनामा ने बुधवार को मंदसौर सर्किट हाउस में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी बीएल बिश्नोई, स्वास्थ्य विभाग, श्रम विभाग, वन स्टॉप सेंटर, अपना घर एवं बाल कल्याण समिति के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान आयोग अध्यक्ष डॉ. शर्मा ने शिक्षा विभाग को जिले में संचालित मदरसों का सत्यापन करने तथा उन्हें निर्धारित शासकीय नियमों के अनुरूप संचालित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो मदरसे नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए संचालन बंद कराया जाए। जिले में वर्तमान में 13 मदरसे संचालित हैं।

उन्होंने अपना घर संस्था से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए बच्चों को विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत मुक्त कराने एवं सभी शासकीय प्रक्रियाओं का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग को मंदसौर में शिशु गृह प्रारंभ करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने को कहा।

बैठक में लाड़ली लक्ष्मी योजना के सक्रिय हितग्राहियों की जानकारी ली गई तथा पॉक्सो एक्ट से संबंधित मामलों की समीक्षा की गई। आयोग अध्यक्ष ने कहा कि बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष आने वाले सभी प्रकरणों की 24 घंटे के भीतर शत-प्रतिशत रिपोर्टिंग सुनिश्चित की जाए तथा पॉक्सो मामलों पर विशेष संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाए। डॉ. शर्मा ने शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि बारिश से पूर्व सभी जर्जर स्कूल भवनों की मरम्मत का कार्य पूर्ण कर लिया जाए तथा विद्यालयों में शौचालयों की समुचित व्यवस्था और नियमित संचालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आयोग के निर्देशों को गंभीरता से लेकर प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। बैठक में श्रम विभाग को बाल श्रम रोकने के लिए निरंतर कार्रवाई करने तथा स्वास्थ्य विभाग को निरामय योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिए गए।

मुख्य सचिव ने वी.सी.के माध्यम से की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के अभियान की तैयारियों की समीक्षा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय के वी.सी.कक्ष से वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिये विश्व पर्यावरण दिवस एवं अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस के मध्य 5 जून से 21 जून तक प्रदेश एवं जिलो में आयोजित होने वाले जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के अभियान की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर वृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजन एक पेड़ माँ के नाम अभियान 3.0 के शुभारंभ, 8 जून से स्वच्छता अभियान, 12 से 18 जून तक त्रि-दिवसीय जनकल्याण शिविरों के आयोजन, 19 व 20 जून को प्राकृतिक खेती पर आधारित कार्यशालाओं के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की गई और आवश्यक निर्देश दिए गये। नीमच के एनआईसी कक्ष में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्री बी.एस.कलेश सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी मौजूद थे।

मिसाल पेश कर रहा नीमच का प्रशासन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी एवं मान. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के ईंधन बचत के संदेश को आत्मसात करते हुए कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा आज जिलाधिकारियों के साथ यात्री बस से नीमच से ग्राम खातीखेड़ा में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर के लिए रवाना हुए।

सामूहिक प्रस्थान से दी मिसाल- कलेक्टर श्री चंद्रा के साथ जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्री बी.एस. कलेश, जिला वनमंडलाधिकारी श्री एस.के. अटोदे सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी एक ही यात्री बस से कलेक्ट्रेट परिसर से सुदूर ग्राम खातीखेड़ा के लिए रवाना हुए। प्रशासन ने शासकीय एवं निजी वाहनों के उपयोग के स्थान पर सामूहिक परिवहन को प्राथमिकता देकर ईंधन बचत एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया है।

शिविर में होगा त्वरित निराकरण- ग्राम खातीखेड़ा, तहसील जावद में आयोजित इस शिविर में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ग्रामीणों की समस्याओं को स्वयं सुनेंगे और उनका मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करेंगे। शिविर में राजस्व, पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य, पेंशन, राशन एवं अन्य विभागों से संबंधित शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाएगा।

योजनाओं की जानकारी एवं आवेदन- शिविर में ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी देकर उनका लाभ लेने की प्रक्रिया भी बताई जाएगी।

समाज को नशे और अवैध गतिविधियों से मुक्त बनाने में अपनी सहभागिता निभाएं- कलेक्टर अदिति गर्ग

पुलिस विभाग द्वारा कुषाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम में नशामुक्ति सूचना शिविर आयोजित

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस विभाग द्वारा कुषाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम में नशामुक्ति सूचना शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर अदिती गर्ग, पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना, वनमंडलाधिकारी संजय रॉयखेरे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, चिकित्सक, विद्यार्थी एवं नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि आज जारी किए जा रहे हेल्पलाइन नंबर पर सूचना देकर नागरिक पुलिस प्रशासन का सहयोग करें तथा समाज को नशे और अवैध गतिविधियों से मुक्त बनाने में अपनी सहभागिता निभाएं। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना ने कहा कि यदि आसपास किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि संचालित हो रही हो तो उसकी सूचना हेल्पलाइन नंबर पर दें। पुलिस प्रशासन सदैव आमजन के साथ है और उनकी सुरक्षा एवं सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है।

नशामुक्ति विशेषज्ञ डॉ. वंदना पाटीदार ने नशे से होने वाले दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज को किस प्रकार प्रभावित करता है। साथ ही उन्होंने लोगों से नशे की लत से जूझ रहे व्यक्तियों की सहायता करने तथा उन्हें उपचार के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान शासकीय सुंदरलाल पटवा चिकित्सा महाविद्यालय की टीम द्वारा नशामुक्ति का संदेश देते हुए नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। वहीं भावना लोहार ड्राइंग स्कूल की टीम द्वारा नशामुक्ति विषय पर आधारित पोस्टर प्रदर्शनी एवं रंगोली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य महेश त्रिवेदी द्वारा नशामुक्ति पर आधारित गीत को लांच किया गया। कार्यक्रम का संचालन नगर पुलिस अधीक्षक जितेंद्र भास्कर ने किया तथा अंत में एसडीओपी श्रीमती कीर्ति बघेल ने आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर ने चौपाल में संवाद कर समस्याओं को सुना तथा निराकरण के निर्देश दिए

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मल्हारगढ़ विकासखंड के आदर्श ग्राम बालागुड़ा में नक्षत्र गार्डन परिसर में आयोजित रात्रि चौपाल में कलेक्टर अदिती गर्ग ने ग्रामीणों के बीच बिछात पर बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने चौपाल के दौरान ग्रामीण जनों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। अधिकारियों ने ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी देते हुए उनका लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया भी समझाई।

इस दौरान कलेक्टर ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से चर्चा कर टेक होम राशन का नियमित वितरण सुनिश्चित करने तथा कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें एनआरसी में भर्ती कर उपचार कराने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीणों से बच्चों की शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने, अधिक से अधिक बच्चों का आंगनबाड़ियों में पंजीयन कराने तथा उन्हें गुणवत्तापूर्ण पोषण एवं शिक्षा उपलब्ध कराने का आह्वान किया।

कलेक्टर ने पशुपालन विभाग एवं सहकारिता बैंक को निर्देशित किया कि ग्राम में दूध उत्पादन एवं पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त रूप से विशेष शिविर आयोजित किए जाएं तथा पशुपालकों को आवश्यक सुविधाएं एवं लाभ उपलब्ध कराए। उन्होंने पशुपालन विभाग को इस संबंध में विशेष ग्राम सभा आयोजित करने के निर्देश भी दिए। ग्राम में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए पंचायत निधि से कचरा संग्रहण वाहन की व्यवस्था करने तथा जैविक कचरे से खाद बनाकर उसके सदुपयोग की दिशा में कार्य करने के निर्देश भी दिए।

इंदौर में जावद के BMO डॉ. मीणा का दुखद निधन, अंचल में शोक की लहर

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले के जावद विधानसभा की चिकित्सा व्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. राजेश मीणा का इंदौर में इलाज के दौरान निधन हो गया है। 15 सालों तक जावद की जनता के स्थ की कमान संभालने वाला वो मसीहा, जिसने हजारों जिंदगियां बचाई, आज खुद जिंदगी की जंग हार गया।

नागदा के उस काल बने एक्सीडेंट की पूरी कहानी- ये खौफनाक दास्तान आज से करीब 6 महीने पहले शुरू हुई थी। डॉ. राजेश मीणा इंदौर जा रहे थे, तभी नागदा के पास उनकी कार का भीषण एक्सीडेंट हो गया। हादसा इतना खतरनाक था कि डॉ. मीणा की रीढ़ की हड्डी टूट गई और उसमें गहरा कट लग गया।

बेड से आईसीयू तक का सफर- उस खौफनाक हादसे के बाद से ही डॉ. मीणा पूरी तरह बेड रेस्ट पर थे। वे हिलने-डुलने तक लाचार थे, लेकिन उनके भीतर जीने का जज्बा कम नहीं हुआ था। पिछले 10 दिनों से उनकी तबीयत अचानक ज्यादा बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें इंदौर के एक अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था।

आज बुधवार सुबह डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बाद भी उनके दिल की धड़कनें रुक गईं और जावद ने अपना सबसे जांबाज डॉक्टर खो दिया।

मध्यप्रदेश के नीमच जिले के जावद का 15 साल पुराना कवच टूटा - डॉ. राजेश मीणा सिर्फ एक अधिकारी नहीं थे, बल्कि जावद विधानसभा की चिकित्सा व्यवस्था का चेहरा थे। पिछले डेढ़ दशक से जावद के स्वास्थ्य महकमे की कमान उनके हाथों में थी। दिन हो या रात, जावद के लोगों के लिए डॉ. मीणा हमेशा फ्रंटलाइन पर खड़े नजर आते थे।

उनके जाने से पूरे नीमच जिले और जावद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। स्वास्थ्य विभाग सन्न है, और जनता की आँखें नम हैं।

नालों में उतरे कांग्रेसी, अगले ही दिन हरकत में आया प्रशासन; बारिश से पहले सफाई पर नगर पालिका का फोकस

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में मानसून की दस्तक से पहले नालों की सफाई का मुद्दा अचानक चर्चा के केंद्र में आ गया है। एक ओर गौरव दिवस के अवसर पर कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता हाथों में फावड़े, गैती और तगारी लेकर नालों में उतर गए, वहीं दूसरी ओर नगर पालिका ने भी सफाई व्यवस्था को लेकर सख्ती दिखाते हुए पूरे अमले को मैदान में उतारने के निर्देश जारी कर दिए हैं।

बुधवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कांग्रेसजन स्वयं नालों में उतरकर जलकुंभी और गंदगी निकालते नजर आए। कांग्रेस नेताओं ने इसे जनहित और जनजागरण का अभियान बताते हुए शहर की सफाई व्यवस्था पर सवाल खड़े किए। नालों में जमा जलकुंभी और कचरे को हटाने के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं की तस्वीरें पूरे दिन चर्चा का विषय बनी रहीं।

इसी बीच नगर पालिका परिषद भी सक्रिय हो गई। मुख्य नगर पालिका अधिकारी दुर्गा बामनिया ने स्वास्थ्य विभाग और स्वच्छता अमले की विशेष बैठक लेकर स्पष्ट निर्देश दिए कि बारिश शुरू होने से पहले शहर के सभी प्रमुख नाले, नालियां और जलभराव वाले क्षेत्रों की सफाई हर हाल में पूरी की जाए।

सीएमओ ने नालों की सफाई के लिए गठित चारों विशेष टीमों की समीक्षा करते हुए कहा कि आगामी दिनों में केवल और केवल सफाई कार्य पर फोकस रखा जाए। जलभराव की आशंका वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां विशेष अभियान चलाया जाए ताकि बारिश के दौरान नागरिकों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि वर्षा के दौरान यदि कहीं जलभराव की स्थिति बनती है तो संबंधित टीम तत्काल मौके पर पहुंचकर पानी निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करे। नगर पालिका द्वारा प्रतिदिन मॉनिटरिंग और रिपोर्टिंग की व्यवस्था भी लागू की गई है।

शहर में अब चर्चा इस बात की है कि नालों में कांग्रेसियों के उतरने से जो सफाई का मुद्दा सुर्खियों में आया, उसके बाद प्रशासनिक स्तर पर भी गतिविधियां तेज हो गई हैं। फिलहाल लक्ष्य एक ही है–मानसून से पहले नाले साफ हों और शहर जलभराव की समस्या से बच सके।

एसपी श्री सोनी ने विभिन्न अपराध प्रकरणों में ईनाम की घोषणा की

आगर मालवा /दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक श्री दिलीप कुमार सोनी द्वारा जिले के विभिन्न थानों में दर्ज अपराध प्रकरणों के फरार आरोपियों की गिरफ्तारी एवं अपहृत बालक की दस्तयाबी हेतु 30 मई 2026 को इनाम उद्घोषणा जारी की गई है।

जारी आदेश के अनुसार थाना बड़ौद के अपराध क्रमांक 83/26 में भारतीय दण्ड संहिता की धाराएं 420, 467, 468, 471 एवं 120-बी के तहत फरार आरोपियों लाडकुंवर बाई पति गबसिंह, कुशालबाई पति भुवानसिंह, ईश्वरसिंह पिता भुवानसिंह, कालूसिंह पिता गबसिंह (सभी निवासी वराह, बड़ौद), कैलाशबाई पति अमरसिंह निवासी बापचा तथा प्रहलादसिंह पिता किशनसिंह निवासी खजूरी, बड़ौद की गिरफ्तारी पर 2 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। इसी प्रकार अपराध क्रमांक 29/26 में बीएनएस की धाराएं 119(1), 115(2), 296(ए), 351(2), 131 एवं 3(5) के तहत फरार आरोपी नाहरसिंह पिता उमरावसिंह निवासी बरखेड़ा थाना बड़ौद तथा राजू पिता शम्भूसिंह निवासी रणायरा की गिरफ्तारी पर 1 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है।

आदिवासी क्षेत्र को मिली 10 करोड़ 50 लाख के विकास कार्यों की सौगात

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जावरा विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत आंबा के ग्राम बामनघाटी में आयोजित ग्राम चौपाल में समस्या समाधान शिविर आदिवासी अंचल के लिए विकास की नई उम्मीद लेकर आया। क्षेत्रीय विधायक डॉ. राजेंद्र पांडेय ने जनसंवाद के दौरान आम्बा और उम्मेदपूरा पंचायत के बामनघाटी, लाम्बाखोरा, जाम्बूडाबरा, बखतपुरा, अचलपुरा, माता की धार, गढ़ीनाल सहित 14 टोला-मजरों के ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश दिए। साथ ही क्षेत्र के लिए करोड़ो रुपये के विकास कार्यों की घोषणाएं कर ग्रामीणों को बड़ी सौगात दी। विधायक ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए और बरसों से लंबित मांग बामनघाटी से जाम्बूडाबरा तक डामरीकृत सड़क निर्माण की विधायक ने 7 करोड़ की लागत में ब्रिज सहित सड़क निर्माण के लिए मुख्यमंत्री को प्रस्ताव व घोषणा की जानकारी ग्रामीणों को दी। घोषणा के बारे में सुनते ही ग्रामीणों मे खुशी और उत्साह का माहौल दिखाई दिया । शिविर में जिला पंचायत उपाध्यक्ष केशुराम निनामा, तहसीलदार देवेंद्र कुमार दानगढ़, थाना प्रभारी रमेश कोली, जनपद पंचायत सीईओ ब्रह्मस्वरूप हंस, बीएमओ डॉ. पवन पाटीदार, एमपीईबी सुपरवाइजर राहुल अहिरवार, पीडब्ल्यूडी एसडीओ किरण जमरा, पीएचई विभाग के इरफान खान, महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी भारती डांगी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

अस्तित्व हीनता के दौर से गुजर रहा पाकिस्तान

दक्षिण एशिया का परमाणु शक्ति संपन्न देश पाकिस्तान आज अपने इतिहास के सबसे बुरे दौरों में से गुजर कर अपने अस्तित्व संकट के लिए संघर्षरत है। पाकिस्तान देश का नाम कभी भी वैश्विक नक्शे से विलुप्त होने की कगार पर है। पाकिस्तान की ना कोई निश्चित अंतरिम नीति है ना ही कोई विदेश नीति,केवल विध्वंस और चरमपंथियों के दम पर पाकिस्तान अब तक पूरे विश्व में आतंक फैलाता रहा है अब वह खुद आतंकवाद महंगाई और राजनीतिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है।

एक ओर लोकतांत्रिक संस्थाएँ कमजोर पड़ती दिखाई दे रही हैं, दूसरी ओर बलूचिस्तान में बढ़ती हिंसा, चरमपंथी संगठनों की सक्रियता, महंगाई की मार तथा अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक दबावों ने देश को गंभीर संकट में डाल दिया है। वर्तमान परिस्थितियाँ यह संकेत देती हैं कि पाकिस्तान केवल आर्थिक संकट ही नहीं बल्कि राजनीतिक, सामाजिक और वैचारिक संकट से भी जूझ रहा है।

पाकिस्तान में लोकतंत्र लंबे समय से सेना और निर्वाचित सरकारों के बीच शक्ति-संघर्ष का शिकार रहा है। हाल के घटनाक्रमों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ के बजाय सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर का उल्लेख किए जाने से यह बहस फिर तेज हो गई कि पाकिस्तान में वास्तविक शक्ति किसके हाथ में है। अनेक विश्लेषकों ने इसे पाकिस्तान की कमजोर लोकतांत्रिक व्यवस्था और सेना के बढ़ते प्रभाव का संकेत माना।

दूसरी बड़ी चुनौती बलूचिस्तान में बढ़ती अस्थिरता है। 2026 में बलोच लिबरेशन आर्मी द्वारा कई समन्वित हमले किए गए, जिनमें सैन्य प्रतिष्ठानों, बैंकों और पुलिस ठिकानों को निशाना बनाया गया। इन घटनाओं ने न केवल पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगाया बल्कि चीन और अमेरिका जैसे संभावित निवेशकों की चिंताएँ भी बढ़ा दीं। बलूचिस्तान पाकिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों का केंद्र है, किंतु स्थानीय लोगों में लंबे समय से उपेक्षा और शोषण की भावना बनी हुई है। यही कारण है कि अलगाववादी आंदोलन समय-समय पर उग्र रूप धारण कर लेता है। महंगाई पाकिस्तान की जनता के लिए सबसे बड़ी पीड़ा बन चुकी है। ईरान-अमेरिका तनाव और पश्चिम एशिया में संघर्षों के कारण तेल की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है। पाकिस्तान, जो अपनी अधिकांश ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए आयातित तेल पर निर्भर है, इस संकट से बुरी तरह प्रभावित हुआ। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि ने आम नागरिक के जीवन को कठिन बना दिया है। बढ़ती महंगाई ने मध्यम वर्ग और गरीब वर्ग दोनों की क्रय शक्ति को कमजोर कर दिया है, जबकि बेरोजगारी और आर्थिक मंदी ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है।

इसी बीच पाकिस्तान एक नई कूटनीतिक दुविधा में भी फँसा हुआ है। अमेरिका चाहता है कि अधिक से अधिक मुस्लिम देश अब्राहम अकॉर्ड्स में शामिल होकर इज़राइल के साथ संबंध सामान्य करें। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हाल ही में पाकिस्तान सहित कई मुस्लिम देशों से इस दिशा में आगे बढ़ने की अपील की। किंतु पाकिस्तान ने स्पष्ट रूप से इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया और कहा कि फिलिस्तीन समस्या के समाधान के बिना इज़राइल को मान्यता देना उसके लिए स्वीकार्य नहीं है। अब्राहम अकॉर्ड्स का विरोध केवल पाकिस्तान सरकार तक सीमित नहीं है। देश के कई धार्मिक और कट्टरपंथी संगठन इसे इस्लामी हितों के विरुद्ध मानते हैं। चरमपंथी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के एक वरिष्ठ नेता द्वारा सेना प्रमुख असीम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ को सार्वजनिक धमकी दिए जाने की खबरें भी सामने आईं। उसने चेतावनी दी कि यदि पाकिस्तान ने इज़राइल के साथ संबंध स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ाया तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। यह घटना दर्शाती है कि पाकिस्तान के भीतर कट्टरपंथी ताकतें अभी भी कितनी प्रभावशाली है।

दिलचस्प बात यह है कि एक ओर पाकिस्तान स्वयं को अमेरिका और ईरान के बीच संभावित मध्यस्थ के रूप में प्रस्तुत कर रहा है, वहीं दूसरी ओर उसके अपने घरेलू हालात चिंताजनक बने हुए हैं। प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ ने दावा किया है कि पाकिस्तान क्षेत्रीय शांति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, लेकिन आलोचक प्रश्न उठाते हैं कि जो देश अपने ही प्रांत बलूचिस्तान में स्थिरता स्थापित नहीं कर पा रहा, वह क्षेत्रीय शांति का वाहक कैसे बन सकता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पाकिस्तान की छवि मिश्रित बनी हुई है। चीन ने उसे अपना अटूट मित्र बताया है और आर्थिक सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई है। वहीं संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित कई देशों ने बलूचिस्तान में हुए आतंकी हमलों की निंदा करते हुए पाकिस्तान के साथ एकजुटता व्यक्त की है। पाकिस्तान आज चार मोर्चों पर संघर्ष कर रहा है,कमजोर लोकतंत्र, बढ़ती महंगाई, बलूचिस्तान में हिंसा और अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक दबाव।

निष्काम कर्म ही है आध्यात्मिक उन्नति का सच्चा मार्ग

मानव जीवन कर्म आधारित है। कर्म के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। इसलिए सफल और सार्थक जीवन के लिए कर्म आवश्यक है। किंतु कर्म तभी श्रेष्ठ बनता है जब उसमें कर्तापन, अहंकार और फल की अपेक्षा न हो।

जब हमारे द्वारा किए गए कार्यों पर अन्य लोग गर्व महसूस करते हैं, लेकिन स्वयं हमें अपने कार्य का अहंकार नहीं होता, तब यह कर्ता भाव के अभाव का संकेत है। अपने कार्य पर संतोष और प्रसन्नता स्वाभाविक है, परंतु जब मैंने किया का भाव प्रबल होने लगता है, तब वही गर्व अभिमान का रूप धारण कर लेता है। अभिमान एक नकारात्मक वृत्ति है, जिसकी जड़ में अहंकार छिपा रहता है। 'मैं' की भावना ही अभिमान का आधार है।

सहज योग में साधकों को निष्काम भाव से कार्य करने की प्रेरणा दी जाती है। परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने स्पष्ट रूप से बताया है कि जब किसी साधक में कर्ता भाव उत्पन्न होने लगता है, तो वह उसकी आध्यात्मिक उन्नति में बाधा बन जाता है। सहज योग में अनेक सेवाएँ और कार्य होते हैं, किंतु यदि कोई साधक उन कार्यों के माध्यम से प्रसिद्धि या प्रशंसा प्राप्त करने का प्रयास करता है, तो वह निष्काम सेवा के मूल उद्देश्य से दूर हो जाता है।

ईश्वर को वही कर्म स्वीकार होता है जो पूर्णतः निष्काम भाव से किया गया हो। सहज योग में इस अवस्था को प्राप्त करने का एक अत्यंत सरल और प्रभावी मार्ग है। ध्यान के माध्यम से इड़ा (बाईं) और पिंगला (दाहिनी) नाड़ियों का संतुलन स्थापित होता है, जिससे अहंकार और प्रति-अहंकार की प्रवृत्तियाँ धीरे-धीरे समाप्त होने लगती हैं।

तब साधक के भीतर यह ज्ञान स्थापित होता है कि कार्य करने की शुद्ध प्रेरणा भी ईश्वर के आशीर्वाद से प्राप्त होती है और उसे पूर्ण करने की शक्ति भी ईश्वर ही प्रदान करता है। इस सत्य का अनुभव होने पर व्यक्ति समझता है कि वास्तविक कर्ता और करवाने वाला ईश्वर है, जबकि हम केवल उसके माध्यम हैं। ईश्वर का माध्यम बनने की यह अनुभूति गहन शांति, संतोष और आनंद प्रदान करती है।

आइए, हम सभी सहज योग से जुड़कर ध्यान की इस सरल एवं प्रभावशाली विधि को सीखें तथा अपने जीवन को अधिक शांत, संतुलित और आनंदमय बनाएं। सहज योग ध्यान केंद्र सभी नए साधकों का हार्दिक स्वागत करता है।

साइबर सुरक्षा का नया सचः जितना भरोसा, उतना बड़ा जोखिम

आज हमारी बैंकिंग, निवेश, सरकारी सेवाएं, सामाजिक संपर्क और व्यावसायिक गतिविधियां पासवर्डों की सुरक्षा पर निर्भर हैं। इसी कारण पासवर्ड मैनेजर्स को डिजिटल सुरक्षा का सबसे भरोसेमंद साधन माना जाने लगा। करोड़ों लोगों ने विश्वास कर लिया कि एक मजबूत मास्टर पासवर्ड उनकी पूरी डिजिटल पहचान की रक्षा कर सकता है। किंतु बीते दो वर्षों की घटनाओं ने इस धारणा को झकझोर दिया है। जून 2025 में 16 अरब लॉगिन सूचनाओं के अभूतपूर्व लीक और फरवरी 2026 में ईटीएच ज्यूरिख तथा यूएसआई लुगानो के शोधकर्ताओं द्वारा बिटवार्डन, लास्टपास, डैशलेन और वनपासवर्ड में 27 गंभीर कमजोरियों के खुलासे ने सुरक्षा के दावों पर प्रश्नचिह्न लगा दिया। अब प्रश्न यह है कि क्या पूरी डिजिटल सुरक्षा किसी एक व्यवस्था के भरोसे छोड़ी जा सकती है।

असल संकट टेक्नोलॉजी से ज्यादा ट्रस्ट का है। आज भी लगभग 94 प्रतिशत पासवर्ड्स अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर रिपीट हो रहे हैं, जबकि पासवर्ड मैनेजर्स का प्रयोग सिर्फ करीब 30 परसेंट यूज़र्स ही कर रहे हैं। इन्हें अपनाने वाले यूज़र्स 'जीरो-नॉलेज एन्क्रिप्शन' को फाइनल सिक्योरिटी शील्ड मान लेते हैं। लेकिन हालिया अध्ययनों ने इस ट्रस्ट की परतें उधेड़ दी हैं। मैलिशियस सर्वर, की-मैनेजमेंट की वीकनेस और रिकवरी सिस्टम्स की खामियां मिलकर अटैकर्स को पूरे वॉल्ट तक पहुंचने का रास्ता दे सकती हैं। ऐसे में पासवर्ड्स सिर्फ लीक ही नहीं होते, बल्कि बदले और चोरी भी किए जा सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जो सिक्योरिटी अटूट दिखती है, उसकी फाउंडेशन भी उतनी मजबूत नहीं जितनी समझी जाती है।

सबसे बड़ा प्रश्न तब खड़ा होता है, जब सुरक्षा का ट्रस्ट ही रिस्क में बदलने लगे। पासवर्ड मैनेजर्स आज इसी चैलेंज से घिरे हैं। पहले एक अकाउंट का पासवर्ड चोरी होने पर नुकसान सीमित रहता था, लेकिन अब एक वॉल्ट में सेंध पूरी डिजिटल आइडेंटिटी को खतरे में डाल सकती है। लास्टपास का 2022 का डेटा उल्लंघन इसका बड़ा उदाहरण है, जिसके प्रभाव 2025-26 तक क्रिप्टो अकाउंट्स से फंड विदड्रॉल के रूप में दिखाई देते रहे। वहीं 2025 में इन्फोस्टीलर मालवेयर ने 1.8 बिलियन लॉगिन क्रेडेंशियल्स चुरा लिए। साइबर क्रिमिनल्स अब पासवर्ड मैनेजर कंपनियों के नाम पर फेक कैंपेन चलाकर यूज़र्स को नकली लॉगिन पेजेज तक पहुंचा रहे हैं। सुरक्षा का प्रहरी आज स्वयं अटैकर्स के निशाने पर है।

असल चुनौती हमारी सुरक्षा संबंधी पुरानी सोच में छिपी है। अधिकांश लोग मानते हैं कि एक मजबूत मास्टर पासवर्ड ही पर्याप्त सुरक्षा दे सकता है, जबकि साइबर अटैक्स कहीं अधिक एडवांस्ड हो चुके हैं। डिवाइस-लेवल कीलॉगर, ब्राउज़र की कमजोरियां, सप्लाई-चेन अटैक्स और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर पर आक्रमण नए खतरे बनकर उभरे हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार शेयरिंग सिस्टम और पब्लिक-की ऑथेंटिकेशन की कमियां पूरे ग्रुप वॉल्ट को रिस्क में डाल सकती हैं। 'ज़ीरो-नॉलेज' भी तभी तक प्रभावी है, जब तक सर्वर और उसकी प्रोसेसेज़ विश्वसनीय रहें। यदि आधारभूत ढांचा ही समझौता कर ले, तो एन्क्रिप्शन की सबसे मजबूत दीवार भी बेअसर हो सकती है। यही सच बताता है कि साइबर सिक्योरिटी में कोई भी टेक्नोलॉजी अजेय नहीं होती।

इसके बावजूद पासवर्ड मैनेजर्स को खारिज करना समाधान नहीं होगा। वास्तविकता यह है कि लगभग 80 प्रतिशत डेटा उल्लंघनों की जड़ पासवर्ड्स का दोहराव है। पासवर्ड मैनेजर्स हर प्लेटफॉर्म के लिए अलग और जटिल पासवर्ड बनाकर इस खतरे को काफी हद तक कम करते हैं। ऑटो-फिल, सिक्योरिटी अलर्ट, डार्क वेब मॉनिटरिंग और सेंट्रलाइज्ड मैनेजमेंट जैसी सुविधाएं उनकी उपयोगिता बढ़ाती हैं। बिटवार्डन की ओपन-सोर्स ट्रांसपेरेंसी तथा वनपासवर्ड और नॉर्डपास द्वारा पासकी टेक्नोलॉजी को अपनाना भविष्य की दिशा का संकेत है। इसलिए जरूरत इन्हें छोड़ने की नहीं, बल्कि अधिक सुरक्षित और समझदारी से अपनाने की है।

साइबर सुरक्षा का अगला दौर धीरे-धीरे पासवर्ड-लेस व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। पासकी टेक्नोलॉजी क्रिप्टोग्राफिक कीज पर आधारित है, जिन्हें पारंपरिक पासवर्ड्स की तुलना में चुराना या ब्रेक करना कहीं अधिक कठिन माना जाता है। यही कारण है कि इसे भविष्य की सिक्योरिटी सिस्टम की नींव माना जा रहा है। हालांकि इसका पूरा इकोसिस्टम अभी पूरी तरह मैच्योर नहीं हुआ है और सभी वेबसाइट्स तथा एप्लिकेशन्स इसे सपोर्ट नहीं करते। ऐसे में यूज़र्स को पुराने और नए दोनों सिक्योरिटी फ्रेमवर्क्स के साथ चलना पड़ रहा है। पासकी रिकवरी और बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन भी नई चुनौतियां तथा प्राइवेसी से जुड़े प्रश्न खड़े करते हैं। इसलिए नई टेक्नोलॉजी के फायदे के साथ उनके रिस्क को समझना भी उतना ही जरूरी है। बढ़ते साइबर खतरों के बीच समझदारी का रास्ता सतर्क ट्रस्ट से होकर गुजरता है। एक्सपर्ट्स मजबूत मास्टर पासवर्ड, हार्डवेयर सिक्योरिटी की, मल्टी-लेयर ऑथेंटिकेशन और रेगुलर सिक्योरिटी टेस्टिंग के कॉम्बिनेशन की सलाह देते हैं। सिर्फ क्लाउड पर डिपेंड रहने के बजाय लोकल या हाइब्रिड स्टोरेज ऑप्शंस अतिरिक्त सुरक्षा दे सकते हैं। 2025 में पासवर्ड मैनेजमेंट मार्केट लगभग 3 बिलियन डॉलर का था और 2030 तक इसके तेज़ी से बढ़ने का अनुमान है। फिर भी यूज़र विश्वास की कमी, कॉस्ट और टेक्निकल कॉम्प्लेक्सिटी बड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं। साफ है कि टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन के साथ जागरूक और अलर्ट यूज़र भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। बदलते साइबर परिदृश्य का सबसे बड़ा सबक यही है कि सिक्योरिटी कभी स्टेबल नहीं रहती। पासवर्ड मैनेजर्स ने पासवर्ड दोहराव की समस्या घटाई है, लेकिन अब वे खुद साइबर क्रिमिनल्स के निशाने पर हैं। इसलिए न अंधा ट्रस्ट उचित है और न ही उनका पूरी तरह से त्याग। जरूरत सतर्कता, बैलेंस्ड अप्रोच और नई टेक्नोलॉजी के साथ खुद को लगातार अपडेट रखने की है। पासकी, हार्डवेयर सिक्योरिटी कीज, बायोमेट्रिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सिस्टम्स भविष्य की दिशा तय करेंगे, लेकिन सुरक्षा की सबसे मजबूत कड़ी जागरूक यूज़र ही रहेगा। जब तक डिजिटल आदतों में बदलाव नहीं आएगा, साइबर खतरे बने रहेंगे। इसलिए सुविधा नहीं, सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी, क्योंकि एक साइबर अटैक केवल डेटा ही नहीं, बल्कि ट्रस्ट और प्राइवेसी भी छीन सकता है।

-प्रो. आरके जैन अरिजीत

12 बरस की सफलताएं और विफलताएं

मोदी सरकार अपने कार्यकाल के 12 वर्ष पूरे करने जा रही है। यह तय है कि इस अवसर पर उसकी ओर से अपनी उपलब्धियों का बखान किया जाएगा। इसके लिए भाजपा की ओर से एक अभियान चलाया जाने वाला है, जिसमें लोगों को मोदी सरकार की उपलब्धियों के साथ जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया जाएगा। निःसंदेह मोदी सरकार के पास अपनी उपलब्धियों के बारे में बताने के लिए बहुत कुछ है और यह हर सरकार का अधिकार है कि वह उनके बारे में जनता को अवगत कराए। यदि मोदी सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करें तो उनकी एक लंबी सूची है।

इन उपलब्धियों में कई ऐसे साहसिक फैसले हैं, जिनमें से कुछ के बारे में यह कल्पना करना कठिन था कि कोई सरकार ऐसे फैसले ले पाएगी, जैसे जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाना, पाकिस्तान के खिलाफ एयर स्ट्राइक करना और फिर आपरेशन सिंदूर। ये दोनों सैन्य अभियान इस मायने में विशेष रहे कि विश्व में पहली बार किसी परमाणु हथियार संपन्न देश ने दूसरे ऐसे ही देश पर हवाई हमले किए। हालांकि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का रास्ता सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया, लेकिन यदि मोदी सरकार नहीं होती तो शायद यह रास्ता बाधित ही रहता और राम मंदिर का निर्माण आनन-फानन नहीं होता। मोदी सरकार अपने तीसरे कोर एजेंडे समान नागरिक संहिता की दिशा में भी आगे बढ़ रही है।

जीएसटी लागू होना भी इस सरकार की बड़ी उपलब्धियों में से एक है। वैसे तो नोटबंदी भी एक साहसिक फैसला था, लेकिन इसके वैसे सकारात्मक परिणाम प्राप्त नहीं हुए, जैसे अपेक्षित थे। माओवाद का खात्मा भी मोदी सरकार की एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। कुछ वर्षों पहले तक माओवाद का खात्मा असंभव सा दिखता था, पर मोदी सरकार और विशेष रूप से गृह मंत्री अमित शाह ने इसे संभव कर दिखाया और वह भी तय समय में। पिछले 12 वर्षों में आधारभूत ढांचे के निर्माण में भी अभूतपूर्व प्रगति हुई है। देश भर में सड़कों का तेजी से निर्माण हुआ है। इसी तरह पुल, बिजलीघर, हवाई अड्डे निर्मित हुए हैं और रेल सुविधाओं का विकास हुआ है। ग्रामीण विकास की योजनाओं ने भी रफ्तार पकड़ी है। देश में डिजिटलीकरण भी द्रुत गति से हुआ है। इसके चलते भारत डिजिटल लेनदेन के मामले में विश्व में अग्रणी है। विकास के साथ ही प्रभावशाली जनकल्याणकारी योजनाओं की भी एक लंबी सूची है। इन योजनाओं ने आम आदमी का जीवन बदला है। शौचालय निर्माण, उज्ज्वला, आवास, बिजली, आयुष्मान, किसान सम्मान निधि, मुफ्त राशन संबंधी जैसी योजनाओं ने सचमुच लोगों को लाभान्वित किया है। जनधन योजना निर्धन जनता के वित्तीय समावेशन की एक बड़ी मिसाल हैं। इन योजनाओं के चलते करोड़ों लोगों को गरीबी के दायरे से बाहर निकालने में मदद मिली है। मोदी सरकार ने यह सिद्ध कर दिखाया है कि उसे जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन करना आता है।

-धनंजय राजौरा

नशाः राष्ट्र की जड़ों को खोखला करने वाली चुनौती

भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में अग्रणी है। देश की लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यह युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी सामर्थ्य, सबसे बड़ी पूंजी और उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। विज्ञान, तकनीक, उद्योग, शिक्षा, खेल और नवाचार के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों के पीछे इसी युवा शक्ति का योगदान है। किंतु विडंबना यह है कि आज यही युवा वर्ग नशे के बढ़ते जाल में फंसता जा रहा है। नशा अब केवल व्यक्तिगत कमजोरी या स्वास्थ्य संबंधी समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता, आर्थिक विकास और सांस्कृतिक मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। देश के विभिन्न भागों में समय-समय पर करोड़ों और अरबों रुपये मूल्य के मादक पदार्थों की बरामदगी यह प्रमाणित करती है कि नशे का कारोबार संगठित अपराध का एक विशाल अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क बन चुका है। विशेष रूप से पंजाब, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, गुजरात तथा पूर्वोत्तर राज्यों में सीमापार से होने वाली तस्करी ने स्थिति को और अधिक गंभीर बना दिया है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा लगातार हेरोइन, अफीम, चरस, कोकीन तथा सिंथेटिक ड्रग्स की बड़ी खेपों को पकड़ा जाना इस बात का संकेत है कि भारत को नशे के बड़े बाजार के रूप में देखा जा रहा है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो तथा विभिन्न सरकारी रिपोर्टों के अनुसार देश में लाखों युवा किसी न किसी प्रकार के मादक पदार्थों के सेवन के आदी हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा कराए गए एक व्यापक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया था कि करोड़ों भारतीय तंबाकू, शराब और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं तथा उनमें बड़ी संख्या युवाओं की है। चिंता की बात यह है कि स्कूल और कॉलेज स्तर तक नशे की पहुंच बढ़ रही है। अनेक राज्यों में ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां किशोरों को ड्रग्स के वितरण और तस्करी में इस्तेमाल किया गया। नशे के बढ़ते संकट का एक राष्ट्रीय सुरक्षा पक्ष भी है। अनेक सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान प्रत्यक्ष युद्ध में लगातार असफल होने के बाद भारत को अस्थिर करने के लिए आतंकवाद, नकली मुद्रा और नशे की तस्करी जैसे छद्म युद्ध के हथियारों का उपयोग करता रहा है। पंजाब में लंबे समय से सीमा पार से ड्रोन और अन्य माध्यमों द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी के मामले सामने आते रहे हैं। अब जम्मू-कश्मीर में भी नशे के बढ़ते प्रभाव को इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है। आतंकवाद की कम होती गतिविधियों के बीच नशे का फैलाव एक नए खतरे के रूप में उभर रहा है, जिसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को कमजोर करना और समाज की ऊर्जा को नष्ट करना है।

इसी संदर्भ में जम्मू-कश्मीर में प्रारंभ किया गया 'नशामुक्त जम्मू-कश्मीर' अभियान महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व में चल रहा यह अभियान प्रशासनिक कार्रवाई के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता पर भी बल देता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक समूहों तथा आम नागरिकों को जोड़ने का प्रयास किया गया है। कुलगाम सहित कई क्षेत्रों में विभिन्न समुदायों द्वारा इस अभियान को समर्थन दिया जाना इस बात का संकेत है कि नशे जैसी समस्या का समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। वास्तव में नशे का सबसे दुखद और भयावह प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ता है। युवा जीवन ऊर्जा, सृजन और सपनों का प्रतीक होता है, किंतु नशा इन सभी संभावनाओं को नष्ट कर देता है। एक बार नशे की गिरफ्त में आने के बाद व्यक्ति धीरे-धीरे अपनी शारीरिक क्षमता, मानसिक संतुलन, आर्थिक स्थिति और सामाजिक प्रतिष्ठा खोने लगता है। उसका आत्मविश्वास कमजोर पड़ जाता है और वह अवसाद, तनाव तथा अपराध की दुनिया की ओर बढ़ सकता है। यही कारण है कि नशा केवल व्यक्ति को नहीं, पूरे परिवार को प्रभावित करता है। परिवार की आर्थिक स्थिति बिगड़ती है, पारिवारिक संबंध टूटते हैं और सामाजिक जीवन में अस्थिरता बढ़ती है।

नशे के विस्तार के पीछे केवल तस्करी जिम्मेदार नहीं है। इसके सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक कारण भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। बेरोजगारी, भविष्य की अनिश्चितता, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, पारिवारिक तनाव, सामाजिक विघटन, अकेलापन, मानसिक अवसाद और गलत संगति युवाओं को नशे की ओर धकेलती है। आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति ने भी कृत्रिम सुख और त्वरित आनंद की मानसिकता को बढ़ावा दिया है। जब जीवन में लक्ष्य, दिशा और सकारात्मक प्रेरणा का अभाव होता है, तब व्यक्ति नशे जैसे विनाशकारी विकल्पों की ओर आकर्षित हो सकता है। नशे और अपराध का संबंध भी अत्यंत गहरा है। अनेक अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि चोरी, लूट, हिंसा, सड़क दुर्घटनाओं और अन्य अपराधों के पीछे नशे की भूमिका बढ़ती जा रही है। नशे की डोज प्राप्त करने के लिए युवा अपराध की राह पर उतर जाते हैं। इससे कानून-व्यवस्था प्रभावित होती है और समाज में असुरक्षा का वातावरण बनता है। सरकारें इस चुनौती से निपटने के लिए अनेक स्तरों पर प्रयास कर रही हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, सीमा सुरक्षा बल तथा राज्य पुलिस की संयुक्त कार्रवाइयों से कई बड़े ड्रग नेटवर्क ध्वस्त किए गए हैं। पंजाब, राजस्थान, गुजरात और जम्मू-कश्मीर में विशेष अभियान चलाकर तस्करों पर शिकंजा कसा गया है।

इस संदर्भ में सामाजिक और आध्यात्मिक आंदोलनों की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। कानून भय पैदा कर सकता है, लेकिन जीवन में सकारात्मक परिवर्तन केवल जागरूकता और आत्मानुशासन से ही आता है। आचार्य तुलसी ने अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से नशामुक्ति को एक व्यापक सामाजिक अभियान का स्वरूप दिया था। उन्होंने संयम, सदाचार और आत्मनियंत्रण के आधार पर लाखों लोगों को व्यसनमुक्त जीवन की प्रेरणा दी। अनेक क्षेत्रों में उनके अभियान ने उल्लेखनीय परिणाम दिए। आचार्य महाश्रमण ने भी अपनी ऐतिहासिक अहिंसा यात्रा के दौरान भारत और पड़ोसी देशों में लाखों लोगों को नशा त्यागने की प्रेरणा दी। उनकी पदयात्राओं का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य समाज में नैतिक चेतना जगाना और युवाओं को व्यसनमुक्त जीवन की ओर प्रेरित करना रहा। हजारों किलोमीटर की यात्राओं में उन्होंने गांव-गांव और शहर-शहर जाकर लोगों को यह संदेश दिया कि नशामुक्ति केवल स्वास्थ्य की सुरक्षा नहीं, बल्कि आत्मविकास, पारिवारिक सुख और राष्ट्र निर्माण का आधार है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि नशे के विरुद्ध बहुआयामी रणनीति अपनाई जाए। सीमाओं पर निगरानी और तकनीकी सुरक्षा को और मजबूत किया जाए। ड्रोन के माध्यम से होने वाली तस्करी को रोकने के लिए आधुनिक उपकरणों का उपयोग बढ़ाया जाए। नशा तस्करों के विरुद्ध त्वरित न्यायिक प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए ताकि अपराधियों में कानून का भय पैदा हो। स्कूलों और कॉलेजों में नशा विरोधी शिक्षा को नियमित पाठ्यक्रम और गतिविधियों का हिस्सा बनाया जाए। युवाओं के लिए रोजगार, खेल, कौशल विकास और सांस्कृतिक गतिविधियों के अवसर बढ़ाए जाएं ताकि उनकी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में प्रवाहित हो सके। इसके साथ ही पुनर्वास केंद्रों की संख्या और गुणवत्ता में भी सुधार आवश्यक है।

आज पंजाब, जम्मू-कश्मीर और अन्य प्रभावित राज्यों के लिए नशामुक्ति केवल सामाजिक सुधार का कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्र निर्माण का विषय बन चुका है। यह लड़ाई केवल सरकार या पुलिस नहीं जीत सकती। परिवार, विद्यालय, धार्मिक संस्थाएं, सामाजिक संगठन, मीडिया और जागरूक नागरिकों को मिलकर इसे जनआंदोलन बनाना होगा। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने जनभागीदारी से सफलता प्राप्त की, उसी प्रकार नशामुक्त भारत का सपना भी सामूहिक संकल्प और निरंतर प्रयासों से ही साकार हो सकता है। भारत की युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी संपदा है। यदि यह शक्ति नशे की गिरफ्त में चली गई तो राष्ट्र की प्रगति बाधित होगी, लेकिन यदि इसे स्वस्थ, संस्कारित, जागरूक और लक्ष्यनिष्ठ बनाया गया तो भारत विश्व के सामने एक नई शक्ति के रूप में उभरेगा। इसलिए नशे के विरुद्ध संघर्ष केवल एक सामाजिक अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प है।

-ललित गर्ग

धरती का दर्द आँकड़ों में नहीं, महिलाओं की ज़िंदगी में दिखता है

जब धरती बीमार पड़ती है, उसकी पहली आह एक स्त्री सुनती है। उसे पर्यावरण संकट समझने के लिए वैज्ञानिक आँकड़ों की ज़रूरत नहीं, क्योंकि वह इसे रोज़ महसूस करती है–घटती हरियाली, बदलते मौसम, धुएँ भरी हवा और बढ़ती गर्मी में। एक बच्चे ने माँ से पूछा, माँ, अब गर्मी इतनी ज़्यादा क्यों लगती है? माँ शब्दों में भले न समझा सकी, लेकिन वह बदलती प्रकृति का सच जानती थी। 05 जून को दुनिया विश्व पर्यावरण दिवस मनाती है, पर एक महिला के लिए पर्यावरण रोज़ का संघर्ष है। वह इसे महँगी रसोई, घटते पानी और बच्चों की बिगड़ती सेहत में जीती है। शायद इसलिए पर्यावरण संकट की सबसे गहरी चोट स्त्री पर दिखाई देती है, क्योंकि प्रकृति और स्त्री–दोनों जीवन देती हैं, सँभालती हैं और बचाने की कोशिश करती हैं।

जिस प्रकृति ने सदियों से मानव जीवन को सँभाला, आज वही इंसानी लालच से घायल है। प्रकृति से प्रेरित। जलवायु के लिए। हमारे भविष्य के लिए। – विश्व पर्यावरण दिवस 2026 का यह विषय आने वाले संकट की चेतावनी है। प्रकृति हमेशा संतुलन सिखाती रही है–पेड़, नदियाँ और धरती निस्वार्थ जीवन देती हैं। लेकिन विकास की अंधी दौड़ में इंसान ने प्रकृति को केवल संसाधन समझा। नतीजा सामने है–उजड़ते जंगल, प्रदूषित नदियाँ, ज़हरीली हवा और बढ़ती गर्मी। इसकी सबसे गहरी मार उन पर पड़ रही है, जिन्होंने यह संकट पैदा नहीं किया–खासतौर पर महिलाओं पर। तपती धूप में दूर से पानी लाती एक स्त्री केवल घर नहीं सँभालती, बल्कि बिगड़ते पर्यावरण का भार भी उठाती है।

गाँव की महिलाएँ भले ही पर्यावरण विशेषज्ञ न कहलाएँ, लेकिन प्रकृति की भाषा सबसे गहराई से वही समझती हैं। मिट्टी की गंध से वह बारिश पहचान लेती है और पेड़ों की हालत देखकर मौसम का बदलता स्वभाव समझ जाती है। उसके लिए जंगल सिर्फ लकड़ी नहीं, जीवन का आधार हैं। रिपोर्टें कहती हैं कि जलवायु परिवर्तन की सबसे गहरी मार महिलाओं और बच्चों पर पड़ती है, लेकिन इसका सबसे सच्चा प्रमाण वे चेहरे हैं, जो सूखे कुओं और बंजर खेतों के बीच भी परिवार की उम्मीद बचाए रखते हैं। शहरों में भी महिलाएँ प्रदूषण, बढ़ती गर्मी, प्लास्टिक से घिरा जीवन और मानसिक तनाव से जूझ रही हैं। धुएँ भरी हवा में बच्चे को बाहर भेजती एक माँ का डर किसी आँकड़े से कहीं अधिक वास्तविक होता है।

इतिहास गवाह है कि जब-जब प्रकृति पर संकट आया, सबसे पहले महिलाओं ने ही उसके पक्ष में आवाज़ उठाई। चिपको आंदोलन इसका सबसे जीवंत उदाहरण है, जहाँ उत्तराखंड की ग्रामीण महिलाएँ पेड़ों से इस तरह लिपट गईं, मानो अपने बच्चों की रक्षा कर रही हों। उनके लिए जंगल केवल लकड़ी नहीं, बल्कि पानी, हवा और जीवन का आधार थे। इसी सोच को वंगारी मथाई ने लाखों पेड़ लगाकर नई शक्ति दी। आज भी भारत के कई गाँवों में महिलाएँ बीज संरक्षण, वर्षा जल संचयन और जैविक खेती के जरिए चुपचाप धरती को बचाने में जुटी हैं।

विडंबना यह है कि जिन्हें समाज अक्सर कमज़ोर कहता है, वही पर्यावरण की सबसे मज़बूत प्रहरी बनकर उभरती हैं। आज संकट केवल प्रकृति के उजड़ने का नहीं, इंसानी संवेदनाओं के मरने का भी है। कभी बच्चे मिट्टी में खेलते थे, आज स्क्रीन पर प्रकृति खोजते हैं। जो आँगन कभी पेड़ों की छाँव से जीवित थे, अब सीमेंट में कैद हैं और जो बारिश कभी सुकून थी, वही अब डर बन चुकी है। आधुनिकता ने सुविधाएँ दीं, लेकिन मनुष्य को प्रकृति से दूर कर दिया। विडंबना यह है कि हम एयर कंडीशनर में बैठकर ग्लोबल वार्मिंग पर चिंता करते हैं, जबकि वही सुविधाएँ धरती का ताप बढ़ा रही हैं। इस सच को महिलाएँ सबसे गहराई से समझती हैं, क्योंकि उनका जीवन पानी, हवा और घर की ज़रूरतों से जुड़ा है। वे जानती हैं कि जिस दिन साँस और पानी भी बिकने लगेंगे, सबसे पहले गरीबों का जीवन संकट में पड़ेगा। इसलिए पर्यावरण संरक्षण केवल हरियाली का नहीं, मानव अस्तित्व और सामाजिक न्याय का प्रश्न भी है।

धरती को बचाने की लड़ाई बड़े भाषणों से नहीं, घर की छोटी आदतों से जीती जाएगी। और इसकी सबसे मजबूत शुरुआत एक स्त्री कर सकती है। एक माँ यदि बच्चे को पानी बचाना, भोजन की कद्र करना, पौधों से प्रेम करना और प्लास्टिक से दूरी रखना सिखा दे, तो वह केवल आदतें नहीं, आने वाली पीढ़ियों की सोच बदल देती है। यही प्रकृति से प्रेरित जीवनशैली है, जिसकी ओर विश्व पर्यावरण दिवस 2026 दुनिया को लौटाना चाहता है। विकास केवल ऊँची इमारतों और चौड़ी सड़कों का नाम नहीं। सच्चा विकास वही है, जहाँ नदियाँ स्वच्छ हों, हवा साँस लेने लायक हो और बच्चे प्रकृति के बीच खुलकर साँस ले सकें। क्योंकि जो विकास प्रकृति को मिटाकर खड़ा होगा, वह अंततः मानवता को भी मिटा देगा।

आज मानवता एक गहरे विरोधाभास में खड़ी है। इंसान मंगल पर जीवन खोज रहा है, जबकि पृथ्वी पर जीवन बचाना कठिन होता जा रहा है। यह बताता है कि हमने प्रगति तो की, लेकिन संतुलन खो दिया। प्रकृति सिखाती है कि संतुलन टूटे, तो विनाश तय है। इस सच को स्त्रियाँ सबसे सहज समझती हैं, क्योंकि उनका जीवन रिश्तों, जिम्मेदारियों और संवेदनाओं का संतुलन सँभालते बीतता है। वे जानती हैं कि जीवन केवल संसाधनों से नहीं, सहअस्तित्व और संवेदनाओं से चलता है। इसलिए यदि दुनिया को भविष्य बचाना है, तो उसे पर्यावरण को महिलाओं की दृष्टि से देखना सीखना होगा। क्योंकि स्त्री प्रकृति को संसाधन नहीं, जीवन का साथी मानती है।

भविष्य की सबसे बड़ी विरासत धन या तकनीक नहीं, बल्कि बची हुई धरती होगी। 05 जून केवल पर्यावरण दिवस नहीं, मानवता के सामने खड़ा एक कठोर प्रश्न है–क्या हम सचमुच भविष्य बचा रहे हैं? यदि जवाब हाँ चाहिए, तो हमें अपनी सोच, आदतें और विकास की दिशा बदलनी होगी। जिस दिन समाज स्त्री और प्रकृति–दोनों का सम्मान करना सीख जाएगा, उसी दिन सच्चा विकास संभव होगा। क्योंकि धरती और स्त्री में एक गहरी समानता है–दोनों निस्वार्थ जीवन देती हैं, दोनों सबसे अधिक सहती हैं, और जब दोनों घायल होती हैं, तब मानवता का भविष्य भी डगमगा उठता है। इसलिए इस विश्व पर्यावरण दिवस पर केवल संकल्प नहीं, बदलाव को जीवन का हिस्सा बनाना होगा।

-कृति आरके जैन

पेट में छिपी थी दर्द की 'खदान' : अमलतास अस्पताल ने निकालीं 51 विशाल पथरियां

खजूर के आकार की पथरियों से जूझ रहे युवक को मिली नई जिंदगी, आयुष्मान योजना के तहत हुआ नि:शुल्क ऑपरेशन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चिकित्सा जगत में एक दुर्लभ और हैरतअंगेज मामला सामने आया है। देवास स्थित अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के चिकित्सकों ने 34 वर्षीय युवक की पेशाब की थैली (ब्लैडर) से खजूर के आकार की 51 बड़ी पथरियां सफलतापूर्वक निकालकर उसे नया जीवन दिया है। चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि देश में संभवतः यह पहला ऐसा मामला है, जिसमें एक ही मरीज के ब्लैडर से एक साथ इतनी अधिक संख्या में इतने बड़े आकार की पथरियां निकाली गई है।

मरीज चंदर सिंह (34 वर्ष) पिछले दो वर्षों से लगातार पेट दर्द और तकलीफ से जूझ रहा था। कई स्थानों पर उपचार कराने के बावजूद उसे राहत नहीं मिली। धीरे-धीरे दर्द इतना बढ़ गया कि उसका सामान्य जीवन प्रभावित होने लगा और खाना-पीना व दैनिक कार्य भी कठिन हो गए। आखिरकार जब वह अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल पहुंचा, तब आधुनिक यूरोलॉजी जांचों में उसके ब्लैडर में बड़ी संख्या में विशाल पथरियों की मौजूदगी का पता चला।

विशेषज्ञों के अनुसार सामान्यतः छोटी-सी पथरी भी मरीज को असहनीय दर्द दे सकती है, लेकिन मरीज के शरीर में 51 बड़े पत्थरों का होना बेहद गंभीर और असामान्य स्थिति थी। मरीज की जटिल अवस्था को देखते हुए अस्पताल के वरिष्ठ मूत्र एवं पथरी रोग विशेषज्ञ डॉ. देवेश बंसल और उनकी विशेषज्ञ टीम ने चुनौतीपूर्ण सर्जरी का निर्णय लिया।

अस्पताल की अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं, विशेषज्ञता और चिकित्सकों की कुशलता के चलते ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा। सर्जरी के दौरान एक-एक कर सभी 51 पथरियां सुरक्षित बाहर निकाल ली गईं। सफल ऑपरेशन के बाद मरीज को वर्षों पुराने दर्द से राहत मिली और उसकी सेहत में तेजी से सुधार हो रहा है।

इस जटिल ऑपरेशन का पूरा खर्च आयुष्मान भारत योजना के तहत वहन किया गया, जिससे मरीज और उसके परिवार को किसी प्रकार का आर्थिक बोझ नहीं उठाना पड़ा। मरीज और उसके परिजनों ने सफल उपचार के लिए अमलतास अस्पताल की मेडिकल टीम तथा शासन की जनहितैषी योजना के प्रति आभार व्यक्त किया।

अमलतास अस्पताल के चेयरमैन मयंक राज सिंह भदौरिया ने इस दुर्लभ एवं ऐतिहासिक सर्जरी की सफलता पर पूरी मेडिकल टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि संस्थान के विशेषज्ञ चिकित्सकों की दक्षता, समर्पण और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि अमलतास अस्पताल भविष्य में भी मरीजों को बेहतर और विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

विश्व पर्यावरण दिवस से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस तक विशेष अभियान चलेगा

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2026 तक विशेष अभियान संचालित किया जाएगा। इस अभियान के संचालन के संबंध में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने वीसी के माध्यम से बैठक आयोजित कर सभी संभाग आयुक्त, कलेक्टर और जिला पंचायत के सीईओ को निर्देश जारी किए हैं। कलेक्टर श्री बालागुरू के. जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव तथा वन मंडल अधिकारी श्रीमती अर्चना पटेल सहित संबंधित अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने बैठक आयोजित कर जिले में 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस से 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 तक संचालित होने वाले विशेष जनकल्याणकारी अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ निर्धारित गतिविधियों का आयोजन करें। पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, जल संरक्षण एवं योग संबंधी कार्यक्रमों में जनभागीदारी बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। कलेक्टर ने अधिकारियों को अभियान की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा प्रगति प्रतिवेदन समय पर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान की जानकारी आमजन तक व्यापक रूप से पहुंचाई जाए, जिससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें। सभी गतिविधियों का आयोजन निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता पूर्वक संपन्न करने के निर्देश भी दिए गए।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां के नाम अभियान- कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2026 को जिले के प्रत्येक विकास खण्ड नगरीय निकायों में एक पेड़ मां के नाम अभियान संचालित किया जाएगा। इस अभियान में विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं सामाजिक संगठनों को जोड़ा जाएगा। कार्यक्रम 21 जून 2026 तक चलेंगे। पौधरोपण अभियान में पीपल, आम, बरगद, नीम आदि के पौधरोपण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस कार्यक्रम का नोडल विभाग पर्यावरण विभाग रहेगा।

एसडीएम कन्नौद ने कार्य में लापरवाही पर पटवारी अतुल पुरोहित को किया निलंबित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अनुविभागीय अधिकारी कन्नौद ने पटवारी अतुल पुरोहित को कार्य में लापरवाही बरतने पर मध्य प्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। निलंबन अवधि में पटवारी अतुल पुरोहित का मुख्यालय तहसील सतवास रहेगा तथा नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त करने की पात्रता होगी।

विश्व पर्यावरण दिवस से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस तक जिले में होंगे जनकल्याणकारी कार्यक्रम

जल्द मिलेगा घर में नल से शुद्ध जल, ग्राम सिंगारचोरी तक पहुंची विकास की धारा

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। विकास की नई धारा अब आष्टा तहसील के ग्राम सिंगारचोरी में पहुंच चुकी है। गांव में नल-जल योजना के तहत प्रत्येक घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है और वर्तमान में योजना की टेस्टिंग की जा रही है। जल्द ही ग्रामवासियों को अपने घरों में नल के माध्यम से स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल मिलने लगेगा।

ग्राम सिंगारचोरी की वर्तमान आबादी 3,108 है तथा गांव में कुल 655 घर हैं। नल-जल योजना के अंतर्गत एजेंसी द्वारा 670 नल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं, जिससे गांव के लगभग सभी परिवारों को योजना का लाभ मिलेगा।

अब तक ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं को पानी के लिए कुओं और हैंडपंपों पर निर्भर रहना पड़ता था। सुबह-शाम पानी लाने में काफी समय और श्रम खर्च होता था। कई परिवारों में बच्चों को भी पानी लाने में सहयोग करना पड़ता था, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होती थी। लेकिन अब नल-जल योजना के शुरू होने से यह स्थिति बदलने जा रही है।

गांव की महिलाओं का कहना है कि घर में नल से पानी मिलने से उन्हें कुएं से पानी निकालने और हैंडपंप की खटर-पटर से मुक्ति मिलेगी। पानी लाने में लगने वाले समय की बचत होगी, जिसका उपयोग वे परिवार, बच्चों की देखभाल, स्वरोजगार एवं अन्य उपयोगी कार्यों में कर सकेंगी। इससे महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा और उनका दैनिक कार्यभार भी कम होगा। शुद्ध पेयजल की उपलब्धता से ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर भी अच्छा प्रभाव पड़ेगा। स्वच्छ पानी मिलने से जल जनित बीमारियों की आशंका कम होगी तथा बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं का स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। ग्रामीणों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में यह योजना एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। नल-जल योजना का सबसे बड़ा लाभ बच्चों को मिलेगा। जिन परिवारों के बच्चे पानी भरने में समय लगाते थे, वे अब अपना पूरा ध्यान पढ़ाई और अन्य रचनात्मक गतिविधियों पर केंद्रित कर सकेंगे।

मल्हार स्मृति मंदिर देवास में 6 एवं 7 जून को पण्डित कुमार गंधर्व समारोह का आयोजन होगा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग के अंतर्गत उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी द्वारा जिला प्रशासन देवास एवं कुमार गंधर्व अकादमी देवास के सहयोग से दो दिवसीय पण्डित कुमार गंधर्व समारोह का आयोजन 6 एवं 7 जून 2026 को मल्हार स्मृति मंदिर देवास में सायं 7:00 बजे से आयोजित किया जाएगा।

उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी के निदेशक श्री प्रकाश सिंह ठाकुर ने बताया कि पद्म विभूषण पण्डित कुमार गंधर्व मध्यप्रदेश का गौरव हैं। संगीत जगत में उनका अवदान सराहनीय है। उनकी स्मृति में अकादमी द्वारा इस समारोह का आयोजन आदरांजलि स्वरूप है। उप निदेशक श्री शेखर करहाड़कर ने बताया कि अकादमी की परम्परानुसार शास्त्रीय संगीत के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ मूर्धन्य कलाकारों के अवदान एवं युवा कलाकारों को मंच प्रदान करने का प्रयास होता है। श्री प्रकाश सिंह ठाकुर ने बताया कि 6 जून 2026 को सायं 7 बजे शुभारंभ के पश्चात सुश्री सानिया पाटनकर पुणे की गायन सभा का आयोजन होगा। इसके बाद पं. ऋषि शंकर उपाध्याय एवं सुश्री महिमा उपाध्याय दिल्ली की पखावज जुगलबंदी होगी। प्रथम दिवस की अंतिम प्रस्तुति पं. ओमकार दादरकर, कोलकाता द्वारा गायन की होगी।

समारोह के द्वितीय दिवस 7 जून 2026 को सुश्री पूर्वी निमगांवकर, इन्दौर की गायन सभा सजेगी। इसके बाद श्री अविनाश कुमार, दिल्ली द्वारा शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति दी जाएगी। अंतिम प्रस्तुति पं. अतुल उपाध्याय एवं पं. विवेक सोनार की वायोलिन‌‌-बांसुरी जुगलबंदी का रसास्वादन श्रोता कर सकेंगे। समारोह में कलाकारों के साथ हारमोनियम पर श्री मुनि मालवीय भोपाल, श्री दीपक खसरावल इंदौर, श्री विवेक जैन ग्वालियर संगत करेंगे। तबला पर श्री अंशुल प्रताप सिंह भोपाल, श्री रामेन्द्र सिंह सोलंकी भोपाल, श्री हितेन्द्र दीक्षित इंदौर एवं श्री निशांत शर्मा संगत करेंगे।

स्कूलों में वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण गतिविधियां एवं सामूहिक योगाभ्यास का होगा आयोजन

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देशानुसार 05 जून को मनाए जाने वाले विश्व पर्यावरण दिवस तथा 21 जून को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में जिले में विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों एवं विशेष अभियानों का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल द्वारा जिले के समस्त शासकीय विद्यालयों, पीएमश्री विद्यालयों, सीएम राइज विद्यालयों तथा अन्य शैक्षणिक संस्थानों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

जारी निर्देशानुसार 05 जून से 21 जून 2026 तक विद्यालयों में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, जल संरक्षण तथा स्वास्थ्य संवर्धन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के अंतर्गत विद्यालय परिसरों एवं आसपास के क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही विद्यालयों में स्वच्छता अभियान, प्लास्टिक उन्मूलन, जल संरक्षण तथा पर्यावरण संरक्षण संबंधी जागरूकता कार्यक्रम भी संचालित किए जाएंगे। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की सहभागिता से पर्यावरण जागरूकता रैलियां, निबंध, चित्रकला, भाषण एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

समान नागरिक संहिता के अध्ययन एवं परीक्षण के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक सम्पन्न

आमजन से 15 जून तक ऑनलाइन सुझाव आमंत्रित

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन द्वारा समान नागरिक संहिता के संबंध में अध्ययन एवं परीक्षण के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक आज शाजापुर के गांधी हॉल में आयोजित की गई। बैठक में समान नागरिक संहिता से जुड़े सामाजिक, विधिक एवं प्रशासनिक पहलुओं पर जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनों तथा विभिन्न वर्गों से सुझाव प्राप्त किये गए।

बैठक में समान नागरिक संहिता उच्च स्तरीय समिति के सदस्य डॉ. शोभा पेठनकर एवं श्री गोपाल शर्मा ने समिति गठन के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए बताया कि राज्य शासन द्वारा गठित यह उच्च स्तरीय समिति विवाह, भरण-पोषण, विवाह विच्छेद, उत्तराधिकार तथा अन्य पारिवारिक कानूनों से संबंधित विधिक, सामाजिक एवं प्रशासनिक पहलुओं का विस्तृत अध्ययन कर समान नागरिक संहिता के संबंध में उपयुक्त अनुशंसाएं प्रस्तुत करेगी।

उन्होंने बताया कि जनपरामर्श बैठकों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। समिति द्वारा प्रदेशभर के जिलों में जाकर नागरिकों से सुझाव प्राप्त किए जाएंगे। आमजन से सुझाव प्राप्त करने के लिए एक विशेष वेबसाइट 222.ह्ष्ष्.द्व्ह.द्द्1.द्वठु का निर्माण भी किया गया है। उक्त वेबसाइट के माध्यम से इच्छुक नागरिक अपने सुझाव प्रस्तुत कर सकते हैं। समान नागरिक संहिता के संबंध में सुझाव देने की अंतिम तिथि 15 जून 2026 निर्धारित की गई है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर राज्यों में इस दिशा में कार्य प्रारंभ हुआ है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा व्यापक जनभागीदारी के माध्यम से इस विषय पर सुझावों का संकलन एवं विचार-मंथन किया जाएगा, ताकि नागरिकों के हितों की सुरक्षा के लिए समग्र एवं व्यवहारिक अनुशंसाएं तैयार की जा सकें।

बैठक में विधायक श्री अरूण भीमावद, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हेमराज सिंह सिसोदिया, डॉ. रवि पाण्डे, श्री आशीष नागर, श्री पुरूषोत्तम चंद्रवंशी, डॉ. विवेक दुबे, पार्षदगणों, अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों, विभिन्न संगठनों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधियों तथा गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता कर अपने महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत दिए।

इस अवसर पर नगरपरिषद मक्सी अध्यक्ष श्रीमती लाड़कुंवर बाई, नगरपालिका उपाध्यक्ष श्री संतोष जोशी, संयुक्त आयुक्त श्रीमती शैली कनास, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अनुपमा चौहान, अनुविभागीय अधिकारी सुश्री मनीषा वास्कले सहित मौजूद थी।

कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रेखा पुरोहित व श्री सत्यनारायण पाटीदार ने किया एवं आभार जिला पंचायत सीईओ श्रीमती चौहान ने माना।

महिला प्रशिक्षणार्थियों को आत्मरक्षा के गुर सिखाए गए

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) ग्वालियर में महिला प्रशिक्षणार्थियों के लिए आत्मरक्षा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य छात्राओं को आत्मनिर्भर, जागरूक एवं आत्मविश्वासी बनाना तथा उन्हें अपनी सुरक्षा के प्रति सजग करना था। शिविर का आयोजन श्री धानी यूथ एण्ड स्पोर्ट्स वेलफेयर फाउण्डेशन के सहयोग से किया गया। आईटीआई के प्रभारी प्राचार्य श्री नरेश अहिरवार ने बताया कि शिविर में प्रशिक्षकों द्वारा छात्राओं को आत्मरक्षा की विभिन्न तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही उन्हें विपरीत परिस्थितियों में साहस, सतर्कता और समझदारी के साथ कार्य करने के व्यावहारिक उपाय भी बताए गए। प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आत्मरक्षा तकनीकों का अभ्यास किया। इस अवसर पर बताया गया कि महिलाओं को अपनी सुरक्षा के प्रति सदैव सजग रहना चाहिए और किसी भी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति का सामना आत्मविश्वास के साथ करना चाहिए। संस्था द्वारा आयोजित इस प्रकार के कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के साथ-साथ छात्राओं में आत्मविश्वास और सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

विश्व साइकिल दिवस पर निकाली गई जागरूकता साइकिल रैली

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत माय भारत संगठन नई दिल्ली के आदेशानुसार एवं मेरा युवा भारत शाजापुर के जिला युवा अधिकारी श्री सागर बाधवानी के निर्देशन में विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर 03 जून 2026 को प्रातः 8.15 बजे शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय शाजापुर से साइकिल रैली का आयोजन किया गया।

साइकिल रैली को शाजापुर थाना कोतवाली प्रभारी श्री संतोष वाघेला द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली में लगभग 50 से 100 युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण एवं स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया। रैली के माध्यम से नागरिकों को दैनिक जीवन में अधिक से अधिक साइकिल के उपयोग हेतु प्रेरित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि साइकिल का अधिक उपयोग न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण एवं ईंधन की बचत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। देश में पेट्रोल एवं ऊर्जा संसाधनों पर बढ़ते दबाव को कम करने में साइकिल एक सरल, सुलभ एवं प्रभावी विकल्प है। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करना तथा समाज में साइकिल उपयोग की संस्कृति को बढ़ावा देना रहा। प्रतिभागियों ने नियमित साइकिल चलाने तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर एनसीसी अधिकारी डॉ. माखनलाल धानुक, खेल प्रशिक्षक श्री मनोज आर्य, शिक्षा विभाग जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री बी.एल. गोयल, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय शाजापुर के प्राचार्य श्री हेमेन्द्र यादव, एनसीसी सार्जेंट कनिका सोलंकी, सीएचएम जयेश प्रजापति, सीपीएल विनायक पाटीदार, शाजापुर थाना कोतवाली प्रभारी श्री संतोष वाघेला, श्री नंदकिशोर विश्वकर्मा, श्री अनिल सहित अनेक गणमान्य नागरिक, अभिभावक एवं युवा उपस्थित थे।

स्वरोजगार योजनाओं में ऋण स्वीकृति और वितरण में संवेदनशीलता दिखाएं बैंक प्रतिनिधि - कलेक्टर बालागुरू के.

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला स्तरीय बैंक प्रतिनिधियों की सलाहकार समिति (डीएलसीसी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सभी बैंक प्रतिनिधियों को निर्देश देते हुए कहा कि सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के हितग्राहियों के प्रकरणों का समय पर निराकरण कर उन्हें ऋण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि स्वरोजगार योजनाओं के अंतर्गत ऋण प्राप्त करने के लिए हितग्राहियों को बार-बार बैंकों के चक्कर न लगाने पड़ें। यदि किसी आवेदन में दस्तावेजों की कमी हो तो उसकी जानकारी एक ही बार में स्पष्ट रूप से दी जाए, जिससे आवेदकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि स्वरोजगार योजनाओं के प्रकरणों को स्वीकृति प्रदान करना केवल लक्ष्य पूर्ति का विषय नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य जरूरतमंद हितग्राहियों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना तथा उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। उन्होंने सभी बैंक प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि विभागों द्वारा भेजे जाने वाले स्वरोजगार प्रकरणों के निराकरण में संवेदनशीलता और सकारात्मकता का परिचय दें, ताकि जिले में रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर सृजित हों तथा अधिक से अधिक युवा एवं महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकें।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि कृषि, सूक्ष्म एवं लघु उद्यम, शिक्षा, महिला स्व-सहायता समूह तथा अन्य प्राथमिकता क्षेत्रों में ऋण वितरण को और गति देने की आवश्यकता है। उन्होंने बैंक प्रबंधकों से कहा कि पात्र हितग्राहियों के आवेदन लंबित न रखें तथा समयबद्ध रूप से स्वीकृति एवं ऋण वितरण सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि बैंकों के शाखा प्रबंधक स्वयं बैठकों में उपस्थित होकर प्रगति की जानकारी प्रस्तुत करें और विभागीय अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करें।

बैठक में विभिन्न बैंकों की शाखावार एवं योजनावार प्रगति की समीक्षा की गई तथा लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि बैंकिंग सेवाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में एलडीएम श्री जयदीप भट्टाचार्य तथा सभी बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

खेल को जीवन का हिस्सा बनाएं एवं इसे नियमित रूप से जारी रखें- कलेक्टर सुश्री बाफना

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में 1100 खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में खेल की बारीकियां सीखी

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना की उपस्थिति में आज में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह (2026) का समापन समारोह का आयोजन हुआ। जोकि कलेक्टर सुश्री बाफना एवं पुलिस अधीक्षक श्री यशपाल सिंह राजपूत के मार्ग दर्शन में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह (2026) का आयोजन 01 मई 2026 से 31 मई 2026 तक जिला मुख्यालय एवं विकासखण्ड स्तर पर किया गया था। जिसका आज समापन जिला मुख्यालय के स्टेडियम में किया गया।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने ग्रीष्मकालीन खेल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। साथ ही उन्होंने कहा कि कोई भी खिलाड़ी खेल को नहीं छोड़े, जीवन का हिस्सा बनाए एवं इसे नियमित रूप से जारी रखें। साथ ही उन्होंने योग, प्राणायाम आदि को प्रतिदिन करने के लिए कहा। इससे मन की शांति मिलती है और अध्ययन में मदद भी मिलेगी।

इस दौरान प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों, अभिभावक व महिलाओं ने भी रोप मलखंब ने रोप मलखंब एवं योग की प्रस्तुति दी।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह (2026) के अंतर्गत विकासखण्ड मुख्यालय एवं जिला मुख्यालय पर सहयोग प्रदान करने वाले 34 प्रशिक्षक को खेल विभाग की ओर से समारोह में ट्रेक सूट वितरित किए। साथ ही उन्होंने शाजापुर जिले से आर्मी एवं पुलिस विभाग में चयनित हुए 16 युवाओं का पुष्पहार पहनाकर सम्मानित किया और उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

जिला खेल अधिकारी श्री रविन्द्र हार्डिया ने बताया कि ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह (2026) के अंतर्गत खेल विभाग शाजापुर द्वारा आयोजित शिविर में 1100 खिलाड़ियों ने सहभागिता कर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक संपन्न

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अनुपमा चौहान की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट कार्यालय सभाकक्ष में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जल जीवन मिशन के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती चौहान ने 19 शेष हस्तांतरित योजना को हस्तांतरण करने एवं जल स्त्रोत से बंद 63 योजनाओं को ग्राम पंचायत के साथ समीक्षा कर बंद योजनाओं को चालू कराने के निर्देश दिये। इस अवसर पर कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, सहायक यंत्री एवं उपयंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उपखण्ड शाजापुर/शुजालपुर आदि उपस्थित थे।

सीएम से मुलाकात के अगले ही दिन खेतों में उतरे सांसद-नेपानगर विधायक, दरियापुर रैयत में लगाई किसान चौपाल

किसानों को सुनाया मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संदेश, कहा- चिंता न करें, भाजपा सरकार आपके साथ खड़ी है

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आंधी-तूफान और बारिश से प्रभावित हुई केला फसल का जायजा लेने बुधवार को सांसद ज्ञानेश्वर पाटील, नेपानगर विधायक मंजू दादू, जिला पंचायत अध्यक्ष गंगाराम मार्को, जनपद प्रतिनिधि प्रदीप पाटील, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष पिंटू जाधव, पिछड़ा मोर्चा जिला अध्यक्ष राजू पाटील, भाजपा युवा नेता गजेंद्र पाटील प्रशासनिक अधिकारियों के साथ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे। जनप्रतिनिधियों ने खामनी, नीमगांव, फोपनार, बड़सिंगी, बड़झिरी, टेम्भी, कानापुर, नांदुरा, दरियापुर, मांजरोद एवं तुकईथड़ सहित विभिन्न गांवों के खेतों में पहुंचकर नुकसान का जायजा लिया तथा अधिकारियों को शीघ्र सर्वे पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि मंगलवार को सांसद ज्ञानेश्वर पाटील ने भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात कर उन्हें जिले में आंधी-तूफान एवं बारिश से प्रभावित केले की फसल की वास्तविक स्थिति से अवगत कराया था। इसके बाद मुख्यमंत्री ने वीडियो संदेश जारी कर किसानों को आश्वस्त किया कि वे किसी प्रकार की चिंता न करें। संकट की इस घड़ी में भाजपा सरकार किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है। प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे शीघ्र पूरा कराकर किसानों को उचित राहत एवं मुआवजा उपलब्ध कराया जाएगा।

किसानों से संवाद - दौरे के दौरान दरियापुर रैयत में किसान चौपाल आयोजित की गई, जहां सांसद एवं विधायक ने किसानों से सीधा संवाद किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सर्वे पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाए, अधिकारी खेतों में किसानों के साथ पहुंचकर वास्तविक नुकसान का आंकलन करें तथा सर्वे सूची पंचायतों में सार्वजनिक रूप से चस्पा की जाए, जिससे कोई भी पात्र किसान राहत से वंचित न रहे। यह भी अधिकारियों को निर्देशित किया कि सर्वे कार्य पूरी गंभीरता और निष्पक्षता के साथ किया जाए तथा प्रत्येक प्रभावित किसान के नुकसान का सही आंकलन सुनिश्चित किया जाए।

यह रहे मौजूद - इस दौरान गोपाल महाजन, गुलाब महाजन, पप्पू महाजन, रमेश उचले वैभव महाजन, गोपाल मोतकर अरविंद महाजन, दिवाकर सपकाले, डिंगबर महाजन, बंडू पाटील, विनोद पाटील, सुधीर बंड, चेतन महाजन, सुनील बंड, अशोक पाटील, गोविंद पाटील, प्रदीप डीलर, अशोक महाजन, नाना पाटील, मनोज टंडन,कैलाश पाटील, हेमराज पाटिल अभिमान तडवी, उस्मान भाई हिरामन पाटील , केशव महाजन, मंडल अध्यक्ष नितिन महाजन, नकुल पंडित, रविंद्र महाजन, राजू पाटिल गंभीर महाजन, गंभीर राठौड़, प्रहलाद महाजन,ईश्वर महाजन, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि निलेश चौकसे, राजू शिवहरे,पवन लहासे, प्रभाकर मुंगसे, विजय चौधरी, डिप्टी कलेक्टर सृजन श्रीवास्तव,एसडीएम भागीरथ वाखला,तहसीलदार गोविंद रावत,राजस्व निरीक्षक, पटवारी सहित किसान भाई मौजद रहे।

कलेक्टर ने ट्रेंचिंग ग्राउंड, डॉ. भीमराव अंबेडकर गार्डन एवं वाटर फिल्टर प्लांट का किया निरीक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत ट्रेंचिंग ग्राउंड, डॉ. भीमराव अंबेडकर गार्डन तथा वाटर फिल्टर प्लांट किशनपुरी का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ट्रेंचिंग ग्राउंड पहुंचकर नगरीय क्षेत्र में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने निर्देश दिए कि नगर के 18 वार्डों से एकत्रित होने वाले कचरे का वैज्ञानिक पद्धति से निपटान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही स्रोत स्तर पर कचरे का पृथक्करण (सोर्स सेग्रीगेशन) किया जाए। कलेक्टर ने विद्युत आपूर्ति की समुचित व्यवस्था बनाए रखने तथा आवश्यक उपकरण एवं टूल्स क्रय कर कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश भी दिए। इसके पश्चात कलेक्टर ने डॉ. भीमराव अंबेडकर गार्डन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गार्डन के सौंदर्यीकरण एवं रखरखाव में लापरवाही पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को गार्डन की व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित करने, नियमित साफ-सफाई बनाए रखने तथा परिसर की सुंदरता एवं उपयोगिता बढ़ाने के निर्देश दिए। वाटर फिल्टर प्लांट किशनपुरी के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पेयजल की गुणवत्ता की जांच हेतु क्लोरीन टेस्ट करवाया तथा जल शोधन प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को शहर की बढ़ती आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए फिल्टर प्लांट की क्षमता बढ़ाने तथा पेयजल आपूर्ति को और अधिक प्रभावी एवं सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर श्री महेश बड़ोले, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री मिलन पटेल एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला चिकित्सालय झाबुआ में सामान्य प्रसव से तीन बेटियों का जन्म, मां एवं नवजात स्वस्थ

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला चिकित्सालय झाबुआ में एक दुर्लभ एवं सुखद घटना के तहत एक महिला ने सामान्य प्रसव के माध्यम से तीन स्वस्थ बेटियों को जन्म दिया। वर्तमान में माता एवं तीनों नवजात शिशुओं की स्थिति संतोषजनक है।

जानकारी के अनुसार, श्रीमती रीना पति श्री सुकराम, निवासी कुशलपुरा जिला धार (मायका - गोपालपुरा, जिला झाबुआ) को प्रसव पीड़ा होने पर जिला चिकित्सालय झाबुआ में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ की सतत निगरानी तथा कुशल प्रबंधन के परिणामस्वरूप सफलतापूर्वक सामान्य प्रसव कराया गया।

जन्मी तीनों नवजात बेटियों का वजन क्रमशः 1.2 किलोग्राम, 1.3 किलोग्राम एवं 1.8 किलोग्राम है। कम वजन होने के कारण प्रथम एवं द्वितीय नवजात को विशेष निगरानी एवं उपचार के लिए एनआईसीयू में रखा गया है, जबकि 1.8 किलोग्राम वजन वाली नवजात अपनी माता के साथ स्वस्थ है। चिकित्सकों के अनुसार माता एवं तीनों नवजातों का स्वास्थ्य निरंतर बेहतर है। इस सफल प्रसव में स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रतिष्ठा चौहान, नर्सिंग ऑफिसर मंजू निनामा एवं हिमानी खतरकर सहित समस्त लेबर रूम स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अस्पताल प्रशासन एवं सहयोगी कर्मचारियों द्वारा भी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं।

उन्हेल में पोरवाल समाज द्वारा अयोध्या से बाल कथावाचक अमृत त्रिपाठी ने नगर वासियों का मन मोह लिया

राधा कृष्ण मंदिर में कथा का समापन नगर में निकला भव्य चल समारोह

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राधा कृष्ण मंदिर, जांगड़ा पोरवाल समाज में सात दिनों से चल रही श्रीमद भागवत कथा का मंगलवार को समापन हुआ समापन पर नगर में भव्य चल समारोह नगर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ निकला जिसमें नगर के धार्मिक संस्थाओं व राजनीतिक पार्टी द्वारा भव्य स्वागत किया गया जिसमें नगर परिषद जागड़ा पोरवाल समाज पंच धाकड़ समाज भोलेनाथ नवयुवक मंडल गोलोकधाम गौशाला सोनी समाज सांवरिया महिला भक्त मंडल द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया चल समारोह के पूर्व अंतिम दिवस की कथा में कथा वाचक पूज्य

अमृता त्रिपाठी ने सात दिवसीय कथा में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, माखन चोरी और गोवर्धन धारण जैसे प्रसंगों का मार्मिक वर्णन किया।

वही कथा वाचक द्वारा आज की युवा को तनाव एवं मोबाइल से दूर रहने ओर भगवान की भक्ति में लीन होने के लिए कहा गया , इस अवसर पर पोरवाल समाज अध्यक्ष रामजी मोदी दिलीप मोदी राजेंद्र मोदी नंदराम धाकड़ पूनमचंद्र खमोरिया दिलीप मेहता नंदराम बंबोरिया गोविन्द सलित्रा सतीश मेहता संजय पोरवाल सतीश लडड़ा पद्माकर पाध्येय बंटू पोरवाल द्वारकाधीश मेहता जगदीश मेहता धर्मपाल पालीवाल शांतिलाल हल्कारा द्वारकाधीश सोनी योगेश यति अविनाश विपट गोपाल खामोरिया रमेशचंद प्रजापत नागेश माली चंदर चौहान लोकेश मोदी अर्पित मोदी व कई समाज जन महिला मंडल उपस्थित रहे।

सुरक्षित जल, समृद्ध कल के लिए जल चौपाल आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जन अभियान परिषद विकासखंड झाबुआ के सेक्टर ढेकलबड़ी अंतर्गत प्रस्फुटन ग्राम भोयरा में जल गंगा संवर्धन अभियान के द्वितीय चरण जल स्रोत सेवा समागम कार्यक्रम के तहत सुरक्षित जल, समृद्ध कल विषय पर जल चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला समन्वयक श्री प्रेम सिंह चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा 19 मार्च से 30 जून 2026 तक जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत जल स्रोतों की साफ-सफाई, कुओं एवं बावड़ियों का गहरीकरण, तालाबों का संरक्षण, हैंडपंपों की स्वच्छता तथा जनजागरूकता के लिए नारा लेखन जैसे कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने जल संरक्षण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता एवं नशामुक्ति के लिए भी ग्रामीणों को प्रेरित किया। विकासखंड समन्वयक तोलिया डामोर ने कहा कि वर्षा ऋतु के आगमन को देखते हुए सभी नागरिकों को एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए। उन्होंने खेतों एवं सार्वजनिक स्थलों पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान को जनआंदोलन बनाने हेतु सामूहिक प्रयासों पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर गांव के वरिष्ठजन श्री हवसिंग भूरिया, हरि भूरिया, प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष श्री रामचंद्र भाभोर, आशा कार्यकर्ता शिबू भाभोर सहित अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन नवांकुर संस्था के श्री रामसिंह भाभोर ने किया तथा आभार प्रस्फुटन समिति सचिव शर्मा भूरिया ने व्यक्त किया।

कलेक्टर जयति सिंह ने की राजस्व एवं विकास कार्यों की सघन समीक्षा

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागृह में समय सीमा एव अंतर विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ, सहायक कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। 1.बैठक के दौरान कलेक्टर ने राजस्व विभाग के तहत स्वामित्व, सीमांकन, रास्ता विवाद, फार्मर रजिस्ट्री और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की विस्तृत समीक्षा की और अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। 2.कृषि एवं खाद वितरण व्यवस्था किसानों की सुविधा को सर्वोपरि रखते हुए कलेक्टर ने खाद वितरण की समीक्षा की। उन्होंने वरला, पाटी और पलसूद में 3 नवीन केंद्र खोलने हेतु तत्काल प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। साथ ही, किसानों को सुगमता से खाद उपलब्ध कराने के लिए नगर विक्रय केंद्र शुरू करने हेतु निर्देशित किया। 3. टीबी मुक्त अभियान में कोई कोताही नहीं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने टीबी स्क्रीनिंग और उपचार को लेकर कड़े निर्देश दिए कि क्लिनिकल ट्रेनिंग के मापदंडों के अनुसार ही फील्ड पर कार्य किया जाए। सभी संदिग्ध मरीजों का 100 प्रतिशत नाट कंफर्मेटरी टेस्ट अनिवार्य रूप से करवाया जाए। समग्र पोर्टल से डेटा एंट्री सुनिश्चित की जाए मरीजों का निक्षय आईडी बनाई जाए।

सभी एसडीएम अपने-अपने क्षेत्रों के स्वास्थ्य केंद्रों की नियमित समीक्षा करें। कलेक्टर ने जोर देकर कहा कि सभी अधिकारी अपनी नैतिक जिम्मेदारी का पालन करते हुए कार्य करें। 4.शत-प्रतिशत नामांकन और शाला भवनों का जीर्णोद्धार शैक्षणिक सत्र 2026-27 के मद्देनजर समस्त बीआरसी को निर्देश दिए गए हैं कि वे बच्चों का 100 प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करें। इस कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पुस्तक वितरण में आ रही दिक्कतों को वेंडर से बात कर तत्काल हल करने के निर्देश दिए गए। क्रियाशील पंचायत एवं शाला भवन अंतर्गत नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने से पहले पीआईयू, एसएमसी और ग्राम पंचायत शाला भवनों के मरम्मत कार्य पूर्ण करें। शिक्षकों के प्रशिक्षण हेतु एक कोर टीम का गठन करने के निर्देश दिए गए।

अभिमान करने वालो का पतन निश्चित है -अभयमुनिजी

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मीडिया प्रभारी नितिन बुडावनवाला ने बताया कि 5 दिन से चल रहे भव्य धार्मिक शिविर का आज समापन हुआ। शिविर में लगभग 311 सामायिक श्राविकाओं द्वारा सम्पन्न हुई पूज्य अभयमुनिजी ने कई नियम प्रात्याख्यान करवाये जिसमें कड़ाई विगय का त्याग, हरी लीलोती त्याग, कच्चे पानी, रात्रि भोजन त्याग, पानी का सदुपयोग, किसी भी विपरीत परिस्थिति में चाहे कुछ हो आत्महत्या जैसा पाप नहीं करने का त्याग, दो दम्पत्तिगण ने आजीवन शीलव्रत के प्रात्याख्यान लिये एवं सभी को 12 व्रतों का सरल रूप में समझाईश देकर पालन करने को कहा । शिविर समापन पर ब्राम्ही बहुमण्डल अध्यक्ष इंदू पावेचा द्वारा स्वल्पाहार एवं प्रभावना का आयोजन किया गया।

धर्मसभा में अभयमुनिजी ने कहा कि अहंकार, मान, मद से युक्त किया गया कार्य कुछ समय के लिये सफलता तो दिलाता है पर ये ही अभिमान और घमण्ड इंसान को पतन की ओर ले जाता है। अरे, आपको किस बात का अभिमान है, आपका क्या है और आपके पास कल तक है क्या ये सुनिश्चित है। वर्तमान में यदि धन का अभिमान बढ़ गया है तो इसका फल इस जन्म में तो क्या कई जन्मों तक दुःख देता है। नवकार आराधक जितना क्रोध, मान, माया, लोभ एवं कटु कषाय से बचेगा उतना जीवन में सुख और आनंद प्राप्त करेगा।

आज धर्मसभा में महासति ऋजुताजी म.सा. के परिवार के मनोज, रियाजी, श्रीमाल एवं गौरवमुनि जी के रतलाम के चैधरी जाट परिवार ने भी भव्य लाभ लिया। पुज्य अणु उमेशमुनिजी गुरू भक्ति भावना वाला सुमधुर स्वरचित सुंदर गीत कुमारी रियाजी श्रीमाल ने धर्मसभा में सुनाकर वातावरण भक्तिमय बना दिया। चंदनमल संघवी ने भी अपने विचार रखे। संचालन सुरेन्द्र पितलिया ने किया एवं आभार बसंतीलाल कोलन ने माना।

संविदा स्वास्थ्य कर्मियों की हड़ताल से स्वास्थ्य सेवाएं चरमराईं, सुसनेर अस्पताल का टीकाकरण कक्ष रहा बंद

बच्चों और गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण प्रभावित, उप स्वास्थ्य केंद्रों पर भी लटके ताले

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ मध्यप्रदेश के आह्वान पर चल रही अनिश्चितकालीन हड़ताल का असर अब स्वास्थ्य सेवाओं पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। हड़ताल के चलते बुधवार को सुसनेर सिविल अस्पताल सहित क्षेत्र के कई उप स्वास्थ्य केंद्रों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित रहीं। सबसे अधिक असर टीकाकरण व्यवस्था पर देखने को मिला। सिविल अस्पताल के टीकाकरण कक्ष में पूरे दिन ताला लगा रहा, जिसके कारण बच्चों और गर्भवती महिलाओं का नियमित टीकाकरण नहीं हो सका।

टीकाकरण के लिए अस्पताल पहुंचे कई हितग्राहियों को बिना टीका लगवाए ही वापस लौटना पड़ा। वहीं ऑनलाइन गर्भवती पंजीयन, प्रसव पूर्व जांच, स्वास्थ्य सर्वेक्षण और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां भी प्रभावित रहीं। पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कुपोषित बच्चों को मिलने वाली परामर्श सेवाओं और पोषण आहार वितरण व्यवस्था पर भी असर पड़ा।

जानकारी के अनुसार प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर जिलेभर के संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी अपनी 8 सूत्रीय मांगों को लेकर 2 जून से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। आगर-मालवा जिले के करीब 150 कर्मचारी इस आंदोलन में शामिल हैं। आंदोलन के तहत कर्मचारियों ने गांधी उपवन (कंपनी गार्डन) में जनजागरण अभियान चलाकर आम नागरिकों को अपनी मांगों और समस्याओं से अवगत कराया। कर्मचारियों का कहना है कि वर्षों से सेवा देने के बावजूद उन्हें नियमित कर्मचारियों के समान सुविधाएं नहीं मिल रही हैं।

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने आरोप लगाया कि विभाग द्वारा हड़ताल पर गए कर्मचारियों को चेतावनी पत्र जारी किए जा रहे हैं, जिससे कर्मचारियों में रोष है। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि उनकी मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। 8 जून तक मांगें पूरी नहीं होने पर मुख्यमंत्री निवास के घेराव की भी चेतावनी दी गई है।

संघ की प्रमुख मांगों में संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण, समकक्षता निर्धारण की विसंगतियों का निराकरण, स्वास्थ्य बीमा एवं एनपीएस लाभ, 10 प्रतिशत वार्षिक वेतन वृद्धि, महंगाई भत्ता, सीएचओ का पीबीआई वेतन में विलय, नियमित कर्मचारियों की तरह अवकाश सुविधाएं तथा वेतन-भत्तों में समानता होने तक सार्थक एप बंद करने की मांग शामिल है।

हड़ताल के चलते स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ रहे असर को देखते हुए मरीजों और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो आने वाले दिनों में स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक प्रभावित हो सकती हैं।

अमृता त्रिपाठी ने कथा में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा कंस वध तथा रुक्मिणी विवाह का पावन प्रसंग सुनाया

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जांगड़ा पोरवाल समाज राधा कृष्ण मंदिर में चल रही भागवत कथा के छठे दिन सोमवार को कथा व्यास पूज्य अमृता त्रिपाठी ने कथा में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा कंस वध तथा रुक्मिणी विवाह का पावन प्रसंग सुनाया। कथा के माध्यम से मथुरा नगरी में भगवान श्रीकृष्ण और बलराम के आगमन, धनुष यज्ञ, कुवलयापीड़ हाथी और मल्लों के संहार का वर्णन श्रवण कराया। अंत में भगवान श्रीकृष्ण अत्याचारी कंस का वध कर अपने माता-पिता को कारागार से मुक्त कराया।

कथा में बताया गया कि अधर्म और अत्याचार चाहे कितना भी शक्तिशाली क्यों न दिखाई दे, अंततः सत्य और धर्म की ही विजय होती है। भगवान अपने भक्तों की रक्षा और दुष्टों के विनाश के लिए समय आने पर अवश्य प्रकट होते हैं। कंस वध का प्रसंग जीव को भय, अहंकार और अन्याय से दूर रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने रुक्मिणी विवाह का अत्यंत मधुर और भक्तिमय प्रसंग वर्णन। विदर्भ राजकुमारी रुक्मिणी जी का भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अटूट प्रेम, उनका संदेश तथा भगवान द्वारा रुक्मिणी हरण कर विवाह करने की दिव्य लीला का सुंदर वर्णन किया गया।

इस प्रसंग से यह शिक्षा मिलती है कि सच्ची श्रद्धा और निष्काम प्रेम से भगवान अवश्य प्रसन्न होते हैं। भक्त का प्रेम भगवान को भी अपने भक्त के प्रति आकर्षित कर लेता है। कथा के अंत में भगवान श्रीकृष्ण विवाह उत्सव के मंगल गीतों और जयकारों से सम्पूर्ण वातावरण आनंदमय हो उठा। छठे दिन के लाभार्थी चांदमल सूरजमल गुप्ता परिवार थे। पंच धाकड़ समाज, स्वर्णकार समाज, सरस्वती शिशु मंदिर परिवार, भाजपा मंडल उन्हेल, जगदीश शर्माभाजपा विमुक्त अर्ध घुमक्कड़ जाति, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उन्हेल,अमावस्या ग्रुप, बालकृष्ण विपट, सोनू मकवाना ने व्यासपीठ का पूजन कर कथा व्यास दीदी का सम्मान कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

बैंकों की सुरक्षा को लेकर बुरहानपुर पुलिस सक्रिय, बैंक प्रबंधकों के थाना कोतवाली, एवं थाना खकनार में बैठक संपन्न

थाना प्रभारी एवं स्टाफ द्वारा समय-समय सतत कि जा रही है बैंक सुरक्षा चेकिंग

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक श्री आशुतोष बागरी के निर्देशन एवं अति. पुलिस अधीक्षक श्री अंतर सिंह कनेश तथा नगर पुलिस अधीक्षक श्री गौरव पाटिल के मार्गदर्शन में जिले के समस्त थाना प्रभारियों एवं पुलिस स्टाफ द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में संचालित शासकीय एवं अर्ध-शासकीय बैंकों की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया जा रहा है।

दिनांक 03.06.2026 को थाना कोतवाली परिसर में प्रभारी कोतवाली श्रीमती नीता देयरवाल, एवं थाना खकनार में थाना प्रभारी श्री अभिषेक जाधव द्वारा थाना क्षेत्र के विभिन्न बैंकों की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ और अचूक बनाने के उद्देश्य से एक बैठक

का आयोजन कि गई। इस बैठक में कोतवाली पुलिस ने बैंक प्रबंधकों के साथ सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की और उन्हें प्रभावी कदम उठाने हेतु निर्देशित किया।

बैंकों में पर्याप्त संख्या में सशस्त्र एवं प्रशिक्षित सुरक्षा गार्ड की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

बैंक परिसर के अंदर एवं बाहर लगे सभी सीसीटीवी कैमरों को निरंतर चालू एवं कार्यशील रखा जाए तथा उनकी गुणवत्ता का नियमित परीक्षण किया जाए। सीसीटीवी फुटेज का पर्याप्त बैकअप सुरक्षित रखा जाए एवं डीवीआर की रिकॉर्डिंग क्षमता निर्धारित मानकों के अनुरूप बनाए रखी जाए।

बैंक के प्रवेश एवं निकास द्वारों पर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाए तथा फ्रेम मेटल डिटेक्टर, डोर सिक्योरिटी सिस्टम एवं अन्य सुरक्षा उपकरणों को नियमित रूप से संचालित किया जाए।

बैंक परिसर में स्थापित इमरजेंसी अलार्म सिस्टम को हमेशा सक्रिय एवं कार्यशील स्थिति में रखा जाए ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल उपयोग किया जा सके।

चोरी, लूट एवं डकैती की घटनाओं की रोकथाम हेतु निर्धारित सुरक्षा मानकों एवं एसओपी का कड़ाई से पालन किया जाए।

बैंक कर्मचारी एवं सुरक्षा गार्ड संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर सतत निगरानी रखें तथा किसी भी संदिग्ध सूचना की तत्काल जानकारी डायल-112 एवं स्थानीय पुलिस को दें।

बैंक परिसर में आने वाले ग्राहकों की सुरक्षा एवं सुगम आवागमन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

बैंक एवं थाना स्तर पर नियमित समन्वय बनाए रखते हुए सुरक्षा संबंधी सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जाए, जिससे किसी भी संभावित सुरक्षा चुनौती का समय रहते निराकरण किया जा सके।

साइबर अपराधों एवं बैंकिंग धोखाधड़ी की घटनाओं के प्रति कर्मचारियों एवं ग्राहकों को जागरूक करने हेतु समय-समय पर जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएं।

थाना स्तर पर बैंक प्रबंधकों के साथ समन्वय स्थापित कर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के निर्देश दिए गए।

बुरहानपुर पुलिस का यह समन्वित प्रयास जनता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पुलिस प्रशासन द्वारा उठाए गए इन कदमों से निश्चित रूप से बैंक परिसरों और आम नागरिकों की सुरक्षा में और अधिक पारदर्शिता एवं तत्परता आएगी, जो एक सुरक्षित समाज के निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक है।

मुख्य सचिव ने 5 जून से 21 जून तक चलने वाले विशेष जनकल्याण अभियान की तैयारियों की समीक्षा

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) तक प्रदेशभर में संचालित किए जाने वाले विशेष जनकल्याण अभियान, वृक्षारोपण, जनकल्याण शिविर, प्राकृतिक खेती कार्यशालाओं एवं योग दिवस कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने निर्देश दिए कि नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा 5 जून से 21 जून 2026 तक संचालित विशेष जनकल्याण अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां के नाम अभियान एवं विशेष स्वच्छता अभियान का व्यापक स्तर पर शुभारंभ किया जाए। 12 से 18 जून के मध्य नगरीय निकायों में विशेष जनकल्याण शिविर आयोजित कर पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से जोड़ा जाए।

मुख्य सचिव ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस पर राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होगा, जहां मुख्यमंत्री द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान 3.0 का शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने सभी जिलों को पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरूकता गतिविधियों में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने निर्देश दिए कि 5 जून से 21 जून तक सभी नगरीय निकायों में सघन वृक्षारोपण अभियान चलाया जाए तथा पीपल, नीम, बरगद, आम, महुआ, इमली सहित स्थानीय एवं दीर्घजीवी प्रजातियों के पौधों का रोपण किया जाए। प्रत्येक नगरीय निकाय को दिए गए पौधरोपण लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भी कहा गया।

मुख्य सचिव ने 12 से 18 जून के मध्य आयोजित जनकल्याण शिविरों में पीएम स्वनिधि, पीएम सूर्य घर, आयुष्मान भारत, वय वंदना योजना, लखपति दीदी योजना, सीएम हेल्पलाइन एवं अन्य हितग्राही मूलक योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को जोड़ने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम अंतर्गत लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए समय-सीमा में एवं समय-सीमा से बाहर लंबित आवेदनों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।

उन्होंने 19 एवं 20 जून को आयोजित होने वाली प्राकृतिक खेती कार्यशालाओं के सफल आयोजन के निर्देश देते हुए कृषि विज्ञान केंद्रों, बायो रिसोर्स सेंटरों, कृषि सखियों एवं प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने को कहा।

मुख्य सचिव ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राज्य, जिला एवं विकासखंड स्तर पर व्यापक योग कार्यक्रम आयोजित करने तथा जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, योग संगठनों एवं आमजन की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आयुष विभाग द्वारा 12 मई से 20 जून तक संचालित ऑनलाइन योग प्रशिक्षण एवं 14 जून को आयोजित ऑनलाइन योग सत्र के व्यापक प्रचार-प्रसार के भी निर्देश दिए।

वीडियो कॉन्फ्रेंस में कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट, वनमंडलाधिकारी श्री भारत सोलंकी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्रसिंह चौहान, डिप्टी कलेक्टर्स, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्थान कोटा में अफीम नीति बैठक में भ्रष्टाचार का बम, चितौड़गढ़ के सांसद सीपी जोशी के आरोपों से मचा हड़कंप

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अफीम नीति 2026-27 के निर्धारण से पहले आयोजित केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) की सलाहकार समिति की बैठक उस समय सुर्खियों में आ गई, जब चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी ने भरी बैठक में एक नारकोटिक्स इंस्पेक्टर पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लगा दिए। किसानों की समस्याओं और आगामी अफीम नीति पर चर्चा के बीच अचानक हुए इस घटनाक्रम से बैठक का माहौल गरमा गया। सांसद द्वारा लगाए गए आरोपों और अधिकारी की सफाई के बाद जांच की मांग तेज हो गई, जबकि दूसरी ओर किसानों ने भी अफीम लाइसेंस, समर्थन मूल्य और उत्पादन संबंधी अपनी लंबित मांगों को जोरदार तरीके से उठाया।

आरोप सही पाए जाने पर होगी कठोर कार्रवाई- झालावाड़ रोड स्थित एक होटल में आयोजित इस बैठक में अफीम नीति से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जा रही थी। इसी दौरान सांसद जोशी ने बैठक में मौजूद एक इंस्पेक्टर का नाम लेते हुए उस पर कथित आर्थिक लेन-देन के आरोप लगाए। सांसद ने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए।

इंस्पेक्टर ने स्वयं को बताया निर्दोष, नार्को टेस्ट के लिए तैयार- आरोपों पर संबंधित इंस्पेक्टर ने स्वयं को निर्दोष बताते हुए किसी भी प्रकार की अवैध राशि लेने से इनकार किया। उन्होंने यहां तक कहा कि वे जांच अथवा नार्को टेस्ट जैसी किसी भी प्रक्रिया के लिए तैयार हैं। मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए नारकोटिक्स विभाग के उपायुक्त नरेश बुंदेल ने कहा कि लगाए गए आरोपों की जांच कराई जाएगी और तथ्य सामने आने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

किसानों ने रखीं अफीम नीति से जुड़ी प्रमुख मांगें- बैठक में शामिल किसान संगठनों और प्रतिनिधियों ने आगामी अफीम नीति को लेकर कई महत्वपूर्ण सुझाव और मांगें भी रखीं। किसानों ने अफीम गोंद एवं सीपीएस का समर्थन मूल्य बढ़ाने, न्यूनतम अर्हता उपज में कमी करने, दो प्लॉटों में खेती की अनुमति देने तथा वर्षों से लंबित लाइसेंसों को बहाल करने की मांग की।

इन जिलों के अफीम उत्पादक किसान पहुंचे- भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़ एवं अन्य क्षेत्रों से पहुंचे किसानों ने कहा कि उत्पादन लागत लगातार बढ़ रही है, जबकि अफीम का मूल्य वर्षों से लगभग स्थिर बना हुआ है। किसानों ने प्राकृतिक आपदाओं से हुए नुकसान की भरपाई तथा नामांतरण एवं नॉमिनी संबंधी प्रक्रियाओं को सरल बनाने की मांग भी उठाई।

जिले में किरायेदारों एवं बाहरी व्यक्तियों की जानकारी देना अनिवार्य

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में आश्रम, बोर्डिंग हाउस, सर्किट हाउस, धर्मशाला, गेस्ट हाउस, रेस्ट हाउस, रिसोर्ट एवं किराए पर दी जाने वाली संपत्तियों में बाहरी व्यक्तियों द्वारा असामाजिक एवं अवांछनीय गतिविधियों में संलिप्त होने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने महत्वपूर्ण प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। झाबुआ की भौगोलिक स्थिति गुजरात एवं राजस्थान की सीमा से लगी होने के कारण यहां बाहरी व्यक्तियों का आवागमन अधिक रहता है, जिससे पुलिस जांच के दौरान उनकी सही जानकारी उपलब्ध न होने पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में जिले की शांति, लोकशांति, जनसुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था पर संभावित खतरा उत्पन्न होता है।

पुलिस अधीक्षक, जिला झाबुआ से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर यह पाया गया कि मकान मालिकों द्वारा किरायेदारों को बिना सूचना दिए रखने की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे सुरक्षा संबंधी चुनौतियाँ बढ़ जाती हैं। इसे देखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 (1) एवं (2) के अंतर्गत संपूर्ण जिले की राजस्व सीमाओं में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है।

आदेश के अनुसार किरायेदारों को रखने से पूर्व मकान एवं दुकान मालिकों को संबंधित थाने में विहित प्रारूप में सूचना देना अनिवार्य होगा, साथ ही आधार कार्ड, वोटर आईडी या ड्राइविंग लाइसेंस जैसे पहचान-पत्रों की प्रतियां सुरक्षित रखनी होंगी। घरेलू कामगारों एवं व्यावसायिक कर्मचारियों के मामले में भी मालिकों को उन्हें नियुक्त करने से पूर्व थाने में सूचना देना और उनके पहचान-पत्र की प्रति रखना आवश्यक होगा।

गुंदीपाड़ा घटना में कलेक्टर के निर्देशन पर लापरवाही बरतने वाले पटवारी एवं ग्राम सचिव निलंबित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम गुंदीपाड़ा में 02 जून 2026 को एक कुएं में गिरने से 12 वर्षीय बालिका शिवानी की मृत्यु की घटना के संबंध में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) झाबुआ द्वारा जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया।

जांच में पाया गया कि घटना स्थल स्थित कुएं पर आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाओं का अभाव था तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा अपने दायित्वों का समुचित निर्वहन नहीं किया गया। प्रतिवेदन के आधार पर कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशन में संबंधितों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की गई।

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) झाबुआ द्वारा ग्राम गुंदीपाड़ा हल्का क्रमांक-26 के पटवारी श्री निलेश अखाड़े को अपने कर्तव्यों के प्रति गंभीर लापरवाही, क्षेत्र में नियमित भ्रमण नहीं करने, संवेदनशील गतिविधियों की जानकारी समय पर वरिष्ठ अधिकारियों को उपलब्ध नहीं कराने तथा आदेशों एवं निर्देशों का पालन नहीं करने के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

साथ ही जांच में यह भी पाया गया कि घटना स्थल स्थित कुएं पर सुरक्षा संबंधी आवश्यक व्यवस्थाएं, जैसे मुंडेर एवं बाउंड्रीवाल आदि नहीं थीं तथा इस संबंध में पंचायत स्तर पर भी आवश्यक कार्रवाई नहीं की गई थी। मामले में ग्राम गुंदीपाड़ा के सचिव श्री दलसिंह पालिया द्वारा खतरनाक कुओं एवं बोरवेलों की जानकारी सक्षम अधिकारियों को समय पर उपलब्ध नहीं कराई गई तथा सुरक्षा संबंधी आवश्यक उपाय भी सुनिश्चित नहीं किए गए। सचिव श्री दलसिंह पालिया की भी गंभीर लापरवाही परिलक्षित होने पर कलेक्टर के निर्देशानुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत झाबुआ द्वारा नियमानुसार उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

लाइनिंग को लेकर भड़के व्यापारी, विरोध के बाद नगर परिषद की कार्रवाई स्थगित

भाजपा पार्षद और कांग्रेस पार्षद प्रतिनिधि व्यापारियों के समर्थन में उतरे, मौके पर हुई तीखी बहस

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलिया नगर परिषद द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बाद बुधवार को मनासा मार्ग स्थित कृषि उपज मंडी के प्रवेश द्वार क्रमांक-2 के सामने सफेद लाइनिंग करने पहुंची टीम को व्यापारियों के विरोध के चलते बिना काम किए वापस लौटना पड़ा। लाइनिंग के दौरान व्यापारियों ने नगर परिषद पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। स्थिति इतनी गर्मा गई कि मौके पर भाजपा पार्षद ललित कसेरा और कांग्रेस पार्षद प्रतिनिधि मुकेश निडर भी पहुंच गए तथा व्यापारियों का समर्थन करते हुए नगर परिषद अधिकारियों से तीखी बहस की।

जानकारी के अनुसार नगर परिषद द्वारा नगर में नालों एवं मुख्य मार्गों पर अतिक्रमण हटाने की मुहिम पिछले कई दिनों से चलाई जा रही है। इसी अभियान के तहत करीब सात दिन पहले कृषि उपज मंडी क्षेत्र में अतिक्रमण हटाकर दुकानों के सामने बने चद्दर शेड और अन्य अवरोधक हटवाए गए थे। इसके बाद बुधवार दोपहर करीब 2 बजे नगर परिषद की टीम दुकानदारों को निर्धारित सीमा बताने और भविष्य में अतिक्रमण रोकने के उद्देश्य से सफेद लाइनिंग करने पहुंची थी। मौके पर नगर परिषद सीएमओ प्रवीण सेन, उपयंत्री राजेश उपाध्याय, लेखापाल महावीर जैन, सुनील साहू सहित परिषद का अमला तथा चौकी प्रभारी भीमसिंह राठौड़, आरक्षक वाजिद खान सहित पुलिस बल मौजूद था। परिषद कर्मचारियों ने रस्सी खींचकर सड़क किनारे लाइनिंग की तैयारी शुरू की, लेकिन जैसे ही पेंटिंग का कार्य शुरू हुआ, व्यापारियों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया। व्यापारियों का कहना था कि नगर परिषद एक तरफ अधिक जगह छोड़कर दूसरी तरफ कम दूरी पर लाइनिंग कर रही है, जिससे दुकानदारों के साथ अन्याय होगा। उनका तर्क था कि सड़क के दोनों ओर समान दूरी निर्धारित कर सड़क के मध्य से नाप-जोख कर लाइनिंग की जाए, ताकि सभी व्यापारियों के साथ एक जैसा व्यवहार हो । व्यापारियों ने आरोप लगाया कि नगर परिषद छोटे दुकानदारों पर सख्ती दिखा रही है, जबकि बड़े अतिक्रमणकारियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही। विरोध बढ़ने पर मौके पर मौजूद व्यापारियों और परिषद अधिकारियों के बीच काफी देर तक बहस होती रही। विरोध की सूचना मिलते ही भाजपा पार्षद ललित कसेरा और वार्ड पार्षद प्रतिनिधि मुकेश निडर भी मौके पर पहुंच गए। दोनों जनप्रतिनिधियों ने व्यापारियों की मांग को उचित बताते हुए नगर परिषद अधिकारियों से निष्पक्ष और समान मापदंड अपनाने की बात कही। इस दौरान अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के बीच भी तीखी नोकझोंक देखने को मिली। व्यापारियों का कहना था कि मंडी क्षेत्र के सामने एमपीआरडीसी द्वारा निर्मित नाले की वास्तविक स्थिति को आधार बनाकर लाइनिंग की जाए। उनका आरोप था कि नाले की दूरी और सड़क की चौड़ाई को नजरअंदाज कर मनमाने तरीके से सीमांकन किया जा रहा है।

अध्यक्ष प्रतिनिधि और उपाध्यक्ष को बुलाया गया- विवाद बढ़ता देख नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सुनील देवरिया और परिषद उपाध्यक्ष भारतसिंह सोनगरा को मौके पर बुलाया गया। अधिकारियों ने उन्हें पूरे मामले से अवगत कराया। चर्चा के बाद निर्णय लिया गया कि इस विषय पर परिषद स्तर पर विचार-विमर्श कर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। तब तक लाइनिंग की कार्रवाई स्थगित रखी जाएगी। इसके बाद नगर परिषद की टीम बिना लाइनिंग किए वापस लौट गई। वहीं व्यापारियों ने चेतावनी दी कि यदि निष्पक्ष तरीके से सीमांकन नहीं किया गया तो वे आगे भी विरोध जारी रखेंगे।

प्रशासन आपके द्वार, समाधान अबकी बार 2 घंटे बस का सफर कर खातीखेड़ा पहुंचे कलेक्टर

डेढ़ माह में हर घर नल, 3 दिन में सड़क दुरुस्त- जल निगम को समय-सीमा में काम पूरा करने के सख्त निर्देश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनजाति बाहुल्य ग्राम खातीखेड़ा में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने ग्रामीणों से रूबरू होकर एक-एक व्यक्ति की समस्या को गंभीरता से सुना और मौके पर ही निराकरण के निर्देश दिए।

2 घंटे बस यात्रा कर पहुंचा जिला प्रशासन- बुधवार शाम 4ः00 बजे कलेक्ट्रेट परिसर से प्रस्थान कर कलेक्टर श्री चंद्रा सहित समस्त जिला अधिकारी लगभग शाम 6ः00 बजे यात्री बस से 2 घंटे का सफर तय कर सुदूर जनजाति बाहुल्य ग्राम खातीखेड़ा पहुंचे। साथ में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, वन मंडल अधिकारी श्री एस.के. अटोदे, एडीएम श्री बी.एस. कलेश, एसडीएम सुश्री प्रीति संघवी एवं समस्त विभागों के जिलाधिकारी मौजूद थे।

पेयजल एवं सड़क पर त्वरित कार्रवाई- शिविर में जल निगम के अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि डेढ़ माह में तीनों गांवों में %हर घर नल% योजना के तहत नीली पेयजल पाइपलाइन बिछाकर प्रत्येक घर तक नल कनेक्शन उपलब्ध करवा दिया जाएगा। छूटे हुए रोड रेस्टोरेशन का कार्य गुरुवार से प्रारंभ कर 3 दिन में पूर्ण कर लिया जाएगा। कलेक्टर ने जल निगम को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

डीकेन में प्रसूति सुविधा उपलब्ध - शिविर में ग्रामीण अर्जुन द्वारा स्थानीय स्तर पर प्रसूति की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग पर कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि पीएचसी डिकेन में यह सुविधा उपलब्ध है और डॉ. मोहम्मद नसीम द्वारा अच्छी सेवाएं दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई पैरामेडिकल स्टाफ प्रसूति से मना करता है तो ग्रामीण सीधे डॉ. मोहम्मद नसीम से संपर्क करें, वे समन्वय कर सेवाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

शिक्षा के क्षेत्र में सौगात - ग्रामीणों की मांग पर कलेक्टर श्री चंद्रा ने गांव खातीखेड़ा के मिडिल स्कूल को हाई स्कूल में उन्नयन करने का प्रस्ताव तत्काल शासन को भेजने के निर्देश दिए। साथ ही जिले के ऐसे सभी ग्रामों को चिन्हांकित कर शाला उन्नयन के प्रस्ताव भिजवाने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी को दिए।

कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविर में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण कर ग्रामीणों को राहत पहुंचाएं।

जन समस्या निवारण शिविर में ग्रामीणों की मांग पर कलेक्टर ने पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण यंत्री श्री रवि रंजन को निर्देश दिएकि वे ग्राम खाती खेड़ा एवं जिले के सभी ऐसे गांव जहां घरों के ऊपर से विद्युत लाइन गुजर रही है उनका सर्व करवाकर, लाइन शिफ्ट करवाने के प्रस्ताव तैयार कर भिजवाए।

ग्रामीणकी मांग पर वन राजस्व समस्या का समाधान के लिए कलेक्टर ने वन एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम की बनाकर मौका मुआयना करवा कर समस्या का समाधान करवाने की बात भीकही।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती शांति बाई मदन गुर्जर, क्षेत्र के अन्य ग्रामों के सरपंच एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण जन एवं महिलाएं उपस्थित थी।

नीमच गौरव दिवस का आगाज : शहीदों को नमन, पौधारोपण और स्वच्छता अभियान से दिया जागरूकता का संदेश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वीर शहीदों की स्मृति को समर्पित नीमच गौरव दिवस का शुभारंभ बुधवार सुबह शहीद पार्क स्थित शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। नगर पालिका परिषद नीमच द्वारा आयोजित कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति गौरव चोपड़ा एवं जिला पंचायत अध्यक्ष सज्जन सिंह चौहान ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर शहीदों को नमन किया। इसके पश्चात अतिथियों एवं उपस्थित नागरिकों ने शहीद पार्क परिसर में पौधारोपण एवं स्वच्छता अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता का संदेश दिया। हाथों में झाड़ू लेकर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने पार्क परिसर की सफाई की तथा शहरवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने उस ऐतिहासिक बरगद के वृक्ष पर भी पुष्पांजलि अर्पित की, जहां स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वीर क्रांतिकारियों को फांसी दी गई थी। इस अवसर पर शहीदों के बलिदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। गौरतलब है कि वर्ष 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान मध्यप्रदेश में क्रांति की पहली चिंगारी 3 जून को नीमच से भड़की थी। इसी ऐतिहासिक महत्व के कारण प्रतिवर्ष 3 जून को नीमच गौरव दिवस के रूप में मनाया जाता है। कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर एवं एसडीएम पराग जैन, चंद्र सिंह धारवे, मुख्य नगर पालिका अधिकारी दुर्गा बामनिया, पूर्व सैनिक सेवा परिषद के सदस्य, जनप्रतिनिधि, पार्षद, एल्डरमैन, सामाजिक कार्यकर्ता, इतिहासकार एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। नीमच गौरव दिवस के अवसर पर शहर के विभिन्न शहीद स्मारकों, महापुरुषों की प्रतिमाओं और प्रमुख चौराहों को आकर्षक सजावट से सजाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शहीदों के बलिदान को स्मरण करने के साथ-साथ स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक जिम्मेदारी का संदेश देना रहा।

कांग्रेस का शक्ति मंथन शुरू, कार्यकर्ताओं को संगठन और चुनावी प्रबंधन का दिया प्रशिक्षण

नीमच में दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के पहले दिन जीतू पटवारी महेश चौधरी ने दिए संगठन मजबूती के मंत्र

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मनासा रोड स्थित होटल मंगल में कांग्रेस का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर सोमवार को शुरू हुआ। शिविर के प्रथम दिन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी महेश चौधरी, वरिष्ठ नेता महेंद्र जोशी सहित अन्य वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं को कांग्रेस की विचारधारा, संगठन की रीति-नीति, बूथ सशक्तिकरण, जनसंपर्क और चुनावी प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण शिविर में जिलेभर से आए कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि संगठन की मजबूती का आधार बूथ स्तर का कार्यकर्ता होता है। ऐसे में प्रत्येक कार्यकर्ता को जनता के बीच सक्रिय रहकर कांग्रेस की नीतियों और जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से पहुंचाना होगा। शिविर में वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों, विपक्ष की भूमिका और आगामी चुनावों की रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं को आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए तैयार करने के उद्देश्य से विभिन्न विषय विशेषज्ञों ने भी अपने विचार रखे और संगठनात्मक गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने के सुझाव दिए। दो दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अलग-अलग सत्रों के माध्यम से कार्यकर्ताओं को व्यावहारिक और वैचारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शिविर का उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाते हुए कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। इस मौके पर जिला कांग्रेस अध्?यक्ष तरूण बाहेती समेत कांग्रेस के पदाधिकारीगण मौजूद थे।

जनता के बीच संघर्ष ही कांग्रेस की पहचान, कार्यकर्ता बनें बदलाव के वाहक - प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि कांग्रेस केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि देश के लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की रक्षा का आंदोलन है। कार्यकर्ताओं को जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझना और उनके समाधान के लिए संघर्ष करना होगा। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर मजबूत संगठन ही कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत है। आने वाले समय में कार्यकर्ताओं की सक्रियता और जनता से जुड़ाव ही पार्टी को नई मजबूती प्रदान करेगा।

संगठन की मजबूती का रास्ता गांव और बूथ से होकर गुजरता है - प्रदेश प्रभारी महेश चौधरी ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास संघर्ष और जनसेवा का रहा है। प्रशिक्षण शिविरों का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा और जिम्मेदारियों से और अधिक जोड़ना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने क्षेत्र में संगठन का मजबूत स्तंभ बनना होगा। जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाते हुए कांग्रेस को गांव-गांव तक पहुंचाना ही वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

प्रशिक्षण से कार्यकर्ता केवल समर्थक नहीं, नेतृत्वकर्ता बनते हैं - प्रदेश प्रशिक्षण प्रभारी महेंद्र जोशी ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए नियमित प्रशिक्षण और वैचारिक स्पष्टता आवश्यक है। कार्यकर्ताओं को बदलते राजनीतिक और सामाजिक परिवेश के अनुरूप स्वयं को तैयार करना होगा। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से कार्यकर्ताओं को नेतृत्व क्षमता, जनसंपर्क और संगठन प्रबंधन के गुर सिखाए जा रहे हैं। कांग्रेस का सशक्त और प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही पार्टी की भविष्य की ताकत बनेगा। दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के तहत बुधवार को भी विभिन्न विषयों पर सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें संगठन विस्तार, चुनावी रणनीति, जनआंदोलन, मीडिया प्रबंधन और नेतृत्व विकास जैसे विषयों पर चर्चा होगी।

आरोह-2026: खिलाड़ियों ने सीखे लीडरशिप एवं टीमवर्क के गुर

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा पुलिस विभाग, आदिवासी विकास विभाग, शिक्षा विभाग एवं विभिन्न खेल संघों के सहयोग से आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर ÷आरोह-2026÷ का संचालन 15 मई से 15 जून 2026 तक जिला एवं विकासखंड मुख्यालयों पर किया जा रहा है। शिविर का आयोजन कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट एवं पुलिस अधीक्षक श्री देवेन्द्र पाटीदार के मार्गदर्शन में प्रतिदिन प्रातः एवं सायंकालीन सत्रों में किया जा रहा है। जिला खेल अधिकारी श्री विजय कुमार सलाम ने बताया कि शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेलों के प्रति रुचि विकसित करना, शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाना, प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान एवं प्रोफाइलिंग करना, व्यक्तित्व विकास एवं नेतृत्व क्षमता का निर्माण करना तथा युवाओं को नशामुक्ति, साइबर सुरक्षा एवं सामाजिक विषयों के प्रति जागरूक बनाना है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

उज्जैन में गर्भवती और धात्री महिलाओं तक नहीं पहुंच रहा टेक होम राशन

कुपोषण मिटाने के दावों की खुली पोल, आंगनवाड़ियों में खाली हाथ लौट रहीं हितग्राही- मुख्यमंत्री स्तर पर समीक्षा के बाद बड़े फैसले की संभावना

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। एक ओर प्रदेश सरकार कुपोषण के खिलाफ बड़े-बड़े अभियान चलाने और मातृ-शिशु स्वास्थ्य को मजबूत बनाने के दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर उज्जैन जिले में हकीकत इससे बिल्कुल अलग नजर आ रही है। जिले की कई आंगनवाड़ी परियोजनाओं में गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं और छोटे बच्चों को मिलने वाला टेक होम राशन (टीएचआर) लंबे समय से नहीं पहुंच पा रहा है। इससे हजारों हितग्राही पोषण आहार से वंचित हैं और कुपोषण के खिलाफ चल रहे सरकारी प्रयासों पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जानकारी के अनुसार महिला एवं बाल विकास विभाग की उपलब्धता रिपोर्ट में उज्जैन जिले की विभिन्न परियोजनाओं में पोषण आहार की आपूर्ति प्रभावित होने की बात सामने आई है। हालात ऐसे हैं कि कई आंगनवाड़ी केंद्रों पर महिलाएं और बच्चे राशन लेने पहुंच रहे हैं, लेकिन उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ शहरी परियोजनाएं भी इस संकट से प्रभावित हैं।

कागजों में योजनाएं, जमीन पर इंतजार- सरकार की योजना के तहत गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं और छह वर्ष तक के बच्चों को नियमित रूप से पोषण आहार उपलब्ध कराया जाना है ताकि गर्भस्थ शिशु और बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक विकास बेहतर हो सके। लेकिन आपूर्ति बाधित होने के कारण यह पूरी व्यवस्था प्रभावित हो गई है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के अनुसार कई केंद्रों पर लंबे समय से राशन नहीं पहुंचा है। इसके चलते लाभार्थियों में नाराजगी बढ़ रही है। महिलाओं का कहना है कि उन्हें मिलने वाला पोषण आहार उनके परिवार के लिए महत्वपूर्ण सहारा होता है, लेकिन लगातार आपूर्ति नहीं होने से परेशानी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री स्तर तक पहुंचा मामला- सूत्रों के अनुसार प्रदेश में पोषण आहार वितरण व्यवस्था को लेकर उच्च स्तर पर चिंता व्यक्त की गई है। मुख्यमंत्री ने हाल ही में कुपोषण और पोषण आहार वितरण की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को इस व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए हैं।

माना जा रहा है कि आगामी कैबिनेट बैठक में इस मुद्दे पर बड़ा निर्णय लिया जा सकता है।सरकार के सामने फिलहाल दो विकल्प बताए जा रहे हैं। पहला, पोषण आहार निर्माण और वितरण का कार्य मौजूदा निजी एजेंसियों के माध्यम से जारी रखा जाए। दूसरा, इसकी जिम्मेदारी स्वयं सहायता समूहों को सौंप दी जाए ताकि स्थानीय स्तर पर उत्पादन और वितरण बेहतर तरीके से हो सके।

उज्जैन ही नहीं, कई जिलों में संकट- विशेषज्ञों का मानना है कि गर्भावस्था और शिशु जीवन के शुरुआती वर्षों में पोषण की कमी का असर लंबे समय तक रहता है। ऐसे में टेक होम राशन की आपूर्ति रुकना गंभीर चिंता का विषय है। मिली जानकारी के अनुसार उज्जैन संभाग के अन्य जिलों में भी स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं है। कई क्षेत्रों में या तो राशन नहीं पहुंच रहा है या फिर निर्धारित मात्रा से कम आपूर्ति की जा रही है। इससे हजारों परिवार प्रभावित हो रहे हैं।

कुपोषण के खिलाफ लड़ाई पर असर- पोषण विशेषज्ञों का कहना है कि गर्भवती महिलाओं और बच्चों को समय पर पोषण आहार नहीं मिलने से कुपोषण, एनीमिया और विकास संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। सरकार द्वारा कुपोषण कम करने के लिए चलाए जा रहे अभियान तब तक पूरी तरह सफल नहीं हो सकते, जब तक जमीनी स्तर पर पोषण आहार की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित नहीं की जाती। फिलहाल उज्जैन में पोषण आहार की कमी ने प्रशासन और महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यप्रणाली पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। अब सभी की निगाहें सरकार के आगामी फैसले पर टिकी हैं कि आखिर इस संकट का समाधान कब और कैसे निकलेगा।

36 वर्ष की गौरवपूर्ण सेवा के पश्चात एएसआई गौरी शंकर यादव सेवानिवृत्त, सम्मान समारोह आयोजित

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश पुलिस विभाग में लगभग 36 वर्ष 4 माह 20 दिन की गौरवपूर्ण एवं उत्कृष्ट सेवा देने के पश्चात सहायक पुलिस उप निरीक्षक (एएसआई) गौरी शंकर यादव 31 मई 2026 को सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर उनके सम्मान में परिवार एवं शुभचिंतकों द्वारा 2 जून को स्नेह भोज एवं भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

गौरी शंकर यादव ने अपने लंबे सेवाकाल के दौरान कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ पुलिस विभाग में सेवाएं प्रदान कीं। उनकी उत्कृष्ट कार्यशैली एवं जनसेवा के प्रति समर्पण को विभाग एवं समाज में सदैव सराहा गया। सेवानिवृत्ति के अवसर पर परिजनों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने उनके उज्ज्वल एवं स्वस्थ भविष्य की कामना की।

नानाखेड़ा स्थित परिहार मांगलिक परिसर में आयोजित इस समारोह के मुख्य अतिथि महाकाल थाना प्रभारी गगन बादल रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हेमराज यादव ने की। कार्यक्रम थाना महाकाल एवं थाना चिंतामन के तत्वावधान में संपन्न हुआ।

स्नेह भोज एवं सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, पुलिस अधिकारी, रिश्तेदार, मित्र एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे। इस अवसर पर पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारीगणों में विद्याराम, चंद्रभान सिंह चौहान, लोकेंद्र बेस, राजेश यादव, मनीष यादव, विपिन, भूपेंद्र तथा संदीप सहित अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने श्री गौरी शंकर यादव का सम्मान करते हुए उनके सफल एवं प्रेरणादायी सेवाकाल के लिए बधाई दी।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने श्री गौरी शंकर यादव के सेवाकाल की उपलब्धियों को स्मरण करते हुए उनके व्यक्तित्व, कार्यशैली एवं समाज के प्रति योगदान की प्रशंसा की। अतिथियों ने कहा कि उन्होंने अपने पूरे सेवाकाल में निष्ठा, अनुशासन और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।

सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए इस सम्मान समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों ने श्री गौरी शंकर यादव के स्वस्थ, सुखद एवं सफल जीवन की मंगलकामनाएं व्यक्त कीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

फर्जी मालिक बन सौदा करने वाले 5 दिनों की रिमांड पर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जमीन का फर्जी मालिक बनकर ग्राम सलामता में 12 बीघा जमीन का सौदा 1.39 करोड़ करने के बाद अनुबंध के दौरान 36 लाख की धोखाधड़ी करने वाले की शिकायत ग्राम मानपुरा में रहने वाले रविन्द्रसिंह तंवर और उसके भतीजे कुलदीपसिंह ने माधवनगर थाना पुलिस को दर्ज कराई थी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर धोखाधड़ी करने वाले तथाकथित जमीन मालिक दिलीप सिंह जिसका वास्तविक नाम भैरूसिंह पिता करणसिंह निवासी ग्राम खेड़ा चितावलिया और सौदा करने वाले दलाल मंगल पिता हाकमसिंह निवासी ग्राम रलायती को गिरफ्तार किया था। दोनों को मंगलवार दोपहर कोर्ट में पेश किया गया। जहां से 5 दिनों की पूछताछ के लिये रिमांड पर लिया गया है। एएसआई लक्ष्मीकांत गौतम ने बताया कि दोनों से स्वीफ्ट कार, मोबाइल के साथ फर्जी आधार कार्ड और कई दस्तावेज बरामद किये गये है। रिमांड अवधि में धोखाधड़ी से जुड़े अन्य आरोपियों की जानकारी जुटाई जा रही है। जिनकी गिरफ्तारी भी जल्द की जायेगी। दोनों आरोपी गिरोह के रूप में काम करते है। उनके द्वारा कई लोगों से धोखाधड़ी किया जाना सामने आ रहा है।

जिला पंचायत सीईओ ने फूलों की उन्नत खेती का किया निरीक्षण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बुधवार को सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट द्वारा विकासखंड उज्जैन अंतर्गत दो प्रगतिशील कृषकों द्वारा उद्यानिकी क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान श्री श्रेयांस कूमट, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, श्री पी.एस. कनेल, उप संचालक उद्यानिकी उपस्थित थे।

ग्राम सेवरखेड़ी में कृषक श्री नेपाल सिंह द्वारा पॉली हाउस एवं शेडनेट हाउस में फूलों की उन्नत खेती का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। उन्होंने उच्च गुणवत्ता वाली पुष्प सीडलिंग तैयार कर राज्य के बाहर अच्छे भावों पर विक्रय कर उल्लेखनीय आय अर्जित की है। साथ ही सीडलिंग उत्पादन इकाई के माध्यम से स्थानीय स्तर पर 50-60 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध करवाया जा रहा है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर रहा है।

ग्राम आलमपुर उड़ाना में कृषक श्री आशाराम द्वारा 3 हेक्टेयर क्षेत्र में कश्मीरी गुलाब की अत्यंत उत्कृष्ट खेती की जा रही है। कृषक ने बताया कि गुलाब की खेती से पारंपरिक फसलों की तुलना में काफी अधिक आय प्राप्त हो रही है।

सिंहस्थ-2028 की तैयारीः शहर में लगेंगे 20 नए ट्रैफिक सिग्नल

स्मार्ट सिटी ने 100 नए सर्विलांस पॉइंट चिन्हित किए, 2000 हाईटेक कैमरों से होगी निगरानी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए शहर की यातायात व्यवस्था को और बेहतर बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। उज्जैन स्मार्ट सिटी कंपनी शहर के प्रमुख मार्गों और चौराहों पर 20 नए ट्रैफिक सिग्नल स्थापित करेगी। इसके साथ ही करीब 100 नए स्थानों पर हाईटेक सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, जिससे यातायात नियंत्रण के साथ सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत होगी।

सिंहस्थ महापर्व में करोड़ों श्रद्धालुओं के उज्जैन आने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ट्रैफिक प्रबंधन को प्राथमिकता दे रहा है। वर्तमान में शहर में 20 ट्रैफिक जंक्शन, 7 एंट्री-एग्जिट पॉइंट पर 306 निगरानी कैमरे, 12 स्थानों पर स्पीड डिटेक्शन सिस्टम, 40 जगहों पर वैरिएबल मैसेज साइन बोर्ड तथा 75 स्थानों पर इमरजेंसी कॉल बॉक्स संचालित हैं। स्मार्ट सिटी कंपनी ने पहले चरण में 35 नए सर्विलांस पॉइंट चिन्हित किए हैं। इसके बाद शहर में कुल 40 ट्रैफिक जंक्शन और लगभग 100 निगरानी पॉइंट विकसित किए जाएंगे। योजना के तहत सिंहस्थ क्षेत्र सहित पूरे शहर में करीब 2000 कैमरे लगाए जाएंगे, जिनका संचालन सिंहस्थ मेला कार्यालय में बनने वाले इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार नए ट्रैफिक सिग्नल और निगरानी तंत्र से सिंहस्थ के दौरान वाहनों की आवाजाही सुगम होगी, जाम की स्थिति पर तत्काल नियंत्रण किया जा सकेगा तथा सुरक्षा व्यवस्था भी अधिक प्रभावी बनेगी। शहर के आंतरिक और बाहरी मार्गों पर यातायात प्रबंधन को आधुनिक तकनीक से जोड़ा जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

चरक अस्पताल का फायर फाइटिंग सिस्टम हुआ कबाड़

लाखों खर्च कर लगाए गए उपकरण बेकार, आग लगने पर नहीं बचेंगे स्वास्थ्य विभाग के आवासीय क्वार्टर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए बनाए गए चरक भवन परिसर में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह दम तोड़ चुकी है। यहां आग से बचाव के लिए लगाया गया फायर फाइटिंग सिस्टम वर्षों से रखरखाव के अभाव में खराब पड़ा है। हालत यह है कि कई स्थानों पर उपकरण जंग खा चुके हैं, जबकि कुछ जगहों से पाइप तक गायब हो गए हैं। ऐसे में यदि परिसर में आगजनी जैसी कोई घटना होती है तो उससे निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं हैं।

चरक भवन परिसर में चार और चार से अधिक मंजिल वाले कई आवासीय ब्लॉक बने हुए हैं, जहां स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी परिवार सहित निवास करते हैं। भवन निर्माण के दौरान सुरक्षा मानकों के तहत फायर फाइटिंग सिस्टम लगाया गया था, ताकि किसी भी आपात स्थिति में आग पर तत्काल काबू पाया जा सके। निर्माण के बाद पूरा परिसर स्वास्थ्य विभाग को सौंप दिया गया, लेकिन इसके रखरखाव पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। परिसर में लगे फायर हाइड्रेंट, पाइप लाइन और अन्य अग्निशमन उपकरण अब उपयोग के लायक नहीं बचे हैं। कई जगह उपकरण टूटे हुए दिखाई देते हैं तो कहीं उन पर धूल और जंग की मोटी परत चढ़ चुकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से इनकी जांच और मरम्मत नहीं हुई है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि कुछ स्थानों से फायर सिस्टम के पाइप और अन्य सामग्री भी निकाल ली गई है। इसके कारण पूरी व्यवस्था केवल दिखावे तक सीमित रह गई है। विशेषज्ञों के अनुसार बहुमंजिला भवनों में अग्नि सुरक्षा उपकरणों का नियमित परीक्षण और रखरखाव अनिवार्य होता है, लेकिन यहां इसके विपरीत स्थिति नजर आ रही है। निवासियों का कहना है कि संबंधित विभाग को जल्द से जल्द फायर फाइटिंग सिस्टम की मरम्मत कर उसे चालू करना चाहिए। समय रहते व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो किसी भी आपदा की स्थिति में बड़ा नुकसान हो सकता है।

प्रेम विवाह करने वाले युवक के परिवार पर हमला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम नवेली में रहने वाले परिवार पर रात 3 बजे चार पहिया वाहनों से आए शाजापुर के कुछ लोगों ने हमला कर दिया और अपनी पुत्री को लेकर रवाना हो गए हमले में दो भाइयों के साथ पिता घायल हुआ है। मामला प्रेम विवाह से जुडा होना सामने आया है। भेरूगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम नवेली में रहने वाले राजाराम के चार पुत्र हैं एक पुत्र सौदान अपने मामा के यहां बेरछी शाजापुर में रहकर देवास स्थित फैक्ट्री में काम करता है। उसका शाजापुर की रहने वाली युवती अनीता से प्रेम प्रसंग चल रहा था। 21 में को दोनों ने भाग कर चिंतामण मंदिर में शादी कर ली थी और बालिक होने पर न्यायालय में विवाह का आवेदन भी कर दिया था। मामा के यहां रहने वाला सौदान अनीता को लेकर अपने पिता के गांव नवेली आ गया था। रात में अनीता के परिजन वाहनों में सवार होकर शाजापुर से ग्राम नवेली पहुंचे। रात 3 बजे के 18 से 20 लोगों ने राजाराम के घर पर हमला किया और परिवार के साथ मारपीट करने के बाद अपनी पुत्री अनीता को लेकर रवाना हो गए। हमले में राजाराम को मामूली चोट लगी लेकिन उसके 2 पुत्र राहुल और दीपक घायल हो गए। मां सुगनबाई और रिश्तेदार प्रहलाद भी मामूली रूप से घायल हुए हैं। चोट लगने पर राहुल और दीपक के साथ राजाराम को भी उपचार के लिए चरक अस्पताल में भर्ती कराया गया है मामले की सूचना भेरूगढ़ पुलिस को मिलने पर जांच शुरू की गई है।

इस बार नहीं तपी नौतपा... 43 डिग्री से नीचे रहा पारा

रात का तापमान भी 28.2 डिग्री से ऊपर नहीं गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इस वर्ष नौतपा में वह तीखी गर्मी देखने को नहीं मिली, जिसके लिए यह अवधि जानी जाती है। आमतौर पर नौतपा के दौरान तापमान 43 से 45 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक तक पहुंच जाता है, लेकिन इस बार पूरे नौतपा में उज्जैन का अधिकतम तापमान 43 डिग्री का आंकड़ा भी नहीं छू सका। वहीं रात का तापमान भी 28.2 डिग्री सेल्सियस से ऊपर नहीं गया।

शासकीय जीवाजीराव वेधशाला के अनुसार 25 मई से शुरू हुए नौतपा के दौरान अधिकतम तापमान 28 मई को सबसे अधिक 42.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके बाद तापमान में लगातार गिरावट देखने को मिली। 29 मई को अधिकतम तापमान 40 डिग्री, 30 मई को 39 डिग्री और 31 मई को घटकर 37.5 डिग्री सेल्सियस रह गया। नौतपा के अंतिम दिनों में मौसम और अधिक नरम हो गया। 1 जून को अधिकतम तापमान 38.5 डिग्री तथा 2 जून को 37.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे लोगों को भीषण गर्मी और लू से काफी हद तक राहत मिली। रात के तापमान में भी सामान्य से कम बढ़ोतरी देखी गई। नौतपा की शुरुआत 25 मई को 28.2 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ हुई, जो इस अवधि का सबसे अधिक रात्रिकालीन तापमान रहा। इसके बाद न्यूनतम तापमान लगातार 27 डिग्री के आसपास बना रहा। 30 मई को यह 22 डिग्री और 2 जून को घटकर 21 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार इस बार पश्चिमी विक्षोभों की सक्रियता, बीच-बीच में बादलों की मौजूदगी तथा हवाओं की दिशा में बदलाव के कारण तापमान में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हो सकी। यही वजह रही कि नौतपा के दौरान भी लोगों को पिछले वर्षों जैसी झुलसाने वाली गर्मी का सामना नहीं करना पड़ा। कुल मिलाकर 25 मई से 2 जून तक नौ दिनों में नौतपा में हमेशा जैसी भीषण गर्मी नहीं पड़ी। इतना ही नहीं दो बार बारिश भी हो गई।

नौतपा के दौरान तापमान का रिकॉर्ड-

दिन	अधिकतम	न्यूनतम
25 मई	41.8	28.2
26 मई	42.0	27.5
27 मई	41.8	27.6
28 मई	42.5	27.4
29 मई	40.0	27.0
30 मई	39.0	22.0
31 मई	37.5	23.4
1 जून	38.5	26.0
2 जून	37.5	21.0

झारडा में दर्दनाक घटना, 8 साल के बालक और मां की मौत

पुत्र को जहर देने के बाद मां ने खाई थी जहरीली गोलियां

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम लसुडिया गोयल से दर्दनाक घटनाक्रम सामने आया। 8 साल के पुत्र को जहरीली गोली खिलाने के बाद मां ने भी खाली। परिजनों ने दोनों की बिगड़ती हालत देखी तो उपचार के लिये आगर अस्पताल लेकर पहुंचे। बालक को डॉक्टरों ने उज्जैन रैफर कर दिया। कुछ देर बाद दोनों की मौत हो गई।

झारड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम लसुडिया गोयल में 3 भाईयों का सयुक्त परिवार रहता था और 20 बीघा जीमन पर खेती करता है। परिवार में कोई विवाद नहीं है। मंगलवार सुबह 6.30 बजे के लगभग परिवार के एक भाई रघुसिंह तंवर की पत्नी सीमाबाई और 8 साल का पुत्र राजवीर उल्टियां करते दिखाई दिये। सीमाबाई के जेठ शिवसिंह तंवर ने दोनों को देखा तो तत्काल परिवार के साथ आगर अस्पताल लेकर पहुंचे। इस बीच सामने आया कि सीमाबाई ने पहले पुत्र को जहरीली गोली खिलाई और फिर खुद ने खा ली। आगर पहुंचने पर डॉक्टरों ने बालक राजवीर को उज्जैन रैफर कर दिया। राजवीर को उज्जैन लाया जाता, उससे पहले सीमाबाई की आगर अस्पताल में मौत हो गई। उज्जैन के निजी अस्पताल में राजवीर को भर्ती किया गया, जहां दोपहर में उसकी भी मौत होना सामने आया। सीमाबाई का आगर में पोस्टमार्टम कराया गया। बालक राजवीर को उज्जैन नीलगंगा पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया। मां और पुत्र की मौत होने की खबर लसुडिया गोयल पहुंची तो गांव का माहौल गमगीन हो गया। किसी को कुछ समझ नहीं आ रहा था कि सीमाबाई ने ऐसा कदम क्यों उठाया। मामले में नीलगंगा थाना एसआई मनोहर बडोदिया ने बताया कि बालक के बड़े पापा शिवसिंह के बयान दर्ज कर शव सौंपा गया। शिवसिंह ने भी ऐसा कोई कारण नहीं बताया कि जिससे दोनों के द्वारा उठाये गये कदम का कारण स्पष्ट हो पाये। वहीं झारड़ा थाना प्रधान आरक्षक भारतसिंह चौहान ने बताया कि गांव में भी परिवार के गमगीन होने पर कोई वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है।

रातभर से लापता युवकों की लाश डाबरी से मिली

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रात भर से लापता दो दोस्तों की परिवार तलाश के बाद बुधवार सुबह गांव की डबरी के पास पहुंचा तो उनकी बाइक खड़ी दिखाई दी। डबरी के करीब जाने पर मोबाइल और चप्पल पड़ी दिखाई दी। शंका के आधार पर तलाश शुरू की गई तो दोपहर 1 बजे के लगभग उनके शव बाहर निकल गए। भाटपचलाना थाना क्षेत्र के ग्राम चिरोला में रहने वाले दो दोस्त अजय पिता सुमन दास बैरागी 16 वर्ष और कमल पिता हिरालाल माली 20 वर्ष मंगलवार सुबह बाइक से निकले थे देर शाम तक घर नहीं पहुंचे रात में परिवार ने तलाश शुरू की कुछ पता नहीं चला, बुधवार सुबह फिर से दोनों के परिवार और गांव वाले उनकी खोजबीन में जुट गए सुबह 11 के लगभग पता चला दोनों दोस्तों की बाइक गांव की ही डबरी के पास खड़ी हुई है। परिवार और गांव वाले मौके पर पहुंचे इस दौरान डबरी के पास मोबाइल और चप्पल पड़ी दिखाई दी दोनों के डूबने की आशंका में तलाश शुरू की गई। अनुविभागीय अधिकारी आकांक्षा बिछोटे, थाना प्रभारी सत्येंद्र सिंह चौधरी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए 15 फीट गहरी डबरी में दोनों की तलाश के लिए स्थानीय गोताखोरों को बुलाया गया और करीब 2 घंटे की तलाश के बाद दोपहर में उनके शव बाहर निकाल लिए गए। माना जा रहा है कि दोनों डबरी में नहाने गए थे और गहराई का अंदेशा नहीं होने पर डूबे हैं फिलहाल पुलिस ने मामले में मार्ग कम कर दोनों का पोस्टमार्टम कराया है एक के पिता खेती किसानी करते हैं दूसरे के पिता गांव के ही मंदिर में पुजारी है।

100 रुपए में उज्जैन के 10 प्रमुख मंदिरों के दर्शन

मंदिर समिति ने 6 माह बाद दोबारा शुरू किया संचालन- हर सुबह हरसिद्धि चौराहे से रवाना होगी बस, बच्चों का किराया 50 रुपए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उज्जैन दर्शन बस सेवा दोबारा शुरू कर दी है। अब श्रद्धालु मात्र 100 रुपए में शहर के 10 प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन कर सकेंगे। बच्चों के लिए किराया 50 रुपए निर्धारित किया गया है। बस प्रतिदिन सुबह 7.30 बजे हरसिद्धि चौराहे से रवाना होगी।

समिति के अनुसार यह सेवा पिछले करीब छह माह से बंद थी, जिसे श्रद्धालुओं की मांग और सुविधा को देखते हुए फिर शुरू किया गया है। यात्री बस में ही टिकट प्राप्त कर सकेंगे। बस सेवा शुरू होने से बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को ऑटो, ई-रिक्शा और

टैक्सी के महंगे किराए से राहत मिलेगी।

सहायक प्रशासक आशीष फलवाडिया ने बताया कि महाकाल मंदिर समिति लगातार श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं बढ़ा रही है। उज्जैन दर्शन बस सेवा भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। वर्तमान में 37 सीटर बस संचालित की जा रही है। सिंहस्थ-2028 के निर्माण कार्यों को देखते हुए फिलहाल एक बस चलाई जा रही है, भविष्य में सेवाओं का विस्तार किया जाएगा।

इन प्रमुख मंदिरों के होंगे दर्शन-

बड़ा गणेश मंदिर
हरसिद्धि माता मंदिर
कालभैरव मंदिर
मंगलनाथ मंदिर
सिद्धनाथ मंदिर
सांदीपनि आश्रम
गढ़कालिका माता मंदिर
स्थिरमन गणेश मंदिर
भर्तृहरि गुफा
चिंतामन गणेश मंदिर

श्रद्धालुओं ने रखी मांग- बस सेवा शुरू होने के बाद श्रद्धालुओं ने दो शिफ्ट में 60-60 सीटों वाली बस चलाने की मांग की है। उनका कहना है कि श्रावण मास और आगामी त्योहारों के दौरान बड़ी संख्या में भक्त उज्जैन पहुंचते हैं, ऐसे में अतिरिक्त बसों से अधिक लोगों को लाभ मिलेगा।

आगे और बढ़ेंगी सुविधाएं- महाकाल मंदिर समिति के अनुसार भविष्य में नया बस स्टॉप और आधुनिक बुकिंग काउंटर भी विकसित किया जाएगा। पहले चारधाम मंदिर पार्किंग क्षेत्र में यह सुविधाएं उपलब्ध थीं, लेकिन निर्माण कार्यों के कारण बंद हो गई थीं। आगामी समय में इन्हें फिर से व्यवस्थित रूप से शुरू किया जाएगा।

उज्जैन से झाबुआ लौट रहे पति पत्नी सड़क दुर्घटना का शिकार

बड़नगर मार्ग पर खड़े डंपर से टकराई बाइक, पति की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में चल रहे निर्माण कार्यों के दौरान मजदूरी के लिए आए पति पत्नी मंगलवार दोपहर बाइक से वापस अपने गांव लौट रहे थे। बड़नगर मार्ग पर खड़े डंपर से बाइक टकरा गई। दुर्घटना में पति की मौत हो गई पत्नी गंभीर घायल हुई है। झाबुआ से आए परिजनों की मौजूदगी में बुधवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया।

चिंतामण थाना पुलिस ने बताया कि बड़नगर मार्ग नलवा में दुर्घटना होने की सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची थी। बाइक सवार पुरुष

की मौत हो चुकी थी और महिला गंभीर रूप से घायल की दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया और जांच शुरू की गई तो दोनों पति-पत्नी होना सामने आए। मृतक पति सुरेश पिता नंदू बामोर 35 साल निवासी नयापुरा सारंगी थाना पेटलावद झाबुआ सामने आया। घायल पत्नी राधाबाई होना सामने आई। पुलिस के अनुसार बाइक सवार दंपत्ति खड़े डंपर से टकराए थे। दुर्घटना की सूचना परिजनों को दी गई बुधवार सुबह उज्जैन पहुंचे परिजनों ने बताया कि दोनों मजदूरी के लिए उज्जैन आये हुए थे। जहां से वापस अपने गांव आ रहे थे। सुरेश दो बच्चों का पिता था। पोस्टमार्टम के बाद परिजन बॉडी अंतिम संस्कार के लिए झाबुआ के पैतृक गांव नयापुरा सारंगी ले गए हैं। पुलिस ने मामले में डंपर चालक के खिलाफ लापरवाही पूर्वक बीच मार्ग पर वहां खड़ा करने का मामला दर्ज कर जांच में लिया है।